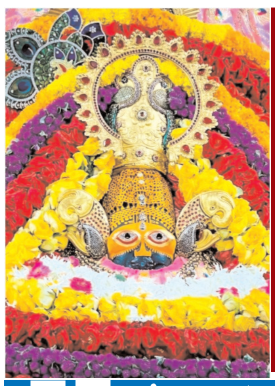

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 38। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 4 अक्टूबर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

नंदुरबार के नवापुर में खाकी के साये में चल रहा है जुए और ड्रग्स का सबसे बड़ा काला साम्राज्य

जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो होगा महा-आंदोलन

गोमुख-खिखड़ा में रोज उड़ते हैं करोड़ों रुपए, डी-कंपनी के इशारे पर नाच रही है पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नंदुरबार/मुंबई। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की सीमा पर स्थित नवापुर इलाका इस समय अपराध, आतंक और पुलिसिया संरक्षण के एक ऐसे खतरनाक दलदल में धंस चुका है, जिसे देखकर रूह कांप जाए! नवापुर थाना क्षेत्र के गोमुख गांव से महज दो किलोमीटर दूर खिखड़ा गांव में अपराधियों का एक ऐसा सम्राज्य खड़ा हो गया है, जहां कानून, संविधान और पुलिस महकमा पूरी तरह घुटने टेक चुका है। यहां रोज़ाना करोड़ों रुपए का जुआ खुलेआम खेला जा रहा है, लेकिन मजाल है कि खाकी वर्दीधारियों के कान पर जूं भी रेंगे! 'महानगर मेट्रो' के हाथ लगे विस्फोटक खुलासों के मुताबिक, इस सनसनीखेज और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मामले ने पूरे प्रशासनिक तंत्र की पोल खोलकर रख दी है। आइए सिलसिलेवार जानते हैं इस काले कारखाने की खौफनाक हकीकतः

अपराध का काला चिट्ठाः खिखड़ा गांव बना जुए, ड्रग्स और अंडरवर्ल्ड का अड्डा

1. अंडवर्ल्ड और अपराधियों का बेखौफ सिंडिकेटः

इस अवैध और खतरनाक कारोबार की डोर मुख्य तौर पर पप्पू, रईस शेख और सूरज जायसवाल के हाथों में है। इन बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि इन्हें स्थानीय पुलिस, एसपी या रेंज आईजी किसी का डर नहीं है। खुलेआम इनका नेटवर्क कानून के मुंह पर तमाचा मार रहा है।

2. गुजरात के 'मोस्ट वांटेड' और 200 जुआरियों का जमावड़ाः

रात के अंधेरे में इस खिखड़ा गांव के अड्डे पर जो नजारा दिखता है, वह किसी बॉलीवुड फिल्म से कम खतरनाक नहीं है। पड़ोसी राज्य गुजरात के कई मोस्ट वांटेड अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर यहां बेखौफ पहुंचते हैं। हर रात 150 से 200 शातिर जुआरी यहां जुटते हैं और करोड़ों दांव पर लगाते हैं।

3. दारू, ड्रग्स और सरेआम तांडवः

यह अड्डा सिर्फ जुए तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां अवैध शराब और खतरनाक ड्रग्स का जहर खुलेआम परोसा जाता है। नशे में चूर असामाजिक तत्व आसपास के ग्रामीण इलाकों में ऐसा आतंक मचाते हैं कि मासूम बच्चों और महिलाओं का घर से निकलना मुहाल हो गया है। अगर कोई विरोध करने की हिम्मत जुटाए, तो उसे सरेआम जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं।

4. 'डी-कंपनी' का सीधा कनेक्शन और रंगदारीः

सबसे डरावना पहलू यह है कि इस अवैध अड्डे से होने वाली काली कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा–यानी रोजाना 2 लाख रुपए की मोटी रकम–रईस शेख सीधे 'डी-कंपनी' के गुर्गों और कारिंदों तक पहुंचा रहा है! अंडरवर्ल्ड का यह साया इस पूरे इलाके में इस बात की गवाही दे रहा है कि किस तरह माफियाओं और भ्रष्ट तंत्र की साठगांठ से देश की सुरक्षा ताक पर रख दी गई है।

5. पुलिस, एसपी और रेंज आईजी की संदिग्?ध और आपराधिक चुप्पीः

स्थानीय नवापुर पुलिस स्टेशन से लेकर जिला पुलिस अधीक्षक और संबंधित रेंज आईजी कार्यालय तक को इस खौफनाक खेल की पुख्ता और बार-बार जानकारियां दी जा चुकी हैं। इसके बावजूद आज तक एक पत्ता भी नहीं हिलना यह चीख-चीख कर कह रहा है कि इन खाकीधारियों और जुआ माफियाओं के बीच गहरी और मोटी मिलीभगत है!

'महानगर मेट्रो' की हुंकारः अब या तो कार्रवाई होगी, या होगा महा-आंदोलन!

खिखड़ा गांव के त्रस्त और भयभीत आम नागरिकों के साथ मिलकर 'महानगर मेट्रो' प्रशासन को खुली चेतावनी देता है कि यदि निम्नलिखित सख्त कदम तुरंत नहीं उठाए गए, तो स्थिति विस्फोटक हो जाएगी स्थानीय पुलिस महकमे को दरकिनार कर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम या किसी राज्य स्तरीय केंद्रीय गुप्तचर एजेंसी से इस पूरे नेक्सेस की तुरंत उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। खिखड़ा गांव के इस अवैध अड्डे पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर पप्पू, रईस शेख, सूरज जायसवाल और गुजरात से आने वाले तमाम मोस्ट वांटेड अपराधियों को शिकंजे में कसा नवापुर थाने के संलिप्त और लापरवाह अधिकारियों तथा इन अपराधियों को पालने वाले भ्रष्ट चेहरों को बर्खास्त कर उन पर फौजदारी (क्रिमिनल) मुकदमे दर्ज किए जाएं। यदि राज्य प्रशासन ने इस गंभीर मामले पर तत्काल बुल्डोजरनुमा कार्रवाई नहीं की, तो जनता का यह उबाल राज्यव्यापी जन-आंदोलन और उच्च न्यायालय के कड़े दरवाजे तक पहुंचकर इन भ्रष्टों की नींद हराम कर देगा!

खिखड़ा में कथित काला कारोबार, जांच की मांग

गोमुख के पास खिखड़ा गांव में 150 से 200 जुआरियों के जुटने और करोड़ों रुपए के दांव लगाए जाने का दावा। अवैध शराब, ड्रग्स और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए एसआईटी से जांच और कार्रवाई की मांग की गई है

शिवाजी पार्क प्रदर्शन में पहुंचे नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी और विशाल ददलानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित प्रदर्शन में फिल्म जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। कॉकरोच जनता पार्टी के इस प्रदर्शन में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, अभिनेत्री शबाना आजमी, संगीतकार विशाल ददलानी और फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज समेत कई कलाकार पहुंचे। पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग शिवाजी पार्क पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सवाल उठाए। की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के संबंध में बाद में आयोजकों और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया। प्रदर्शन के दौरान नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो सामने आया, वीडियो में नसीरुद्दीन शाह दीपके से मुलाकात करते और उन्हें गले लगाते नजर आए। उनका प्रदर्शन में पहुंचना उनके लिए खास अनुभव रहा।

शिवाजी पार्क के प्रदर्शन में नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी और विशाल ददलानी पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में फिल्म और संगीत जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। पुलिस की ओर से अनुमति नहीं दिए जाने के बावजूद प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अभिनेता

नसीरुद्दीन शाह, अभिनेत्री शबाना आजमी, संगीतकार विशाल ददलानी और फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज समेत कई चर्चित चेहरे प्रदर्शन स्थल पर नजर आए। प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और विशेष गहन पुनरीक्षणको लेकर सवाल उठाए। CJP की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई है। प्रदर्शन को लेकर पुलिस की अनुमति नहीं होने के बावजूद लोगों के पहुंचने से शिवाजी पार्क के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई थी।

मातृभूमि को सरकार से मिली NOC, अब CBFC की मंजूरी का इंतजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' को सरकार से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिल गया है। अब फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की मंजूरी का इंतजार है। यह वॉर-ड्रामा फिल्म वर्ष 2020 में भारत और चीन के बीच हुए टकराव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म के मूल वर्जन में कई बदलाव किए गए हैं। सरकार की ओर से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है कि फिल्म में

किसी देश के सम्मान को ठेस न पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को फिल्म के निर्माताओं की ओर से सौंपे गए 'मातृभूमि' के नए वर्जन पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद फिल्म को NOC जारी कर दी गई। NOC मिलने के बाद अब फिल्म के इसी साल के अंत में सिनेमाघरों में आने की संभावना है। फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट अभी घोषित नहीं हुई है। हालांकि, रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान खान और उनकी टीम 13 नवंबर को फिल्म रिलीज करने पर विचार कर रही है। टीम का मानना है कि दिवाली के बाद का त्योहारी माहौल फिल्म की रिलीज के लिए उपयुक्त हो सकता है। फिलहाल फिल्म की सेंसर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

पबजी गेम से शुरू हुआ अफेयर, लखनऊ में 3 साल से रह रहा था बांग्लादेशी युवक; आधार-पैन और वोटर कार्ड भी बनवाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। शहर में पुलिस ने शनिवार को एक बांग्लादेशी युवक को अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक युवक करीब तीन साल से लखनऊ में रह रहा था और इस दौरान उसने भारत के आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर कार्ड तक बनवा लिए थे। उसके भारतीय पहचान दस्तावेज तैयार कराने में मदद करने वाले जनसेवा केंद्र संचालक को भी

पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए युवक की पहचान बांग्लादेश के चटग्राम निवासी मोहम्मद सज्जाद हुसैन (28) के रूप में हुई है। वह बाजारखाला क्षेत्र के भदेवा स्थित नसीरुल्ला अपार्टमेंट में रह रहा था। पुलिस ने उसके साथ भदेवा निवासी जनसेवा केंद्र संचालक मोहम्मद तलहा (40) को भी पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद सज्जाद हुसैन की पहचान लखनऊ की एक महिला से पबजी गेम खेलते समय हुई थी।

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज, 12-13 अक्टूबर को देहरादून आएगी निर्वाचन आयोग की टीम

आयोग के दौरे से पहले डीएम ने नोडल अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां अब जमीनी स्तर पर तेज हो गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग के उच्च अधिकारियों का दल 12 और 13 अक्टूबर को देहरादून पहुंचेगा। आयोग की टीम जिले में चल रही चुनावी तैयारियों का जायजा लेगी। दौरे को देखते हुए शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने निर्वाचन से जुड़े सभी नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चुनाव से संबंधित सभी व्यवस्थाएं तय समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। प्रशासन का मुख्य फोकस ईवीएम-वीवीपैट की उपलब्धता, मतदान केंद्रों की मैपिंग, सुरक्षा बलों की जरूरत, चुनावी कार्मिकों का डेटाबेस तैयार करने और उनके प्रशिक्षण पर है। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में उपलब्ध सभी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए अतिरिक्त मशीनों की जरूरत कितनी होगी, इसका विवरण भी तैयार किया जाएगा। ईवीएम-वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने को कहा गया है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों की मैपिंग को भी चुनावी तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को सामान्य मतदान केंद्रों के साथ संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान

केंद्रों की मैपिंग पूरी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा चुनाव के दौरान सुरक्षा बलों की आवश्यकता का आकलन करने, चुनावी कार्मिकों का डेटाबेस तैयार करने और प्रशिक

मृतक इन्फ्लुएंसर मेड संधू की गोली मारकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमृतसर। शहर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मेड संधू की शनिवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई। लोहारका रोड पर बाइक से आए दो हमलावरों ने उन पर गोलीबारी की। बताया गया कि हमलावरों ने मेड संधू को चार गोलियां मारीं। गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। वारदात से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मेड संधू सड़क पर खून से लथपथ पड़े दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उनके साथी उन्हें सड़क से उठाकर ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। घटनास्थल पर गोलियों के खोल भी पड़े दिखाई दिए। DCP प्रभजोत सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके से दो खोल बरामद किए हैं। मामले की जांच के

साथियों ने सड़क से उठाया

लिए एक टीम गठित की गई है। पुलिस हमलावरों और वारदात के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है।ेड संधू ने शनिवार शाम करीब 5 बजे अपने इंस्टाग्राम पर आखिरी रील पोस्ट की थी। इस रील में उन्होंने पंजाबी में लिखा था– 'मैनूं गुड बॉय चाहीदा है, विया करान नूं। मैं की करां जट्टा बदमाश तों? ' इस पोस्ट के करीब एक घंटे बाद ही लोहारका रोड पर उन पर हमला हो गया। आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट और उसके बाद हुई हत्या को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। मेड संधू का करीब तीन महीने पहले निहंग जत्थेदार मनप्रीत सिंह खालसा से विवाद हुआ था। उस दौरान निहंग पक्ष की ओर से मेड संधू की सोशल मीडिया गतिविधियों, पहनावे और पुरानी वीडियो को लेकर आपत्ति जताई गई थी।

मेड संधू की आखिरी रील के एक घंटे बाद हत्या

शनिवार शाम करीब 5 बजे इंस्टाग्राम पर आखिरी रील पोस्ट की थी मेड संधू ने। करीब एक घंटे बाद लोहारका रोड पर बाइक सवार दो हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने मौके से दो गोली के खोल बरामद किए हैं

होर्मुज में जहाज पर मिसाइल हमला, 5 भारतीय नाविक सुरक्षित; फरवरी से अब तक 100 से ज्यादा भारतीय प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

होर्मुज। होर्मुज क्षेत्र में शुक्रवार को एक जहाज पर मिसाइल हमला हुआ। इस जहाज पर सवार 5 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, जहाज पर हमला किसने किया, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। भारतीय नाविक कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह III पर सवार थे। यह जहाज कच्चे तेल से भरा हुआ था और अफ्रीका की ओर जा रहा था। हमले के बाद भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भारतीय दूतावास की ओर से जानकारी साझा की गई।फरवरी से अब तक 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी से अब तक होर्मुज क्षेत्र में हुए हमलों में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। इन घटनाओं में 11 भारतीय नाविकों की जान जाने की जानकारी भी सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 1,500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, इस समय फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 वाणिज्यिक जहाज मौजूद हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बाहर

पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, क्योंकि वह मुश्किल स्थिति में है और उसके पास पैसे नहीं आ रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि ईरान की कमाई होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले कारोबार पर निर्भर है।

पाकिस्तान को 19 रन से हराकर भारत ने जीता एशियन गेम्स का गोल्ड, वैभव सूर्यवंशी बने सबसे युवा भारतीय चैंपियन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

निशिन। भारत ने एशियन गेम्स के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 211 रन बनाए। यह पाकिस्तान के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा टी-20 स्कोर बताया गया है। मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम ने खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की। इस

जीत के साथ वैभव सूर्यवंशी ने भी बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 15 साल, 6 महीने और 7 दिन की उम्र में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही वे एशियन गेम्स में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने फाइनल में अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टी-20 क्रिकेट में अपने 400 छक्के पूरे किए। उन्होंने यह उपलब्धि 3,513 गेंदों में हासिल की। इसके साथ ही वे इंटरनेशनल, घरेलू और लीग क्रिकेट को मिलाकर टी-20 में सबसे तेज 400 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 3,557 गेंदों में 400 छक्के पूरे किए थे। इस सूची में आंद्रे रसेल 3,027 गेंदों के साथ पहले स्थान पर हैं।अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में युवराज सिंह के रिकॉर्ड की बराबरी की। युवराज ने 2012 में अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ 7 छक्के लगाए थे। अभिषेक शर्मा ने 2026 में अब तक 104 छक्के लगाए हैं। एक कैलेंडर ईयर में भारतीय बल्लेबाज के सबसे ज्यादा टी-20 छक्कों के मामले में उनका 2026 का प्रदर्शन दूसरा सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। इससे पहले अभिषेक ने 2025 में 108 छक्के लगाए थे। ईशान किशन ने 2026 में टी-20 क्रिकेट में 1,005 रन पूरे किए। इसके साथ ही वे टी-20 इंटरनेशनल में एक कैलेंडर ईयर में 1,000 रन बनाने वाले दुनिया के सातवें और भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2022 में 1,164 रन बनाए थे। भारत की इस जीत के साथ फाइनल में टीम के प्रदर्शन के अलावा वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के नाम भी कई व्यक्तिगत उपलब्धियां दर्ज हो गईं।

कुर्सी को लेकर सपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भिड़े नेता, पूर्व जिलाध्यक्ष को थप्पड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शनिवार को कुर्सी पर बैठने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि पार्टी के नेता और उनके समर्थक आपस में भिड़ गए। जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में दोपहर करीब 2.45 बजे हुई घटना में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी और गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा सीट से दावेदारी कर

रहे अंशुमान सिंह के समर्थकों के बीच पहले गाली-गलौज हुई और फिर हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान नगीना साहनी को अंशुमान सिंह के बेटे कमलेश सिंह ने थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद सपा नेताओं ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों के लोगों को अलग किया। कुछ देर बाद मामला शांत हुआ। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मारपीट होती दिखाई दे रही है। विवाद के थोड़ी देर बाद ही अंशुमान सिंह को समाजवादी पार्टी से बाहर कर दिया गया। सपा जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम अखिलेश यादव के निर्देश पर चल रहे कार्यक्रम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इसमें 2 से 8 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' की जानकारी दी जा रही थी।

दबाव हटाने गए चीफ ऑफिसर को चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी: प्रांतिज में खाकी और कानून के सामने गुंडागर्दी करने वाले दो शख्स गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रांतिज। साबरकांठा जिले के प्रांतिज शहर से कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सीधे सवाल खड़े करने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। शहर में ट्रैफिक की समस्या को कम करने और अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए नगर पालिका प्रशासन द्वारा सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई के दौरान ड्यूटी पर मौजूद पालिका के चीफ ऑफिसर को कुछ असामाजिक तत्वों ने खुलेआम चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी, जिससे पूरे इलाके में भारी रोष और सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, प्रांतिज नगर पालिका द्वारा पिछले चार दिनों से शहर में सड़कों पर लगने वाली अवैध लारियों-ठेलों और अन्य अतिक्रमणों को हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। गत 28 सितंबर को अप्रोच रोड स्थित भांखरिया इलाके में पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त के बीच पालिका की टीम अतिक्रमण हटाने का काम कर रही थी। इसी दौरान दो उद्दंड युवकों ने अचानक उग्र होकर सरकारी काम में बाधा डालने की कोशिश की। इतने पर ही नहीं रुके इन लफंगों ने हदें पार करते हुए प्रांतिज नगर पालिका के चीफ ऑफिसर हिरेन सोलंकी के साथ दुर्व्यवहार किया, गालियां दीं और सीधे चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। किसी सरकारी अधिकारी पर इस तरह हथियार के साथ हमले का प्रयास होने से मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में भी खलबली मच गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए चीफ ऑफिसर हिरेन सोलंकी द्वारा तुरंत प्रांतिज पुलिस स्टेशन में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई। सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने, गाली-गलौज करने तथा जानलेवा हमले के प्रयास सहित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा और सलाखों के पीछे भेज दिया है।

खाडिया वार्ड में कचरा कलेक्शन की आड़ में खेल चलाती सिस्टम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता बनाए रखने के दावे भले ही बड़े-बड़े किए जाते रहे हों, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी कह रही है। शहर के बीचों-बीच स्थित और ऐतिहासिक महत्व रखने वाले खाडिया वार्ड से एक बेहद चौंकाने वाली और सुलगती खबर सामने आई है। खाडिया वार्ड में चल रहे डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के काम में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरते जाने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस पूरे घोटाले के केंद्र में खाडिया वार्ड के PHS (पब्लिक हेल्थ सुपरवाइजर) भगवानभाई खांट सीधे तौर पर कटघरे में आ खड़े हुए हैं! प्राप्त जानकारी के अनुसार, खाडिया वार्ड में नागरिकों के घरों तक कचरा पहुंचाने और एकत्रित करने के लिए जिस एजेंसी या ठेकेदार को काम सौंपा गया है, वह नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। पंचकुवा, गांधी ब्रिज और आसपास के इलाकों में नियमित रूप से कचरा कलेक्शन नहीं होता, गाड़ियां समय पर नहीं आती हैं और सफाई की स्थिति बेहद बदतर हो चुकी है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जनता की इन समस्याओं को देखने या सुनने के बजाय PHS भगवानभाई खांट कथित तौर पर ठेकेदार के साथ मिलकर अपनी जेबें भरने में व्यस्त हैं। आरोप यह हैं कि ठेकेदार द्वारा नियमानुसार काम न किए जाने के बावजूद और गाड़ियां या स्टाफ पर्याप्त न होने के बावजूद, भगवानभाई खांट द्वारा हर महीने ठेकेदार से किस्तों के रूप में बड़ी रकम की 'नकदी' वसूली जाती है! नियमों को ताक पर रखकर चलने वाले इस हफ्ताखोरी के खेल के कारण खाडिया की जनता भारी परेशानी भुगत रही है यह सवाल आज खाडिया का हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। पंचकुवा से लेकर गांधी ब्रिज तक के इलाकों में यदि कचरे के ढेर लगे रहते हैं और ठेकेदार अपनी मनमानी करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसे बचाया क्यों जा रहा है?

'समीर उस्मानमियां' बनकर हिंदू युवती को प्रेम जाल में फसाने वाले वड़ोदरा के जमीन दलाल सुनील महिड़ा की क्रूर करतूतों का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वड़ोदरा। गुजरात की संस्कार नगरी कहे जाने वाले वड़ोदरा शहर से एक बेहद चौंकाने वाली, दिल दहला देने वाली और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। अपनी पहचान छिपाकर, गलत नाम धारण करके एक मासूम युवती के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वाले एक दरिंदे जमीन दलाल की करतूतें अब कानून के शिकंजे में आ गई हैं। 'समीर उस्मानमियां' जैसा फर्जी नाम रखकर युवतियों को फंसाने वाले इस शख्स का असली चेहरा सामने आते ही पूरे राज्य में हाहाकार मच गया है। प्रेम और विश्वास की आड़ में रचे गए इस घृणित पाप के कारण पीड़िता का जीवन नर्क समान बन गया था। प्राप्त पुख्ता जानकारी के अनुसार, वड़ोदरा में जमीन दलाली का काम करने वाले सुनील महिड़ा नामक शख्स ने एक युवती को अपने प्रेम जाल में फंसाने के लिए एक बड़ा और सुनियोजित षड्यंत्र रचा था। उसने अपना असली नाम छिपाकर युवती के सामने अपना नाम 'समीर उस्मानमियां' बताया था। अपनी पहचान गलत बताकर उसने युवती का विश्वास जीत लिया और उसके बाद उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। लेकिन इन रिश्तों के पीछे इस दरिंदे का इरादा सिर्फ शारीरिक शोषण करना था। रिश्ते के दौरान पीड़िता दो बार गर्भवती हो गई। जब भी यह बात सामने आती, तब यह हवस का पुतला बना जमीन दलाल युवती को झूठे वादे देकर फुसलाता और फिर जबरदस्ती तथा डरा-धमकाकर दवाओं या ऑपरेशन के माध्यम से गर्भपात (अबॉर्शन) करवाता था। युवती पर किए गए ये शारीरिक और मानसिक अत्याचार अपनी क्रूरता की सारी हदें पार कर चुके थे।

डभोई-वडोदरा रोड पर काल बनकर दौड़ा 'छोटा हाथी': हादसे में रवी पार्क के टू-व्हीलर चालक की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वरणामा थाना क्षेत्र में रतनपुर गांव के सामने तेज रफ्तार टेम्पो ने प्लेजर चालक को लिया अपनी चपेट मेंडभोई से वडोदरा की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिसमें एक और मासूम नागरिक को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वरणामा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आने वाले डभोई-वडोदरा रोड पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे छोटा हाथी (टेम्पो) के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टू-व्हीलर चालक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक भीषण दुर्घटना घटित हुई। इस दर्दनाक हादसे में टू-व्हीलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त विवरण के अनुसार, वडोदरा शहर के तरसाली इलाके स्थित रवी पार्क सोसायटी में रहने वाले 42 वर्षीय कल्पेशभाई गोविंदभाई परमार बीते 2 अक्टूबर को अपने निजी काम से टू-व्हीलर (प्लेजर) लेकर निकले थे। जब वे रतनपुर गांव के सामने डभोई से वडोदरा की ओर जाने वाले मार्ग से गुजर रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार और बेकाबू तरीके से आ रहे छोटा हाथी के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए कल्पेशभाई के प्लेजर को जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी भयानक थी कि कल्पेशभाई टू-व्हीलर से उछलकर सीधे सड़क पर जा गिरे। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आने के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। इस अचानक हुई और दिल दहला देने वाली घटना के कारण मृतक कल्पेशभाई के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक की पत्नी अपेक्षाबेन ने इस पूरे मामले को लेकर वरणामा पुलिस स्टेशन में अज्ञात छोटा हाथी चालक के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर वरणामा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार टेम्पो चालक की पहचान करने तथा उसकी गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए युद्ध स्तर पर जांच शुरू कर दी है।

कमलम के इशारे पर वडगाम MLA जिग्नेश मेवाणी के परिवार पर कीचड़ उछालने का खेल

माताओं-बहनों को बीच में लाकर राजनीतिक बदला लेने की BJP की मानसिकता उजागर

वडगाम में वर्ग संघर्ष और सांप्रदायिक दंगे कराने के डर के बीच प्रदेश कांग्रेस आक्रामक मूड में

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। आज गुजरात की राजनीति में शर्म और शराफ़त की सारी हदें पार हो गईं। उनके इशारे पर सोशल मीडिया पर एक्टिव हुए BJP नेताओं और ट्रोल्स ने वडगाम के जोशीले और जुझारू MLA जिग्नेश मेवाणी के परिवार और बहन के बारे में बेहद भद्दे, घटिया और शर्मनाक कमेंट्स किए हैं। इस घिनौने कृत्य को एक सोची-समझी राजनीतिक साज़िश बताते हुए सीधे 'कमलम' से गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और रूर जिग्नेश मेवाणी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में BJP पर बेहद आक्रामक और जानलेवा हमले किए। कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ चेतावनी दी है कि जिग्नेश मेवाणी का पॉलिटिकल तौर पर सामना करने में फेल रही BJP अब उनके परिवार की महिलाओं को टारगेट करके निचले लेवल पर उतर आई है! जिग्नेश मेवाणी का गरजदार हमला: BJP मुझे दुश्मन मानकर निचले लेवल की पॉलिटिक्स पर उतर आई है!' प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जिग्नेश मेवाणी ने कहा, 'छह साल से ज़्यादा समय से BJP ने मेरे कैरेक्टर को खराब करने की कई कोशिशें की हैं, असम तक मेरे खिलाफ झूठे केस किए हैं, लेकिन उन्हें मेरे कैरेक्टर या फाइनेंशियल करप्शन का एक भी सबूत नहीं मिला है। मैं राजकोट आग की घटना से लेकर जनता के हर मुद्दे पर BJP के खिलाफ लड़ रहा हूं, इसलिए मैं उन्हें 'अपनी आंखों के तारे' की तरह खींच रहा हूं। BJP मुझे पॉलिटिकल विपक्ष नहीं बल्कि दुश्मन मानकर मेरे परिवार के लोगों को टारगेट कर रही है। बनासकांठा के धवल दवे ने जो अभद्र पोस्ट की है और जिस तरह से BJP वडगाम में हिंदू-मुस्लिम और क्लास का झगड़ा कराकर दंगे कराने की चाल चल रही है, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि BJP स्कैम और रिश्वतखोरी के मामलों में शामिल लोगों को बचा रही है, जबकि जनता की आवाज़ दबाने के लिए ऐसी घिनौनी साज़िशें रची जा रही हैं।

लालजी देसाई और डॉ. अमीबेन याग्निक का हमला: 'महिला मंत्री BJP के सिर्फ़ मोहरे बन गई हैं

ओडिशा इंचार्ज लालजी देसाई ने हमला करते हुए कहा, 'जब भी देश भर में BJP की साख मिट्टी में मिलती है, तो होम मिनिस्टर के कहने पर ऐसी घटिया साज़िशें रची जाती हैं। दलित मंत्री प्रद्युम्न वाजा और मनीषा वकील जिग्नेश मेवाणी के ख़िलाफ़ बयान देने आते हैं, लेकिन क्या उन्होंने कभी दलितों पर हो रहे असली अत्याचारों और मुद्दों पर बात की है? BJP इन मंत्रियों का सिर्फ़ राजनीतिक शोषण कर रही है।' ICC मेंबर डॉ. अमीबेन याग्निक ने अपना गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कहा, 'जब गुजरात में महिला सुरक्षा का झंडा लहरा रहा है और क्राइम रेट अपने पीक पर है, तो जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय, सरकार की महिला मंत्री पॉलिटिकल बदला लेने के लिए मैदान में आ जाती हैं। जिन महिलाओं का पॉलिटिक्स से कोई लेना-देना नहीं है, उन पर कीचड़ उछालना गुजरात का कल्चर नहीं है।' ग्यासुद्दीन शेख और हितेंद्र पीठाडिया की चेतावनी 'वडगाम में शांति भंग करने की साज़िश से सावधान पूर्व MLA ग्यासुद्दीन शेख ने मुस्लिम और दलित कम्युनिटी से अपील की कि BJP वडगाम में क्लास स्ट्रगल और

कम्युनल आग भड़काना चाहती है, इसलिए सभी को एकता बनाए रखनी चाहिए और इस साज़िश को नाकाम करना चाहिए। कांग्रेस शेड्यूल्ड कास्ट डिपार्टमेंट के चेयरमैन हितेंद्र पीठाडिया ने आंकड़ों के साथ सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि राज्य में एट्रोसिटी के मामलों में सज़ा का रेट न के बराबर है, सेप्टिक टैंक और सफ़ाई कर्मचारी मर रहे हैं, कुपोषण बढ़ रहा है और एजुकेशन सेक्टर तबाह हो गया है। सरकार इन गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का घटिया खेल खेल रही है।

कांग्रेस का राज्य भर में आंदोलन और क्रिमिनल केस की मांग

कांग्रेस पार्टी ने साफ चेतावनी दी है कि अगर अगले 48 घंटों में इस काम को करने वाले सभी आरोपियों को जेल नहीं पहुंचाया गया तो कल शाम 4 बजे गुजरात के सभी जिलों में BJP और धवल दवे की इस बिगड़ी हुई सोच के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज करने की मांग को लेकर एक ज़बरदस्त आंदोलन और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा!

48 घंटे में कार्रवाई नहीं तो गुजरातभर में प्रदर्शन

जिग्नेश मेवाणी के परिवार और उनकी बहन को लेकर कथित अभद्र सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस ने कार्रवाई की मांग की है। पार्टी ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग करते हुए 48 घंटे का समय दिया है। कार्रवाई नहीं होने पर सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया गया है

ऐसा गुजरात किसने बनाया? अहमदाबाद के संवेदनशील जुहापुरा में लफंगों और बदमाशों का आतंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 'वाह रे गुजरात, और वाह रे यहाँ की सुरक्षा व्यवस्था!' गुजरात के विकास के बड़े दावों के बीच सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा डाकूराज और अराजकता वाला गुजरात किसने बनाया? राज्य की आर्थिक राजधानी और सबसे बड़े शहर अहमदाबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी बदतर हो चुकी है, इसका एक और भयावह और शर्मनाक नमूना सामने आया है। अहमदाबाद के सबसे संवेदनशील और बड़े माने जाने वाले जुहापुरा इलाके में असामाजिक तत्वों द्वारा खुलेआम हाथापाई और भारी आतंक मचाने की घटना ने पूरे शहर में हड़कंप मचा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद के जुहापुरा इलाके में असामाजिक तत्वों का आतंक दिन-प्रतिदिन इस हद तक बढ़ चुका है कि अब आम नागरिकों का जीना भी दूभर हो गया है। जुहापुरा के मुख्य मार्गों और घनी आबादी वाले इलाकों में कानून या पुलिस का कोई डर न हो, ऐसे असामाजिक तत्व बेखौफ होकर घूम रहे हैं। हाल ही में जुहापुरा इलाके में दो गुटों या असामाजिक तत्वों के बीच खुली सड़क पर हाथापाई और भारी हंगामा हुआ। दिनदहाड़े या सार्वजनिक रूप से चल रही इस हिंसक झड़प के कारण सड़क से गुजरने वाले राहगीरों, महिलाओं और स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों में डर का माहौल फैल गया है। लोग अपनी जान के जोखिम में चुपचाप तमाशा देखने को मजबूर थे, लेकिन इस आतंक को रोकने की हिम्मत किसी की नहीं हुई। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह उठ रहा है कि क्या अहमदाबाद शहर के पुलिस कमिश्नर और स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारी गहरी नींद में सो रहे हैं? आए दिन जुहापुरा और

आसपास के इलाकों में मारपीट, गुटबाजी, हथियारों के साथ धौंस जमाना और खुलेआम कानून अपने हाथ में लेना आम बात हो गई है। पुलिस द्वारा शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के केवल कागजी दावे किए जाते हैं

मेलू उठाने के बयान के पीछे बापू का मास्टर गेम: शंकरसिंह वाघेला के इस बयान से गुजरात की राजनीति में क्यों मचा भूचाल?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में लंबे समय के अंतराल के बाद एक बार फिर धमाकेदार एंट्री करने जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला (बापू) ने एक बार फिर अपने बयानों से राजनीतिक हलकों में भूचाल ला दिया है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला का कांग्रेस में जाना अब लगभग तय माना जा रहा है, लेकिन घर वापसी से पहले ही सागबारा में आयोजित एक आदिवासी सम्मेलन में दिए गए उनके एक विवादित बयान ने पूरे राज्य में आग लगा दी है। बापू ने खुले तौर पर बयान दिया था कि, 'अगर ब्राह्मण, पटेल और वाणिया सिर पर मैला उठाएं, तो मैं उन्हें 50 हजार रुपये दूंगा!' इस बयान के सामने आते ही गुजरात की राजनीति गरमा गई है और चारों तरफ चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। लेकिन राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी और चतुर रणनीतिकार माने जाने वाले शंकरसिंह वाघेला बिना किसी सोचे-समझे कभी कोई बात नहीं बोलते। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि बापू का यह बयान कोई जबान फिसलने के कारण दिया गया बयान नहीं है, बल्कि एक साथ कई निशाने साधने की उनकी बेहद घातक और धारदार रणनीति है! आइए जानते हैं कि इस बयान के पीछे बापू का असली राजनीतिक खेल क्या है। अगर गुजरात के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो, 1960 से लेकर 1990 के दशक तक आदिवासी, दलित और आर्थिक रूप से पिछड़े मतदाता कांग्रेस का सबसे सुरक्षित और अटूट वोटबैंक रहे थे। लेकिन समय के साथ इस वोटबैंक में सेंध लगाने में बीजेपी सफल रही, जिसके परिणामस्वरूप 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इतिहास रचते हुए भारी बहुमत हासिल किया था। गुजरात के सामाजिक ताने-बाने और जातिगत समीकरणों को जितने गहराई से शंकरसिंह वाघेला समझते हैं, वैसा

दूरदर्शी नेता वर्तमान राजनीति में शायद ही कोई देखने को मिले। गुजरात में वर्तमान आंकड़ों के अनुसार आदिवासी मतदाताओं की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है, दलित मतदाता 7 प्रतिशत हैं और आर्थिक रूप से पिछड़े मतदाता करीब 27 प्रतिशत हैं। अगर गणित लगाएं तो इन तीनों वर्गों के वोट मिलाए जाएं तो कुल 48 प्रतिशत जितने भारी-भरकम वोट होते हैं। इसके अलावा इस राज्य में लगभग 10 प्रतिशत अल्पसंख्यक मतदाता भी हैं।

महानगर मेट्रो न्यूज रिपोर्ट का बड़ा असर डभोई-शिनोर चौकड़ी पर बने स्पीड ब्रेकर और रेडियम पट्टियां, आखिरकार जागा प्रशासन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई और आसपास के इलाकों में सनसनी फैलाने वाले मामलों के बीच, डभोई-शिनोर चौकड़ी पर लगातार हो रहे भीषण हादसों और वाहन चालकों की जान जोखिम में डालने वाले इस गंभीर मुद्दे पर 'महानगर मेट्रो' न्यूज पेपर द्वारा लगातार और जोरदार खबरें प्रकाशित कर प्रशासन की आँखें खोली गईं। अखबार की इन खबरों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए आखिरकार मार्ग और मकान (स्टेट हाईवे) विभाग की नींद टूटी है और उसे तत्काल सुरक्षात्मक कदम उठाने पड़े हैं। डभोई-शिनोर चौकड़ी एक बेहद व्यस्त और महत्वपूर्ण जंक्शन मार्ग है। यहां से स्टेच्यु ऑफ यूनिटी, राजपीपड़ा तथा पवित्र तीर्थ स्थल चांदोद और करनाली की ओर जाने वाले अनगिनत वाहनों की दिन-रात भारी आवाजाही रहती है। इस मुख्य चौकड़ी पर उचित सुरक्षा व्यवस्था या स्पीड ब्रेकर के अभाव में आए दिन छोटे-बड़े गंभीर हादसे होते रहते थे जनप्रतिनिधियों द्वारा पहले कई बार लिखित व मौखिक शिकायतें देने के बावजूद कुंभकर्ण की नींद में सोया प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा था और समस्या जस की तस बनी हुई थी।

साबरमती पुलिस की संदिग्ध भूमिका

गुटखा उधार न देने पर हुए जानलेवा हमले में व्यक्ति की मौत के बावजूद FIR में 'मर्डर' की धारा क्यों नहीं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. अहमदाबाद शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के एक और मामले में साबरमती पुलिस स्टेशन की कार्यप्रणाली गंभीर संदेह के घेरे में आ गई है। गुटखा उधार न देने के मामूली विवाद के चलते हुए घातक हमले में गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति की इलाज के दौरान दर्दनाक मौत हो गई है। इसके बावजूद सबसे बड़ा और चौंकाने वाला सवाल यह है कि व्यक्ति की मौत हो जाने के बावजूद साबरमती पुलिस ने अभी तक FIR में हत्या (मर्डर) की धारा क्यों नहीं जोड़ी है? इस गंभीर लापरवाही को लेकर मृतक के परिजनों और स्थानीय नागरिकों में भारी रोष भड़क उठा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साबरमती क्षेत्र में सामान्य सी बात यानी गुटखा उधार न देने के मामले में आरोपियों द्वारा उकसावे में आकर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किया गया था। यह हमला इतना घातक था कि घायल व्यक्ति को गंभीर चोटें आई थीं और उसे खून से लथपथ हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ समय के इलाज या संघर्ष के बाद इस व्यक्ति की मौत होने की आधिकारिक जानकारी सामने आई है। जब हमले में घायल व्यक्ति की मौत हो जाती है, तो कानूनी प्रक्रिया के तहत पुलिस द्वारा तत्काल प्रभाव से अपराध की धारा बदलकर हत्या की धाराओं को जोड़ना अनिवार्य हो जाता है। परंतु साबरमती पुलिस स्टेशन के पीआई युवराजसिंह वाघेला के नेतृत्व में चल रही इस जांच में धाराएं बदलने में क्यों देरी की जा रही है या फिर इसे क्यों टाला जा रहा है, यह एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न है। साबरमती पुलिस की जांच पर उठ रहे तीखे सवाल समाचार पत्र और जागरूक नागरिकों द्वारा पुलिस प्रशासन के सामने सीधे तौर पर निम्नलिखित सवाल खड़े किए जा रहे हैं क्या पुलिस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर रही है या फिर किसी के दबाव में आकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है? जानलेवा हमले के बाद व्यक्ति की मौत हो जाने के बावजूद अपराध की गंभीर धाराओं में समय पर जरूरी बदलाव क्यों नहीं किया गया है? पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के बजाय इतनी गंभीर घटना में हमले के आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई क्यों टाली जा रही है? यह समाचार उपलब्ध प्राथमिक जानकारी, परिवार के आरोपों और विवरणों पर आधारित है; किसी भी व्यक्ति को अदालत द्वारा दोषी करार नहीं दिया गया है। फिलहाल मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मेडिकल हिस्ट्री और पुलिस द्वारा जांच में की जा रही कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। यदि पुलिस द्वारा इस मामले में पारदर्शी और त्वरित कदम नहीं उठाए गए, तो 'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र इस भ्रष्ट और संदिग्ध रवैये के खिलाफ उग्र जन-आंदोलन छेड़ने से पीछे नहीं हटेगा! मृतक के परिवार को न्याय मिलना ही चाहिए और कानून सभी के लिए समान होना चाहिए।

डभोई टाउनहॉल के निर्माण में ठेकेदार की घोर लापरवाही: जगन्नाथ पार्क में गंदे पानी के सैलाब से महामारी फैलने की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी रोड पर चल रहे टाउनहॉल प्रोजेक्ट के कारण स्थानीय लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर कंपाउंड वॉल से गंदा पानी सीधे सोसाइटी के कॉमन प्लॉट में छोड़ा जा रहा है डभोई स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी रोड पर निर्माणाधीन टाउनहॉल का काम स्थानीय निवासियों के लिए वरदान के बजाय सिरदर्द साबित हो रहा है। नगरपालिका के इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में ठेकेदार की गंभीर लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के कारण बगल में स्थित जगन्नाथ पार्क सोसाइटी के निवासियों में भारी रोष और आक्रोश फैल गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाउनहॉल की नई बनी कंपाउंड वॉल से ड्रेनेज लाइन का गंदा और दूषित पानी सीधे जगन्नाथ पार्क के कॉमन प्लॉट की तरफ मोड़ दिया गया है। इसके अलावा, सरकारी जमीन पर अवैध रूप से रह रहे निर्माण कार्य के मजदूरों के नहाने-धोने तथा अन्य उपयोग का गंदा पानी भी सोसाइटी के इसी खुले प्लॉट में गिराया जा रहा है। जस कॉमन प्लॉट में सोसाइटी के छोटे-छोटे बच्चे खेलते हैं और जिसके आसपास लोगों के घर हैं, वहां लगातार पानी भरा रहने के कारण कीचड़ और मच्छरों का भारी प्रकोप बढ़ गया है। इस भयानक गंदगी के साम्राज्य के बीच निवासी अपनी जान जोखिम में डालकर जी रहे हैं। परिणामस्वरूप, बच्चों और बुजुर्गों में बीमारी का प्रमाण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है और गंभीर बीमारी फैलने की पूरी आशंका जताई जा रही है।

चेन्नई के दिग्गज इन्वेस्टमेंट एडवाइजर मुथुकृष्णन दंडपाणि की भयानक चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/चेन्नई. देश और दुनिया के आर्थिक समीकरणों पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ अब आने वाले समय में किसी बड़ी आर्थिक मंदी या फाइनेंशियल क्राइसिस के आने की भयानक आशंकाएं जता रहे हैं। चेन्नई के जाने-माने और दिग्गज इन्वेस्टमेंट एडवाइजर मुथुकृष्णन दंडपाणि द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक

चेतावनी ने देश भर के मध्यम वर्ग और निवेशकों की नींद उड़ा दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि आने वाला समय आर्थिक दृष्टि से बेहद खतरनाक साबित हो सकता है, इसलिए हर परिवार को हर हाल में कम से कम तीन साल तक चले इतना सुरक्षित इमरजेंसी फंड तैयार कर के रखना ही होगा! आम तौर पर आर्थिक सलाहकार किसी भी परिवार को संकट के समय के लिए केवल 3 से 6 महीने के खर्च जितना ही बैकअप फंड रखने की सलाह देते हैं। लेकिन, मुथुकृष्णन दंडपाणि ने सीधे 3 साल (यानी 36 महीने) के फंड की बात करके सबको चौंका दिया है।उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि आर्थिक अनिश्चितता के इस माहौल में कोई भी नया कर्ज लेना, महंगी गाड़ी खरीदना या मकान खरीदने जैसी लंबी अवधि की बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी के दिग्गज इन्वेस्टमेंट एडवाइजर मुथुकृष्णन दंडपाणि की भयानक चेतावनी: मेदारियों में फंसने से बचना चाहिए। यदि समय रहते खुद को नहीं संभाला गया, तो नौकरी छूटने या बिजनेस ठप होने जैसी स्थितियों में मध्यम वर्ग पूरी तरह कंगाल हो सकता है।यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होते ही इस पर भारी बहस और मिली-जुली प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। कुछ अनुभवी विशेषज्ञ इस सलाह को सौ फीसदी सही और दूरदर्शिता वाली मान रहे हैं, क्योंकि वैश्विक बाजार में मंदी और महंगाई के राक्षस ने सिर उठा लिया है। लेकिन, सवाल यह उठता है कि क्या आज के इस महंगाई के दौर में, जहां एक आम परिवार की सैलरी या कमाई केवल घर चलाने में ही खत्म हो जाती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में जंतर-मंतर पर उग्र प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए विरोध प्रदर्शनों ने एक बार फिर उग्र रूप धारण कर लिया है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर आज एक बार फिर भारी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक नेताओं और जागरूक नागरिकों ने दिल्ली के प्रसिद्ध जंतर-मंतर की ओर मार्च किया। हालांकि, दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने इस प्रदर्शन को कुचलने के लिए सख्त कदम उठाए और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर पहुंचने से रोकते हुए केरल हाउस के पास ही बड़े पैमाने पर हिरासत में ले लिया। बीते कल 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के पावन अवसर पर शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों की कड़ी में आज वामपंथी (लेफ्ट) संगठनों द्वारा एक और मार्च का आह्वान किया गया था। घटनास्थल पर मौजूद संवाददाताओं के अनुसार, प्रदर्शनकारी तख्तियों और नारेबाजी के साथ जंतर-मंतर की ओर आगे बढ़ रहे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने भारी पुलिस बल तैनात करके उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। यह विरोध प्रदर्शन केवल आम कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं था, बल्कि देश के जाने-माने दिग्गज भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल हुए थे। प्रदर्शन में अनगिनत नागरिकों के साथ प्रसिद्धचिंतक योगेंद्र यादव, देश के वरिष्ठ और नामचीन वकील प्रशांत भूषण तथा वरिष्ठ वकील एवं राजनीतिक नेता कपिल सिब्बल भी उपस्थित थे।

12 साल की सत्ता के बाद भी 2047 के गाजर क्यों? जनता को सदियों तक भ्रम में रखने का मोदी सरकार का सबसे बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश की राजनीति में पिछले एक दशक से एक ही शब्द की कैसेट सबसे ज्यादा बज रही है-और वह है '2047'! देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, गृह मंत्री अमित शाह हों या सरकार के अन्य कैबिनेट मंत्री, तमाम नेता पिछले 12 सालों से सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर बैठे होने के बावजूद जब भी भविष्य की बात आती है, तब वर्तमान या अतीत के काम गिनाने के सीधे 2047 के साल की तरफ छलांग लगा देते हैं! सवाल यह उठता है कि पिछले 12 वर्षों से देश की बागडोर संभालने वाले इन शासकों को आज जनता के सुलगते प्रश्नों के जवाब देने के बजाय 2047 के स्वर्ण काल के सपने दिखाने की क्यों जरूरत पड़ रही है? राजनीतिक विश्लेषक और जागरूक नागरिक अब खुलेआम कह रहे हैं कि यह और कुछ नहीं, बल्कि मोदी और उनकी सरकार का एक बेहद शातिर और सुरक्षित 'मास्टरस्ट्रोक' है। इस खेल की रणनीति इतनी चतुराई से गढ़ी गई है कि सरकार का उद्देश्य भविष्य में इतने सारे बड़े और दूर के लक्ष्य तय करना है कि यदि सरकार उनमें विफल हो जाती है या वादे खोखले साबित होते हैं, तो वे सवाल पूछने के लिए आज सवाल करने वाली पीढ़ी जीवित होगी या नहीं, यह भी संदेहास्पद है। जब आप 2047 की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह होता है कि आज की बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की वेदना, भ्रष्टाचार और बदहाल व्यवस्थाओं से जनता का ध्यान हटाकर सीधे पच्चीस साल आगे की काल्पनिक दुनिया में ले जाना। जो लोग आज सत्ता में बैठे हैं, वे अच्छी तरह जानते हैं कि 2047 तक तो आज के वर्तमान नेता राजनीति में होंगे ही नहीं! भाजपा के नेताओं की पूरी एक नई पीढ़ी सत्ता के सिंहासन पर बैठी होगी, जिन्हें पुराने वादों और विफलताओं से कोई लेना-देना ही नहीं होगा। पुराने नेता सेवानिवृत्त हो चुके होंगे और जनता खाली हाथ पछताती रह जाएगी। 'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र का स्पष्ट और तीखा सवाल है कि यदि आप में दम है, तो 2047 की बातें छोड़िए और आज के युवाओं को रोजगार क्यों नहीं मिल रहा है, इसका जवाब दीजिए। देश के मध्यम वर्ग और गरीबों पर बढ़ते महंगाई के बोझ को काबू करने के लिए अभी क्या किया है, वह बताइए। बुलेट ट्रेन से लेकर बड़ी-बड़ी योजनाओं की समयसीमाएं बार-बार क्यों बढ़ रही हैं, उसका हिसाब दीजिए।जो सरकार 12 साल से पूर्ण बहुमत के साथ देश चला रही हो, उसे अपने काम अभी बोलते दिखाने चाहिए।

अहमदाबाद और वडोदरा महानगरपालिका में कांग्रेस का चुनावी नाटक: विपक्ष का नेता तय करने के लिए दिल्ली से विशेष पर्यवेक्षकों की फौज मैदान में उतरी!

फालतू सरकारी कार्यक्रमों के पीछे करोड़ों का धुआँसालों से चुने गए पार्षदों में से सक्षम नेता न मिलने पर अब हाईकमान को ढूंढना पड़ा बाहरी सहारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/वडोदरा। गुजरात की राजनीति से जमीनी पकड़ खो चुकी कांग्रेस पार्टी की हालत इस वक्त हास्यास्पद बन गई है। राज्य की दो सबसे महत्वपूर्ण महानगरपालिकाओं- अहमदाबाद और वडोदरा म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में विपक्ष के नेता जैसा पद खाली पड़ा है और लंबे समय से किसी आधिकारिक नेता का चयन नहीं हो पाया है। इस आंतरिक कलह और नेतृत्व के अभाव को छिपाने के लिए अब कांग्रेस हाईकमान द्वारा दिल्ली से खास पर्यवेक्षकों को गुजरात के रण में उतारा गया है। अहमदाबाद के लिए कुलदीप इंदोरा और वडोदरा के लिए गोपीनाथ पलियप्पन को पर्यवेक्षक के रूप में मैदान में उतारा गया है, जिसके कारण कांग्रेस की अंदरूनी पोल खुल गई है। प्राप्त विवरण के अनुसार, अहमदाबाद और वडोदरा महानगरपालिका में कांग्रेस के पास अपने चुने हुए पार्षद होने के बावजूद, पार्टी के आंतरिक गुटबाजी और पदों के लिए चल रही खींचतान के कारण विपक्ष के नेता के नाम पर एक सहमति नहीं बन पा रही है। विडंबना यह है कि स्थानीय स्तर पर ऐसा एक भी नेता नहीं है जो पूरी पार्टी को एक सूत्र में बांधकर एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा सके। इस बदहाल स्थिति को सुधारने के नाम पर अब दिल्ली से पर्यवेक्षकों को अहमदाबाद और वडोदरा रवाना किया गया है। अहमदाबाद कॉरपोरेशन के लिए कुलदीप इंदोरा और वडोदरा के लिए गोपीनाथ पलियप्पन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। दिल्ली से आए ये पर्यवेक्षक अब स्थानीय नेताओं की बंद कमरे में बैठकें आयोजित करके नाम तय करने के लिए माथापच्ची कर रहे हैं, मानो गुजरात के नेता अपने फैसले खुद लेने में भी सक्षम न हों! 'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र के तीखे सवाल

'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र स्पष्ट रूप से सवाल पूछता है कि:

क्या गुजरात कांग्रेस के नेता इतने अक्षम और परावलंबी बन गए हैं कि उन्हें एक साधारण विपक्ष के नेता के चयन के लिए भी दिल्ली से मार्गदर्शन या 'पर्ची' मंगवानी पड़ती है? जो पार्टी अपने ही पार्षदों और नेताओं के बीच एकता नहीं करा सकती, वह पार्टी गुजरात की जनता के अधिकारों के लिए शासक दल के खिलाफ कैसे लड़ पाएगी? दिल्ली से आने वाले ये पर्यवेक्षक केवल कुर्सी की बांट-जोत करने के लिए आते हैं या फिर

जमीन पर डूब रही कांग्रेस की नैया को बचाने के लिए उनके पास कोई ठोस विजन है? स्थानीय जनता अब कांग्रेस के इस 'हाईकमान शो' और गुटबाजी को अच्छी तरह से पहचान चुकी है। विपक्ष के नेता का चुनाव करने के लिए दिल्ली से आए ये पर्यवेक्षक कांग्रेस के डूबते जहाज को कितना उबार पाते हैं, यह तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा, लेकिन यह तमाशा गुजरात की राजनीति में भारी चर्चा का विषय बन गया है!

सरखेज में युवती का आतंक: रॉन्ग साइड में बाइक चला रहे नाबालिगों के कॉलर पकड़कर सरेआम दी भद्दी गालियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के संवेदनशील माने जाने वाले सरखेज-जुहापुरा क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाला और विवादित मामला सामने आया है। ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने के साथ-साथ खुलेआम दबंगई दिखाने की घटनाएं तो अक्सर सामने आती रहती हैं, लेकिन अब सड़क पर महिलाएं या युवतियां भी किसी से पीछे नहीं हैं यह दिखाने के लिए खुद कानून हाथ में लेने लगी हैं। सरखेज में स्थित प्रसिद्ध सावन पार्टी प्लॉट के पास एक युवती ने सरेआम दो नाबालिग युवकों के कॉलर पकड़कर उन्हें धमकाने और भद्दी गालियां देने की घटना से भारी सनसनी फैल गई है। प्राप्त विवरण के अनुसार, सरखेज-

जुहापुरा रोड से दो नाबालिग युवक अपनी बाइक लेकर गुजर रहे थे। इस दौरान वे रॉन्ग साइड (गलत दिशा) में बाइक चलाकर आ रहे थे। रॉन्ग साइड में वाहन चलाने के कारण रास्ते पर ट्रैफिक की समस्या पैदा हो गई थी और दुर्घटना जैसी स्थिति बन गई थी। यह देखकर गुस्से से आगबबूला हुई एक युवती ने अपना आपा खो दिया और बाइक सवार दोनों नाबालिगों की क्लास लगा दी। बात यहीं नहीं रुकी, बल्कि गुस्से से लाल पीली हुई इस युवती ने सरेआम राहगीरों की नजरों के सामने ही दोनों नाबालिग युवकों के कॉलर पकड़ लिए और उन्हें सड़क के बीचों-बीच दिनदहाड़े भद्दी गालियां देना शुरू कर दिया। इन दृश्यों को देखकर आसपास के लोग भी एक पल के लिए स्तब्ध रह गए कि आखिर मा माजरा क्या है। सड़क के बीचों-बीच चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के कारण वाहन चालकों की भीड़ जमा हो गई और लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। 'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र का सवाल यह है कि यदि नाबालिग गलती से रॉन्ग साइड में आ गए थे।

फ्री लगेज और फुटवियर सेंटर के नाम पर एजेंसी ने श्रद्धालुओं से करोड़ों का गबन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। शक्तिपीठ अंबाजी में हर दिन हजारों भक्त मां अंबा के दर्शन करने आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अंबाजी मंदिर ट्रस्ट ने सभी गेट पर फ्री फुटवियर और लगेज स्टैंड का अच्छा इंतजाम किया है। लेकिन इस फ्री इंतजाम का फायदा उठाकर इसे मैनेज करने वाली एजेंसी खुद बड़ा फायदा उठा रही है। इस एजेंसी की वजह से पवित्र

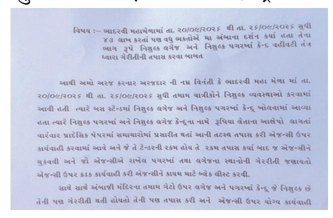

तीर्थस्थल अंबाजी का नाम खराब हो रहा है, और देवी के भक्तों की पुरजोर मांग है कि ऐसी एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करके हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए। कुछ दिन पहले हुए भद्रवी महा मेले में 43 लाख से ज्यादा भक्तों ने मां अंबा के दर्शन किए थे। बनासकांठा जिला प्रशासन और अंबाजी मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों के लिए फ्री खाना, रहने की जगह, जूते, लगेज समेत सभी इंतजाम किए थे। प्रशासन कितने भी मुफ्त इंतजाम कर ले, लेकिन यह बात सामने आई है कि एजेंसी वालों ने भद्रवी महा मेले का फायदा उठाकर '50-100 रुपये लेने हैं और करोड़ों कमाने हैं' वाली सोच के साथ काम किया है। इस एजेंसी ने 750 छ्ट्टा कैमरों की नजर में श्रद्धालुओं से खुलेआम 50 और 100 रुपये वसूलकर लाखों नहीं बल्कि करोड़ों रुपये कमाए हैं। मुफ्त होने के बावजूद श्रद्धालुओं से वसूली की गई, एक तरफ तो प्रशासन यह मैसेज देता है कि 'आइए, अंबाजी आपका दिल से स्वागत करती है', दूसरी तरफ श्रद्धालु एक बुरा मैसेज लेकर वापस जाते हैं कि ऐसी एजेंसियों की वजह से उनके साथ 'लूट' हुई है। हालांकि प्रशासन ने अभी तक कोई एक्शन लेने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

पिता की पवित्रता को कलंकित करने वाला हैवान! पोरबंदर के ओडदर गांव में सगी बेटी पर सगे बाप का ही अत्याचार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पोरबंदर। रिश्तों के पवित्र ताने-बाने को तार-तार कर देने वाली और कलेजा कंपा देने वाली एक बेहद शर्मनाक और घृणित घटना पोरबंदर क्षेत्र से सामने आई है। पिता और पुत्री के पवित्र संबंधों को कलंकित करने वाले एक हैवान सगे बाप ने ही अपनी फूल जैसी बेटी की जिंदगी बर्बाद कर डाली है। पोरबंदर तालुका के ओडदर गांव के रहने वाले रमेश छेलाना नाम के इस लफंगे और पापी पिता ने हद पार करते हुए अपनी ही सगी बेटी को डरा-धमकाकर वर्षों तक नोंचा है, ऐसी बेहद विस्फोटक जानकारियां बाहर आई हैं। इस घातक रिपोर्ट ने पूरे मेर समाज और पूरे गुजरात को झकझोर कर रख दिया है! प्राप्त विवरण के अनुसार, ओडदर गांव के इस नराधम बाप रमेश छेलाना ने अपने ही घर की मर्यादा और पिता-पुत्री के पवित्र रिश्ते को कलंकित किया है। आरोपी पिता अपनी ही सगी बेटी पर अमानवीय अत्याचार करता था। बेचारी मासूम बेटी खौफ के साए में जी रही थी क्योंकि इस हैवान पिता ने उसे स्पष्ट धमकी दी थी कि अगर उसने यह बात किसी को बताई, तो वह उसके सगे भाई को मौत के घाट उतार देगा! भाई की जान बचाने के लिए यह बेटी वर्षों तक मूक-दर्शक बनकर अत्याचार सहती रही और यह पापी पिता अपनी बेटी की जिंदगी से खेलता रहा। सगे बाप ने ही बेटी की आइज्जत लूटकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से बर्बाद कर डाला है। इस मामले में स्थानीय स्तर पर यह भी गंभीर आरोप उठ रहे हैं कि आरोपी रमेश छेलाना खुद बड़े राजनीतिक नेताओं और विशेषकर 'वन मंत्री' तथा स्थानीय प्रभावशाली राजनेताओं के करीब होने का ढोंग पीटकर रोब जमाता फिरता था। सत्ता और राजनीतिक पहुंच के नशे में यह लफंगा तत्व कानून और व्यवस्था को अपनी जेब की चीज समझता था। अपने प्रभाव और धाक-धमकी के बल पर यह खुलेआम आपराधिक कृत्यों को अंजाम देता

था, ऐसी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। क्या राजनीतिक आश्रय पाने वाले ऐसे हैवान समाज में खुले घूमेंगे? क्या बेटियों की आबरू से खेलने वाले ऐसे पापियों को कोई कानून नहीं छुएगा? इस घटना के सामने आते ही ऐतिहासिक मेर समाज में भारी आक्रोश की आग भड़क उठी है। समाज के अगुआओं और जागरूक नागरिकों का स्पष्ट कहना है कि ऐसे पापियों और बेटियों की इज्जत के साथ खेलने वालों के लिए समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

ईडब्ल्यूएस आंदोलन के बीच नारायण बेनीवाल के बयान से राजस्थान की सियासत में नई चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में जनता के सीधे संपर्क में रहने वाले नेताओं की बात आती है, तो उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी का नाम सबसे आगे आता है। इसी कड़ी में, शनिवार को सूरत सर्किट हाउस में एक विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सूरत शहर और जिले भर से भारी संख्या में आम नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। प्रशासन को और अधिक जवाबदेह बनाने, सरकार को जन-जन के करीब लाने तथा जनता की शिकायतों का तुरंत निवारण करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने एक-एक नागरिक की बात को बेहद संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बिना किसी औपचारिकता के उत्साहपूर्वक प्रत्येक आवेदक से मुलाकात की। नागरिकों की व्यक्तिगत कठिनाइयों, स्थानीय प्रशासन से जुड़ी अड़चनों और विकास कार्यों से संबंधित प्रस्तुतियों को उन्होंने पूरी तन्मयता से सुना। आम जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और उनकी परेशानियों का फौरी तौर पर हल निकले, इसके लिए उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों को फोन पर निर्देश देकर तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए। सरकार की इस पारदर्शी और जन-समर्थक कार्यप्रणाली ने एक बार फिर साबित कर दिया है .

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा को बाली में हुआ गंभीर हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बॉलीवुड से एक बेहद चिंताजनक और दुखद खबर सामने आ रही है। अपनी दमदार अभिनय शैली और ग्लैमरस अंदाज से लाखों दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली लोकप्रिय अभिनेत्री नुसरत भरुचा के साथ इंडोनेशिया के बाली शहर में एक गंभीर दुर्घटना होने की बात सामने आई है। बाली में एक कार्यक्रम में शामिल होने और छुट्टियां मनाने गई नुसरत भरुचा को हादसा होने के कारण उनकी पीठ और रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) में गंभीर फ्रैक्चर हो गया है, जिससे बॉलीवुड जगत में सन्नाटा छा गया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, नुसरत भरुचा बाली में एक कलात्मक कार्यक्रम और निजी छुट्टियां बिता रही थीं, तभी यह अनहोनी और दर्दनाक हादसा घटित हुआ। चोट इतनी गंभीर थी कि तुरंत प्रभाव से उन्हें बाली के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। लेकिन डॉक्टरों ने चोट की गंभीरता और स्पाइन (रीढ़ की हड्डी) पर आए खतरे को ध्यान में रखते हुए बिना कोई अधिक समय गंवाए एयर एम्बुलेंस के जरिए तुरंत मुंबई शिफ्ट करने का फैसला किया। अभिनेत्री नुसरत भरुचा की टीम द्वारा एक आधिकारिक बयान जारी कर इस घटना की पुष्टि की गई है। टीम की ओर से बताया गया

है कि नुसरत फिलहाल मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में उनका इलाज और स्पाइन सर्जरी की प्रक्रिया की जा रही है।

नए सदस्यों से 20 लाख की कथित 'विकास शुल्क' वसूलने के मामले में रजिस्ट्रार के आदेश पर स्टे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के अति पॉश माने जाने वाले अंबावाड़ी क्षेत्र में स्थित प्रतिष्ठित माणेकबाग सोसाइटी फिलहाल एक बड़े और विवादित घोटाले को लेकर चर्चाओं के केंद्र में आ गई है। सोसाइटी में संपत्ति खरीदकर नए आने वाले सदस्यों से कथित तौर पर धड़ल्ले से 20 लाख रुपए की भारी-भरकम राशि 'विकास शुल्क' (डेवलपमेंट फीस) के रूप में वसूले जाने का गंभीर मामला अब सीधे गुजरात हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। सरकारी नियमों और ट्रांसफर फीस की स्पष्ट सीमाएं होने के बावजूद सोसाइटी के पदाधिकारियों द्वारा इस प्रकार मनमाने ढंग से पैसे ऐंठे जाने की शिकायत के बाद शुरू हुई कानूनी लड़ाई में हाईकोर्ट ने फिलहाल रोक लगाते हुए सोसाइटी को अंतरिम राहत दे दी है। प्राप्त विवरण के अनुसार, माणेकबाग सोसाइटी में जब भी कोई नया मकान बिकता है या कोई नया सदस्य सोसाइटी में प्रवेश करता है, तब सोसाइटी के प्रबंधकों द्वारा नियमों के विरुद्ध जाकर भारी रकम वसूले जाने की शिकायतें सामने आई थीं। इसी कड़ी में, एक नए सदस्य से कथित तौर पर पूरे 20 लाख रुपए की बड़ी रकम विकास शुल्क के नाम पर मांगे जाने से मामला गरमा गया था। सरकार के कानून और सहकारी मंडली के नियमों के अनुसार ट्रांसफर फीस या विकास शुल्क की एक निश्चित सीमा तय होती है, इसके बावजूद सोसाइटी द्वारा इस तरह मनमानी चलाए जाने की व्यापक आवाजें उठी थीं। इस संबंध में एक पीड़ित नए सदस्य द्वारा सीधे हाउसिंग सोसाइटियों के रजिस्ट्रार के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर गंभीर संज्ञान लेते हुए रजिस्ट्रार सोसाइटियों के रजिस्ट्रार द्वारा माणेकबाग सोसाइटी की स्थल जांच करने और सोसाइटी के तमाम अहम रिकॉर्ड्स व दस्तावेज पेश करने के आदेश दिए गए थे। रजिस्ट्रार की इस कार्रवाई से सोसाइटी के पदाधिकारियों में हड़कंप मच गया था। सोसाइटी के हुक्मरानों ने रजिस्ट्रार के इस आदेश के खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

झूठे हलफनामे से हाईकोर्ट को गुमराह करने वाले भ्रष्ट पीआई पर शिकंजा: जांच अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश से पुलिस महकमे में खलबली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जिसके पास है, वही खाकीधारी जब अपनी मनमानी पर उतर आएं और अदालत के सामने गलत तथ्य पेश करके न्यायतंत्र को गुमराह करने की कोशिश करें, तो क्या स्थिति पैदा होती है? मेहसाणा से एक बेहद सुलगती और चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां जांच अधिकारी (पीआई) द्वारा कोर्ट में एक ऐसा घातक और झूठा हलफनामा (एफिडेविट) पेश किया गया कि गुजरात हाईकोर्ट भी दंग रह गई! महज 60 लाख रुपए की गड़बड़ी को सीधे 6.06 करोड़ रुपए की हेराफेरी बताकर अदालत के सामने नाटक करने वाले भ्रष्ट पीआई अब खुद कानून के शिकंजे में आ चुके हैं। मेहसाणा की 'महिला सेवा सहकारी बैंक लि.' में लाखों रुपए की कथित गड़बड़ी और घोटाले का प्रकरण लंबे समय से चर्चा में है। इस मामले में नंदासन शाखा की ब्रांच मैनेजर और मुख्य आरोपी दीपा मेहता द्वारा कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की गई थी। इस जमानत अर्जी की सुनवाई के दौरान केस के जांच अधिकारी (पीआई) द्वारा कोर्ट में एक लिखित एफिडेविट पेश किया गया था। इस हलफनामे में हद पार करते हुए पीआई ने तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की थी। वास्तविक मामला लगभग 60 लाख रुपए की हेराफेरी का था, लेकिन जांच अधिकारी ने अपने निजी स्वार्थ या किसी अंदरूनी खेल के तहत इन आंकड़ों में राक्षसी वृद्धि कर दी और सीधे 6.06 करोड़ रुपए के ट्रांसफर की झूठी और भ्रामक बात एफिडेविट में ठूंस दी! अदालत के सामने इस प्रकार की गंभीर आंकिक भ्रामकर पैदा करके आरोपी के खिलाफ ग्राफ जानबूझकर बड़ा दिखाने का यह काला कारोबार था। जब यह मामला गुजरात हाईकोर्ट की नजर में आया, तो अदालत ने इस गंभीर लापरवाही और झूठे हलफनामे को बेहद गंभीरता से लिया था। हाईकोर्ट ने आरोपी महिला ब्रांच मैनेजर को सशर्त जमानत तो मंजूर कर दी ली, साथ ही न्यायिक प्रक्रिया से

खिलवाड़ करने वाले जांच अधिकारी की जमकर क्लास लगाई। हाईकोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में दर्ज किया कि जिम्मेदार पुलिस अधिकारी द्वारा कोर्ट में गलत और निराधार तथ्य पेश करना एक अक्षम्य अपराध है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने इस पूरे प्रकरण में तत्काल प्रभाव से कड़ी विभागीय और कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। इस हुक्म की प्रतियां सीधे राज्य के गृह विभाग, गृह सचिव और मेहसाणा जिला पुलिस प्रमुख (एसपी) को भेज दी गई हैं, ताकि इस गैरजिम्मेदार और भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ मिसाल कायम करने वाले कदम उठाए जा सकें।

फकीरों की डुंगरी में रजाइयों के गोदाम में लगी आग, रूई के स्टॉक ने पकड़ी लपटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके के फकीरों की डुंगरी में शनिवार दोपहर तीन मंजिला भवन की ऊपरी मंजिल पर बने रजाइयों के गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में रूई का स्टॉक रखा होने के कारण आग तेजी से फैल गई। आग की लपटों के साथ उठता घना धुआं दूर तक दिखाई देने लगा। घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों से बाहर निकलकर गली में जमा हो गए।

घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे की बताई गई है। आग की सूचना मिलते ही ब्रह्मपुरी थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। राहत की बात रही कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। ब्रह्मपुरी थाना एसएचओ ब्रजमोहन कविया ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होने की आशंका सामने आई है। गोदाम की सबसे ऊपरी मंजिल पर बड़ी मात्रा में रूई का स्टॉक रखा हुआ था। शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के संपर्क में आने के बाद रूई ने आग पकड़ ली और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया आग की सूचना पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। एहतियात के तौर पर इलाके की बिजली सप्लाई भी कुछ समय के लिए बंद कराई गई, ताकि आग बुझाने के दौरान किसी तरह का अतिरिक्त खतरा न रहे। तीन मंजिला भवन की सबसे ऊपरी मंजिल से उठता धुआं काफी दूर तक दिखाई दे रहा था। आग की खबर फैलते ही आसपास के घरों में दहशत का माहौल बन गया। लोग घरों से बाहर निकलकर गली में एकत्र हो गए। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। एसएचओ ब्रजमोहन कविया के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने भीड़ और मौके की स्थिति को नियंत्रित किया। समय रहते दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

त्योहारी सीजन में हवाई सफर महंगा, कई रूट्स पर 20 हजार पार किराया; धनतेरस पर बेंगलुरु-जयपुर टिकट 27 हजार तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। त्योहारी सीजन में हवाई सफर करने वाले यात्रियों को इस बार अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। नवरात्र से लेकर दीपावली तक हवाई किराए में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जयपुर से अहमदाबाद और कोलकाता जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ दीपावली पर दूसरे शहरों से जयपुर लौटने वालों का यात्रा बजट भी प्रभावित हो रहा है। त्योहारों के दौरान यात्रियों की

बढ़ती मांग के बीच अलग-अलग फ्लाइट्स के किराए में बड़ा अंतर सामने आ रहा है। कुछ रूट्स पर हवाई टिकट की कीमत 20 हजार रुपए से अधिक पहुंच गई है। धनतेरस पर बेंगलुरु से जयपुर आने वाले यात्रियों को करीब 27 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं। जयपुर-अहमदाबाद रूट पर इंडिगो की चार फ्लाइट्स उपलब्ध हैं, लेकिन अलग-अलग उड़ानों के किराए में काफी अंतर है। वहीं जयपुर-कोलकाता रूट पर इंडिगो की तीन फ्लाइट्स उपलब्ध हैं। यात्रा की तारीख में बदलाव करने पर टिकट के खर्च में भी अंतर आ सकता है। दिवाली पर दूसरे शहरों से जयपुर लौटने वालों के लिए भी सफर महंगा हो गया है। मुंबई से जयपुर के लिए 14 फ्लाइट्स उपलब्ध होने के बावजूद किराए में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। बेंगलुरु से जयपुर के लिए 7 फ्लाइट्स उपलब्ध हैं, फिर भी यात्रियों को टिकट के लिए काफी अधिक रकम खर्च करनी पड़ सकती है। हैदराबाद से जयपुर आने वालों को भी धनतेरस पर महंगे हवाई सफर का सामना करना पड़ेगा। इस रूट पर टिकट किराया 14,728 रुपए से 16,775 रुपए तक पहुंच गया है। चेन्नई से जयपुर के लिए उपलब्ध एक फ्लाइट का किराया 24,211 रुपए बताया गया है। दीपावली के दौरान 6 नवंबर को अहमदाबाद से जयपुर आने का किराया 13,800 रुपए से 16,665 रुपए तक पहुंच गया है। कोलकाता से जयपुर का किराया 9,095 से 12,455 रुपए तक है। वहीं गोवा से जयपुर के लिए उपलब्ध एक फ्लाइट का किराया 11,916 रुपए बताया गया है। त्योहारी सीजन में किराए में बढ़ोतरी के कारण यात्रियों को यात्रा की योजना बनाते समय टिकट की कीमतों पर विशेष ध्यान देना पड़ रहा है। अलग-अलग फ्लाइट्स और तारीखों के अनुसार किराए में अंतर होने से टिकट बुक करने से पहले उपलब्ध विकल्पों की कीमतों की तुलना करना जरूरी हो गया है।

जोधपुर में दो चरणों में होंगे पंचायत चुनाव, 6 समितियों में पहले और 17 में दूसरे चरण में मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जोधपुर जिले में पंचायत चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण में 6 और दूसरे चरण में 17 पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। राज्य में 'एक प्रदेश-एक चुनाव' की तर्ज पर पंचायत चुनाव कराए जा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में पंचायतों के आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिसीमन के बाद जोधपुर जिले में पंचायत समितियों की संख्या भी बढ़ी है। पहले जिले में 17 पंचायत समितियां थीं, जो अब बढ़कर 23 हो गई हैं। पंचायत समितियों के पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन और नवसृजन से संबंधित सरकारी अधिसूचना भी जारी की जा चुकी है।

23 पंचायत समितियों के प्रधान पद की लॉटरी

जिले की सभी 23 पंचायत समितियों के प्रधान पद और 43 जिला परिषद वार्डों के आरक्षण की लॉटरी निकाली जा चुकी है। इससे पहले 13 अगस्त को जयपुर में जिला प्रमुख पद के लिए भी लॉटरी निकाली गई थी। जिला प्रमुख का पद अनारक्षित ओपन वर्ग के लिए निर्धारित हुआ है। पंचायत समिति प्रधान के पदों का आरक्षण भी तय हो चुका है। जिले की 23 पंचायत समितियों में एससी ओपन की 2, एससी महिला की 2 और एसटी ओपन की 1 सीट निर्धारित की गई है। इसके अलावा ओबीसी ओपन की 2 और ओबीसी महिला की 2 सीटें आरक्षित हैं। जिले में 7 पंचायत समिति प्रधान पद अनारक्षित महिला वर्ग के लिए रखे गए हैं। वहीं 7 सीटें अनारक्षित ओपन वर्ग के लिए निर्धारित की गई हैं। इस तरह 23 पंचायत समितियों के प्रधान पदों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो चुकी है। चुनाव की घोषणा के साथ ही जिले में पंचायत चुनाव को लेकर दावेदारों और राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ने लगी है। परिसीमन के बाद बढ़ी पंचायत समितियों और नए आरक्षण के चलते कई क्षेत्रों में नए समीकरण भी सामने आ रहे हैं। अब संबंधित पंचायत समितियों में चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

टाइगर पथ पर 10 किलोमीटर की ट्रैकिंग, वन्यजीव सप्ताह में अधिकारियों और शहरवासियों ने लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। 72वें वन्यजीव सप्ताह के तहत शनिवार को माउंट आबू के टाइगर पथ पर 10 किलोमीटर लंबी पैदल ट्रैकिंग का आयोजन किया गया। इसमें शहरवासियों के साथ वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने जंगल के बीच बने चुनौतीपूर्ण ट्रैक पर पैदल सफर पूरा किया। टाइगर पथ पर 10 किलोमीटर की ट्रैकिंग अपने आप में चुनौतीपूर्ण और आकर्षक अनुभव माना जाता है। इस ट्रैक के दौरान प्रतिभागियों को जंगल की प्राकृतिक वनस्पतियों के साथ कई गुफाओं को देखने और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। लंबे और कठिन पैदल मार्ग को पूरा करना शारीरिक फिटनेस और उत्साह का भी परिचय देता है। टाइगर पथ पर ट्रैकिंग माउंट आबू आने वाले चुनिंदा सैलानियों के लिए भी एक अलग तरह का अनुभव और यादगार गतिविधि बन जाती है। बताया गया कि माउंट आबू आने वाले सैलानियों में केवल करीब 10 से 15 प्रतिशत लोग ही टाइगर पथ पर 10 किलोमीटर का पैदल सफर पूरा कर पाते हैं। शनिवार को आयोजित ट्रैकिंग में उपवन संरक्षक अनिल कुमार गुप्ता और गजेंद्र सिंह के साथ सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट प्रेम नारायण मिश्रा तथा एयरफोर्स के अंकित कुमार शामिल हुए। वन विभाग की ओर से रेंजर श्रवण विश्नोई, वन पाल राजेश विश्नोई, मोहन राम, रविंद्र सिंह भाटी, जयेश पटेल, जीके दास, बाबू सिंह परमार और दलपत सिंह सहित अन्य कर्मचारी भी ट्रैकिंग में मौजूद रहे। वन्यजीव सप्ताह के तहत आयोजित इस गतिविधि के दौरान प्रतिभागियों ने टाइगर पथ के प्राकृतिक वातावरण के बीच पैदल सफर किया और जंगल की जैव विविधता तथा प्राकृतिक संरचना को करीब से देखने का अवसर पाया।

पोती पर दादी से मारपीट का आरोप, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल; युवक भी दादा-दादी से उलझता दिखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले में एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है। वायरल वीडियो में एक पोती अपनी दादी के साथ मारपीट करती हुई नजर आ रही है। इसी दौरान उसकी मां दादी को बचाने के लिए मौके पर आती दिखाई दे रही है। वीडियो में एक युवक भी दादा-दादी से उलझता हुआ नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो पालड़ी एम थाना क्षेत्र के उथमन गांव का बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पूरा मामला घरेलू विवाद से जुड़ा हुआ है।

दादा-दादी से मारपीट का आरोप

पालड़ी एम थाना अधिकारी टीकमाराम ने बताया कि छगन कुमार पत्नी भभूत सिंह की ओर से पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनकी पोती मुन्ना कुंवर पुत्री सवाई सिंह, गुलाब कंवर पत्नी सवाई सिंह और महेंद्र सिंह पुत्र सवाई सिंह ने उनके साथ मारपीट की और चोटें पहुंचाई। शिकायत के अनुसार, घरेलू विवाद के दौरान दादा-दादी के साथ मारपीट की गई। इसी घटनाक्रम से संबंधित वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में परिवार के सदस्यों के बीच विवाद और मारपीट की स्थिति दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद घटना को लेकर इलाके में भी चर्चा शुरू हो गई है।

वायरल वीडियो को भी जांच में शामिल किया

पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अब वायरल वीडियो और शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई और मारपीट के दौरान वास्तव में क्या परिस्थितियां बनीं। पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम और शिकायत में लगाए गए आरोपों को जांच के दौरान मिलाया जा रहा है। घटना से जुड़े लोगों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि घटना घरेलू विवाद के दौरान हुई। वीडियो में दादी के साथ मारपीट के दौरान उसकी मां द्वारा बीच-बचाव करने की कोशिश दिखाई दे रही है। वहीं, एक युवक भी दादा-दादी से उलझता नजर आ रहा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस ने इसे भी जांच का हिस्सा बनाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। शिकायत में लगाए गए आरोपों और वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम की जांच के बाद ही मारपीट की पूरी परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

वुशु में जालोर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, 4 स्वर्ण समेत 8 पदक जीते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। श्रीगंगानगर में 27 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय स्कूली वुशु प्रतियोगिता में जालोर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक जीते। प्रतियोगिता का आयोजन सैंपल पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर में किया गया। जालोर के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक हासिल किए। कोच प्रीतम सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में हिमानी पुत्री दिनेश कुमार, निशा चौधरी पुत्री राकेश कुमार, इशिता चौधरी पुत्री विनोद चौधरी और उपेंद्र सिंह बालोत पुत्र पीर सिंह बालोत ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं सोनाक्षी पुत्री ओमप्रकाश सोलंकी ने रजत पदक जीता। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में प्रियांशु गहलोत पुत्र राजू गहलोत, मयंक पुत्र अनिल सोलंकी और यश वर्धन सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह राठौड़ शामिल रहे। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से जालोर के खेलप्रेमियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में पदक जीतने के बाद शनिवार को खिलाड़ियों के जालोर पहुंचने पर नगर परिषद के सामने खेलप्रेमियों, अभिभावकों और शहरवासियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों को माला और साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। मिठाई खिलाकर उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई गई। स्वागत समारोह में पीर सिंह बालोत मालपुरा, उमेद सिंह राठौड़ नागौर, डॉ. रमेश वैष्णव, ओमप्रकाश सोलंकी, मुक्केबाज गणपत गहलोत, सुनीता चौधरी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी छवि चौधरी और सुरेंद्र सिंह राठौड़ सहित कई खेलप्रेमी एवं अभिभावक मौजूद रहे।

कमजोर मानसून से राजस्थान में 10 साल के सबसे बड़े अकाल का खतरा, 11 से ज्यादा जिले प्रभावित होने की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में इस बार कमजोर और छितराए मानसून ने सूखे के हालात की चिंता बढ़ा दी है। शुरुआती सर्वे के अनुसार प्रदेश के 11 से अधिक जिले सूखे की चपेट में आने की आशंका है। इन क्षेत्रों में सामान्य से करीब 25 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। इनमें पाली, जैसलमेर और जालोर की स्थिति सबसे ज्यादा खराब बताई जा रही है, जहां कई इलाकों में सामान्य से 50 प्रतिशत से भी कम बारिश दर्ज हुई है। इन जिलों की अधिकतर तहसीलों में कम बारिश का असर फसलों पर दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे ही रहे तो अगली गर्मियों में 2-3 जिलों में पेयजल संकट गहरा सकता है और पानी की ट्रेन चलाने की जरूरत पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कम बारिश से बाजरा, मूंग और ग्वार जैसी फसलों को नुकसान हुआ है। फसल उत्पादन प्रभावित होने की स्थिति में अन्य राज्यों से खाद्य सामग्री मंगानी पड़ सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने की चिंता भी सामने आ रही है। राज्य के साथ पड़ोसी राज्यों में भी बारिश के आंकड़े राहत देने वाले नहीं हैं। पंजाब में सामान्य से 41 प्रतिशत, हरियाणा में 23 प्रतिशत, गुजरात में 10 प्रतिशत और मध्यप्रदेश में 4 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है। ऐसे में राजस्थान के लिए बाहर से खाद्य सामग्री की आपूर्ति का विकल्प भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

2015 के बाद सबसे ज्यादा जिलों में सूखे के हालात की आशंका

राजस्थान में 2015 के बाद अब 2026 में सबसे ज्यादा जिलों में सूखे के हालात बनने की आशंका सामने आई है। वर्ष 2015 में प्रदेश में कुल बारिश सामान्य से 9 प्रतिशत ज्यादा हुई थी, लेकिन बारिश छितराई हुई होने के कारण 19 जिलों की कई तहसीलों में सूखे के हालात बन गए थे। इस बार स्थिति अलग है। बारिश छितराई हुई रहने के साथ ही प्रदेश में कुल बारिश सामान्य से करीब 19 प्रतिशत कम रही है। राज्य के प्रभावित क्षेत्रों में पटवारियों की टीमें सर्वे कर रही हैं। फिलहाल सर्वे का अंतिम दौर चल रहा है। सभी जिलों की गिरदावरी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसमें फसल खराबे और अकाल के हालात का आकलन किया जाएगा। सरकारी भाषा में ऐसे क्षेत्रों को 'अभावग्रस्त क्षेत्र' कहा जाता है। गिरदावरी की रिपोर्ट जिलों के कलेक्टरों के माध्यम से राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग तक पहुंचेगी। फसल खराबे और सूखे के हालात को लेकर 15 अक्टूबर के बाद रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इसके बाद सरकार सर्वे रिपोर्ट के आधार पर अभावग्रस्त जिलों और तहसीलों की सूची जारी करेगी। इसी सूची से यह स्पष्ट होगा कि वास्तव में कितने जिले और तहसीलें सूखे से प्रभावित हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार शुरुआती सर्वे से यह संकेत मिल रहे हैं कि इस बार 11 से अधिक जिले सूखे की चपेट में आ सकते हैं। पाली, जैसलमेर और जालोर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वहीं बांसवाड़ा, सिरोही, हनुमानगढ़, उदयपुर, राजसमंद, बालोतरा, भीलवाड़ा और जोधपुर की कई तहसीलों में भी कम बारिश के कारण अकाल जैसे हालात बने हैं। प्रदेश के 24 जिलों को फिलहाल सामान्य बारिश वाले जिलों की श्रेणी में माना जा रहा है।

चाय बनाते समय सूखे चारे ने पकड़ी आग, 65 साल की दादी और दो मासूम पोते झुलसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भाद्राजून। थाना क्षेत्र के सेलड़ी गांव में शनिवार दोपहर घर के छपरे में अचानक आग लग गई। हादसे में 65 साल की महिला और उसके दो मासूम पोते गंभीर रूप से झुलस गए। तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया गया। वहीं, आग के बीच फंसे एक 13 वर्षीय बच्चे को ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय छपरे के भीतर चाय बनाई जा रही थी। इसी दौरान तेज हवा का झोंका आने से पास में रखा सूखा चारा आग की चपेट में आ गया। चंद मिनटों में आग की लपटें तेज हो गई और देखते ही देखते पूरे छपरे को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से मोरकी देवी (65) पत्नी राजाराम, रामचंद्र (10) पुत्र दलाराम और गांधीराम (8) पुत्र दलाराम झुलस गए। आग इतनी तेजी से फैली कि छपरे में रखा घरेलू सामान, कपड़े और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। आग भड़कने के दौरान भरत कुमार (13) भी छपरे के भीतर फंस गया था। चारों ओर लपटें उठती देख ग्रामीणों ने साहस दिखाया और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सेलड़ी निवासी भगराज बंजारा, जोगाराम बंजारा और बदराम सरगरा तथा आईपुरा निवासी लक्ष्मण राम और रमेश कुमार ने आग के बीच फंसे बच्चे को बाहर निकाला। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

अक्टूबर में भी राजस्थान तप रहा, पारा 40 डिग्री पार; पश्चिमी जिलों में तेज गर्मी, पूर्व में रातें ठंडी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में अक्टूबर की शुरुआत के बावजूद दिन के तापमान में खास राहत नहीं मिली है। प्रदेश के कई हिस्सों में तेज धूप के कारण दिन में गर्मी बनी हुई है और पश्चिमी जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। शुक्रवार को सबसे अधिक तापमान पिलानी में 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं श्रीगंगानगर में भी अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को प्रदेश के सभी शहरों में आसमान साफ रहा। दिन में तेज धूप के कारण पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में गर्मी का असर अधिक रहा। दूसरी ओर प्रदेश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रात के तापमान में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। सीकर, भीलवाड़ा, उदयपुर और नागौर समेत कई शहरों में रात के समय ठंडक बढ़ने लगी है।

सीकर में रात सबसे ठंडी

पूर्वी राजस्थान के कई शहरों में न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को सीकर में प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहा। अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, कोटा और उदयपुर में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। इन इलाकों में रात के समय मौसम में ठंडक का अहसास बढ़ गया है। अक्टूबर के साथ मौसम में यह बदलाव दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ा रहा है। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी महसूस हो रही है, जबकि सूर्यास्त के बाद कई शहरों में मौसम सुहावना होने लगा है।

अगले एक सप्ताह मौसम रहेगा शुष्क

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार से राज्य में मौसम साफ रहने की संभावना है। अगले एक सप्ताह के दौरान प्रदेश में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। इस दौरान तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। दिन के समय अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 30 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 18 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज होने की संभावना है। जयपुर में शुक्रवार को दिनभर आसमान साफ रहा। तेज धूप के कारण राजधानी में दिन का तापमान करीब एक डिग्री बढ़कर 36.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दिन में हल्की गर्मी का असर रहा, जबकि रात में मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहा। जयपुर में न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अजमेर में भी मानसून की विदाई के बाद मौसम का मिजाज बदलने लगा है। अक्टूबर की शुरुआत के साथ सुबह और शाम हल्की ठंडक महसूस की जा रही है, जबकि दिन में तेज धूप के कारण गर्मी बरकरार है। शुक्रवार को अजमेर में अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस तरह प्रदेश में फिलहाल मौसम दो अलग-अलग रंग दिखा रहा है। पश्चिमी जिलों में दिन का तापमान 40 डिग्री के आसपास या उससे ऊपर पहुंच रहा है, वहीं पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रातें धीरे-धीरे ठंडी होने लगी हैं।

जोधपुर के आसमान में दिखा अनोखा नजारा, मित्र देशों के लड़ाकू विमानों ने एक साथ भरी उड़ान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर में चल रहे तरंग शक्ति 2026 युद्धाभ्यास के दौरान आज आसमान में अनोखा नजारा देखने को मिला। अभ्यास में भाग ले रहे मित्र राष्ट्रों के लड़ाकू विमानों और एयरक्रू ने एक साझा फॉर्मेशन में एक साथ उड़ान भरी। अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमानों का एक साथ आसमान में उड़ान भरना युद्धाभ्यास के प्रमुख आकर्षणों में रहा। भारतीय वायुसेना के अनुसार, संयुक्त फॉर्मेशन के जरिए विभिन्न देशों के बीच आपसी विश्वास, सटीकता और रक्षा भाईचारे का संदेश दिया गया। इस आयोजन का मुख्य संदेश 'पावर इन पार्टनरशिप' यानी 'साझेदारी में शक्ति' रहा। संयुक्त उड़ान के माध्यम से भागीदार देशों के बीच रक्षा सहयोग और समन्वय को प्रदर्शित किया गया। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर तरंग शक्ति 2026 युद्धाभ्यास का आयोजन 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इसमें भारत मेजबान देश के रूप में भाग ले रहा है। भारत के साथ अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे मित्र देशों की वायुसेनाएं अपने लड़ाकू विमानों और सैन्य कर्मियों के साथ सीधे अभ्यास में शामिल हैं। इसके अलावा 30 से ज्यादा देश पर्यवेक्षक के रूप में युद्धाभ्यास में भाग ले रहे हैं। अभ्यास के दौरान विभिन्न देशों की वायुसेनाएं एक-दूसरे के साथ संचालन और समन्वय का प्रदर्शन कर रही हैं। आज हुए साझा फॉर्मेशन ने युद्धाभ्यास में भाग ले रहे देशों की संयुक्त भागीदारी को आसमान में प्रदर्शित किया। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह फॉर्मेशन आपसी विश्वास और रक्षा सहयोग की भावना को दर्शाता है।

आदिवासियों को बाहर रखने के बावजूद 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' का टाइटल देना जनता को भ्रमित करने का सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र

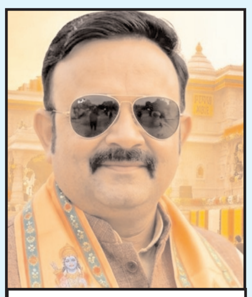
पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अहमदाबाद भारतीय लोकतंत्र और संसदीय राजनीति में जब भी किसी बड़े और दूरगामी कानून पर चर्चा होती है, तो उसके शब्दों से ज्यादा उसके प्रतीकों और शीर्षकों (टाइटल) पर राजनीति खेली जाती है। देश भर में पिछले कुछ समय से 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' यानी 'समान नागरिक संहिता' को लेकर भारी हंगामा मचा हुआ है। सरकार और उसके समर्थकों द्वारा यह भव्य दावा किया जा रहा है कि देश में 'एक देश, एक कानून' की परिकल्पना साकार हो रही है। लेकिन, जब हम वास्तविकता और जमीनी कानूनों के पन्नों को खोलकर देखते हैं, तो एक बेहद चौंकाने वाली और आंखें खोल देने वाली सच्चाई सामने आती है–इस कानून के दायरे से हमारे आदिवासी भाई-बहनों और उनके रीति-रिवाजों को पूरी तरह से मुक्त रखा गया है!

यहाँ सबसे बड़ा और सुलगता सवाल यह उठता है कि यदि यह कानून देश के सभी नागरिकों के लिए समान होने का दावा करता है, इसके बावजूद करोड़ों की संख्या में बसने वाले आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से दूर रखा गया है, तो फिर इस कानून को 'यूनिफॉर्म' (समान) सिविल कोड का ब्रह्मास्त्र जैसा टाइटल देने का क्या अर्थ है? क्या यह देश की भोली-भाली जनता और खासकर आदिवासी समाज को अंधेरे में रखकर भ्रमित करने का कोई सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र नहीं है?

'समानता' के नाम पर केवल दिखावाः आदिवासियों के बिना UCC क्यों?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता की बात कही गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे पारिवारिक विषयों में एकसमान कानून लाना है। लेकिन जब ड्राफ्ट या कानूनी रूपरेखा तैयार की जाती है, तो राजनीतिक वास्तविकताओं के आगे झुकते हुए आदिवासियों की अनूठी संस्कृति, परंपराओं और पांचवीं-छठी अनुसूची के संरक्षण का हवाला देकर उन्हें इस कानून से बाहर कर दिया जाता है।

यदि देश के एक बड़े वर्ग (जैसे आदिवासी समाज) पर यह कानून लागू ही नहीं होने वाला है, तो इसे पूरे देश के लिए 'समान' कानून कैसे कहा जा सकता है? यह एक ऐसा विरोधाभास है जो सरकार की नीतियों पर सीधे सवाल खड़े करता है। यदि आदिवासियों की रूढ़ियों और उनकी स्थानीय परंपराओं का सम्मान करना अनिवार्य है (जो कि बिल्कुल सही भी है), तो फिर बाकी देश पर यही कानून थोपकर इसे 'सभी के लिए समान' होने का ढोंग क्यों रचा जा रहा है?

राजनीतिक रोटियां सेकने का कुटिल खेल

'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र का स्पष्ट मत है कि के नाम पर जो माहौल बनाया जा रहा है, वह काफी हद तक जनमानस का ध्रुवीकरण करने और चुनावी लाभ हासिल करने का एक हथकंडा बन गया है। एक तरफ ऐसा माहौल बनाया जाता है कि देश में क्रांतिकारी बदलाव आ गया है, और दूसरी तरफ व्यवहार में बड़े अपवाद रखकर कानून की धार ही कुंद कर दी जाती है।

आदिवासी समाज हमेशा अपने जंगल, जमीन, संस्कृति और स्वदेशी कानूनों के लिए संघर्ष करता रहा है। उनकी अपनी रूढ़िवादी पंचायतें और सामाजिक व्यवस्थाएं हैं। सरकार भी इस बात को अच्छी तरह जानती है कि यदि आदिवासियों को जबरन इस कानून के दायरे में लाया गया, तो देश में एक बड़ा सामाजिक विस्फोट हो सकता है। इसीलिए उन्हें कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। लेकिन सवाल यह है कि अगर अंदरखाने यह छूट ही देनी थी, तो फिर प्रचार करते समय इस पूरे कानून को इस रूप में क्यों पेश किया जाता है कि मानो देश में हर नागरिक के लिए कल सुबह से सब कुछ एकसमान होने जा रहा है? यह अतिशयोक्ति और भ्रम के अलावा कुछ नहीं है।

पाठकों के लिए गंभीर चिंतनः सच स्वीकारने का समय आ गया है

'महानगर मेट्रो' अपने सभी जागरूक पाठकों से अपील करता है कि केवल ऊपरी दिखावे और बड़े-बड़े नामों के बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है। कोई भी कानून अपने शीर्षक से नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद प्रावधानों और उसकी व्यापकता से परखा जाता है। यदि कानून वास्तव में सर्वसमावेशी और समान है, तो इसमें शर्तों और अपवादों की आड़ में चुनिंदा वर्गों को बचाने का खेल बंद होना चाहिए।

यदि आदिवासी अपनी अनूठी पहचान के साथ जीने के हकदार हैं–जो कि वे हैं ही–तो देश के अन्य नागरिकों की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है? CC के नाम पर चल रही यह राजनीतिक मंचसज्जा अब देश की जनता के सामने बेनकाब हो चुकी है। अब जनता को माहौल बनाने वाले नारों से नहीं, बल्कि वास्तविक सच्चाइयों के आधार पर सोचना होगा! यही वह बिंदु है, जहां 'समान' शब्द की कानूनी और व्यावहारिक व्याख्या पर गंभीर बहस की गुंजाइश बनती है। उत्तराखंड के कानून की धारा 2 में अनुसूचित जनजातियों को इस संहिता के प्रावधानों से बाहर रखा गया है। इसका अर्थ यह है कि कानून की वास्तविक पहुंच उसके शीर्षक से अलग और उसके स्पष्ट अपवादों के आधार पर समझी जानी चाहिए। लाक, उत्तराधिकार और अन्य व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित एक समान कानूनी ढांचे के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

फूड माफियाओं के खिलाफ आर-पार की जंगः आम जनता की सेहत से खिलवाड़ कर रहे मिलावटखोर, क्या सरकार और बड़े उद्योगपतियों की मिलीभगत से देश में फैल रहा है कैंसर?

नई दिल्ली/अहमदाबाद। भारत के आम नागरिकों की थाली में परोसा जाने वाला भोजन अब पोषण नहीं, बल्कि एक धीमा जहर बनता जा रहा है। देश के कोने-कोने से फूड माफियाओं और मिलावटखोरों का ऐसा खतरनाक नेटवर्क सामने आ रहा है, जो चंद रुपयों के मुनाफे के खातिर देशवासियों की जिंदगी और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को दांव पर लगा रहा है। क्या देश का आम नागरिक अब सुरक्षित भोजन खाने का भी अधिकारी नहीं रहा? क्या सरकार और इन भ्रष्ट फूड माफियाओं के बीच किसी गहरी सांठगांठ के चलते आज देश में कैंसर जैसी भयानक बीमारियां महामारी का रूप लेती जा रही हैं? यह सवाल आज हर उस भारतीय के मन में गूंज रहा है, जो अपने परिवार और बच्चों की सलामती को लेकर फिक्रमंद है।

क्या मिलावटखोरों और बड़े उद्योगपतियों का गठजोड़ लूट रहा है देश की सेहत?

आज स्थिति यह हो गई है कि दूध से लेकर मसाले, तेल, दवाएं और रोजाना इस्तेमाल होने वाली हर खाद्य सामग्री में धड़ल्ले से केमिकल और जहर मिलाया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि आखिर इन मिलावटखोरों के हौ इतने बुलंद क्यों हैं? क्यों प्रशासन और सरकार इन फूड माफियाओं के खिलाफ कोई ऐसा निर्णायक और खौफनाक कदम नहीं उठाती, जिससे इनके मन में कानून का डर पैदा हो?

कहीं न कहीं इस पूरे तंत्र में भ्रष्टाचार की तेज दुर्गंध आ रही है। क्या यह मान लिया जाए कि देश के कुछ ताकतवर उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं की मिलीभगत के कारण ही आम जनता के स्वास्थ्य के साथ यह खिलवाड़ खुलेआम चल रहा है? जब तक सिस्टम की नसों में बैठे भ्रष्ट तंत्र पर कड़ा प्रहार नहीं किया जाएगा, तब तक देश की जनता इसी तरह तिल-तिल कर मरने के लिए मजबूर होती रहेगी।

कैंसर जैसी घातक बीमारियां और सरकार की चुप्पी

आज देश के अस्पतालों में कैंसर वार्डों की बढ़ती भीड़ इस बात की चीख-चीखकर गवाही दे रही है कि हमारे खान-पान में जहर घुल चुका है। दूषित और मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से युवाओं और बच्चों में गंभीर बीमारियां घर कर रही हैं। इसके बावजूद, जिम्मेदार महकमों की नींद क्यों नहीं खुल रही? कागजी कार्रवाई और खानापूर्ति के नाम पर केवल नोटिस थमाने का ढोंग अब बंद होना चाहिए। देश की जनता अब और अधिक आश्वासनों के भरोसे बैठने वाली नहीं है।

अब आर-पार की लड़ाई का वक्त आ गया है!

यह समय सिर्फ मूकदर्शक बनकर तमाशा देखने का नहीं है, बल्कि अपनी और अपने बच्चों की नस्लों को बचाने के लिए एक महासंग्राम छेड़ने का है। फूड माफियाओं के इस नापाक साम्राज्य को नेस्तनाबूद करने के लिए देश में एक बेहद कड़ा और विशेष 'फूड टेररिज्म' कानून बनना चाहिए, जिसके तहत मिलावटखोरों को सीधे उम्रकैद या मौत की सजा का प्रावधान हो।

'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर का सीधा सवाल और आह्वान

'महानगर मेट्रो' स्पष्ट रूप से पूछता है कि क्या देश की सरकारें आम जनता की जान से ज्यादा अपने राजनीतिक हितों और उद्योगपतियों के मुनाफे को अहमियत देती हैं?

अब यह फैसला देश की 140 करोड़ जनता को करना है–क्या आप इस जनहित की लड़ाई में इस नापाक और भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ खड़े होने का साहस दिखाएंगे? जब तक अंतिम सांस तक इस मिलावटखोर व्यवस्था के खिलाफ जंग नहीं लड़ी जाएगी, तब तक आने वाली पीढ़ियों को इस जहरीले चक्रव्यूह से बचाया नहीं जा सकता!

गांधी के नाम पर शराबबंदी का असली खेलः नेता और पुलिस भर रहे हैं तिजोरियां, जबकि असली गुजरात सस्ती नशामुक्ति नहीं बल्कि महंगे नकली ज़हर से कराह रहा है!

अहमदाबाद। महात्मा गांधी की पवित्र और अहिंसक भूमि कहे जाने वाले गुजरात में शराबबंदी दशकों से एक ऐसा विषय रहा है, जिस पर सिर्फ राजनीति ही नहीं होती, बल्कि इस कानून की आड़ में करोड़ों-अरबों रुपए का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। गुजरात में कागजों पर शराबबंदी है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि राज्य के कोने-कोने में शराब आसानी से मिल जाती है। सवाल यह उठता है कि इस दंभी और झूठी शराबबंदी के नाम पर आखिर कौन कमाई कर रहा है? गांधी के गुजरात में नेताओं, शराब माफियाओं (बूटलेगरों) और पुलिस की मिलीभगत से चल रहे इस खेल के खिलाफ अब जनता का गुस्सा अपने चरम पर पहुंच गया है।

कुछ लोगों की जिद के पीछे दो करोड़ गुजराती क्यों भुगत रहे हैं?

गुजरात की जनता आज ऐसे सवाल पूछ रही है जिन्हें कोई राजनेता सीधे मुंह बोलने की हिम्मत नहीं करता। राज्य में शराबबंदी कानून के समर्थन या विरोध की आड़ में ऐसा कहा जाता है कि चंद गिने-चुने लोगों की गलत नीतियों और पाखंड के कारण आज गुजरात की करोड़ों जनता इस काली व्यवस्था का शिकार हो रही है। अगर देश में समानता का अधिकार है और संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है, तो फिर गुजरात के आम नागरिकों पर ही इस कानून की तानाशाही क्यों?

वीआईपी और नेताओं के लिए अलग कानूनः गिफ्ट सिटी में छूट क्यों?

गुजरात सरकार की दोहरी नीतियों का सबसे बड़ा सबूत गांधीनगर का 'गिफ्ट सिटी' है। सरकार अपने ही नेताओं, उच्च अधिकारियों, विदेशी मेहमानों और उद्योगपतियों के लिए शराब पीने की आधिकारिक छूट दे देती है। गिफ्ट सिटी में आए हाई-फाई जोन में शराब के परमिट और बार खोलने की अनुमति दी गई है, ताकि इन खास मेहमानों को कोई परेशानी न हो।

लेकिन, अगर उसी गुजरात का कोई आम नागरिक या मेहनतकश वर्ग अपनी मेहनत की कमाई से थोड़ी राहत पाना चाहे, तो उसे अन्य राज्यों की तुलना में कई गुना महंगी और नकली शराब खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

महंगे दाम, ओरिजिनल होने की कोई गारंटी नहीं और जान का खतरा!

गुजरात में शराबबंदी कानून के कारण कोई कानूनी दुकानें नहीं हैं, जिसकी वजह से बूटलेगरों का साम्राज्य चल रहा है। स्थिति यह है कि आम लोग दूसरे राज्यों की तुलना में दोगुने-तिगुने दाम चुकाकर शराब खरीदते हैं, फिर भी वह असली है या नकली, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। जहरीली शराब पीने के कई निर्दोष लोगों की मौत होने के इतिहास के बावजूद सिस्टम सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। रात में छिपकर शराब पीना पड़े और सुबह उठेंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी न रहे–ऐसी दहशत भरी स्थिति गुजरात के आम इंसान के लिए पैदा कर दी गई है।

दंभी शराबबंदी अब हटाई जानी चाहिए

'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर का यह स्पष्ट और सटीक मत है कि यदि संविधान और कानून देश में एक समान होने का दावा करता है, तो गुजरात से इस झूठी, भ्रष्ट और दंभी शराबबंदी को तत्काल प्रभाव से हटा लिया जाना चाहिए। गांधी जी के नाम पर शराबबंदी की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेकना और पुलिस-बूटलेगरों की सल्तनत खड़ी करना अब बंद होना चाहिए। यदि सरकार में नैतिकता बची है, तो गिफ्ट सिटी जैसे हाई-फाइ इलाकों में छूट देने के बजाय पूरे राज्य में इस कानून की वैज्ञानिक और व्यावहारिक रूप से समीक्षा की जानी चाहिए, ताकि जनता को लुटने से बचाया जा सके!

50 हजार से शुरू हुई बोली 5 लाख तक पहुंची फिर भी बापू की स्कीम फेलः मैला उठाओ और आरक्षण हटाओ' का नया धमाका!

शंकरसिंह वाघेला के विवादित बयान के बाद गुजरात की राजनीति में नया भूचाल

अहमदाबाद गुजरात की राजनीति में बयानों के तीर कब और क्या रंग दिखाएं, यह कोई नहीं जानता। पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला (बापू) द्वारा हाल ही में दिया गया एक बयान इन दिनों पूरे राज्य में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। सागबारा के आदिवासी सम्मेलन में शंकरसिंह वाघेला ने ब्राह्मण, पटेल और वाणिया समाज को लेकर एक विवादित तंज कसा था कि यदि इस समाज के लोग सिर पर मैला उठाएं, तो मैं उन्हें 50 हजार रुपये दूंगा! लेकिन समय के साथ अब इस बोली में भारी उछाल आया है और चर्चाओं के अनुसार यह बोली 50 हजार से बढ़कर सीधे 5 लाख रुपये तक पहुंच गई है!

इसके बावजूद सबसे बड़ा और चौंकाने वाला सवाल यह है कि इतनी बड़ी रकम के ऑफर के बावजूद आज दिन तक सवर्ण समाज से एक भी व्यक्ति ने सिर पर मैला उठाने की तैयारी नहीं दिखाई है। यह सच्चाई साबित करती है कि यह स्कीम जमीनी स्तर पर पूरी तरह से फेल साबित हो चुकी है।

बापू का दर्दः 'यह शर्मनाक घटना है, समाज के लिए अभिशाप समान है '

इस पूरे विवाद के बीच शंकरसिंह वाघेला ने खुद स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि सदियों से चली आ रही यह प्रथा हमारे समाज के लिए बेहद शर्मनाक घटना है और यह मानसिकता हमारे धर्म तथा समाज के लिए एक अभिशाप या श्राप साबित हो रही है। इसकी वजह से धर्म और जाति के बीच बड़े भेदभाव पैदा हो रहे हैं। उनका उद्देश्य शायद सामाजिक असमानता पर प्रहार करना था, लेकिन जिस तरह से इस बयान को राजनीतिक और जातिगत रंग दिया गया है, उसने भारी हंगामा खड़ा कर दिया है।

अब जनता के बीच से उठ रही तीखी मांगः 'मैला उठाओ और आरक्षण हटाओ! '

इस पूरे विवाद और बयानों के बीच अब राजनीतिक और सामाजिक हलकों से एक नया और बेहद जोरदार सुर उठ रहा है। विश्लेषकों और आम जनता का यह मानना है कि यदि वास्तव में समाज से जातिगत भेदभाव और असमानता को हमेशा के लिए मिटाना है, तो केवल प्रथाओं पर तंज कसने से या 50 हजार या 5 लाख की रकम उछालने से कभी बदलाव नहीं आएगा।

समाज में एक अच्छा और सटीक उदाहरण पेश करने के लिए अब समय आ गया है कि व्यवस्थागत बदलाव की वास्तविक लड़ाई लड़ी जाए। लोग अब खुलेआम कह रहे हैं कि यदि सामाजिक समरसता लानी ही है, तो केवल प्रथाओं के विरोध तक सीमित न रहकर, 'मैला उठाने की प्रथा को जड़ से समाप्त करो और साथ ही आरक्षण जैसी जाति आधारित व्यवस्थाओं को हटाओ' के फॉर्मूले को अपनाना चाहिए। यदि देश और राज्य से जातिवाद को हमेशा के लिए खत्म करना है, तो आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक विभाजन की हर जड़ पर प्रहार करना होगा।

'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर का यह स्पष्ट मत है कि समाज में यदि वाकई क्रांति लानी है, तो ऐसे राजनीतिक ड्रामों को बंद करके समानता की सच्ची नींव पर एक नए गुजरात का निर्माण करना होगा, जहां न कोई जाति छोटी हो और न कोई काम अपमानजनक माना जाए!

प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल और जे.सी. पटेल की जोड़ी ने डायलिसिस केंद्रों को लूटपाट के अड्डे बनाए

स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया की नाक के नीचे 'ए-वन डायलिसिस प्रोग्राम' में करोड़ों का घोटालाः मंजूर पदों से अधिक भर्ती, फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के बल पर ऊंचे वेतन की रेवड़ियाँ और नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. उषा पटेल के साथ सांठगांठ से तंत्र में मचा हाहाकार!

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात सरकार द्वारा गरीब और किडनी के गंभीर मरीजों के इलाज के लिए शुरू किए गए महत्वपूर्ण 'ए-वन डायलिसिस प्रोग्राम' में प्रशासनिक तंत्र के भ्रष्ट अधिकारियों ने जमकर लूटपाट मचाई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया के विभाग के तहत चल रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में नियमों को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने के चौंकाने वाले और गंभीर सबूत सामने आए हैं। प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल और प्रशासनिक अधिकारी जे.सी. पटेल की जोड़ी द्वारा चलाई जा रही मनमानी और एक खास 'लॉबी' के भ्रष्ट खेल के कारण सरकारी तिजोरी को भारी चूना लग रहा है।

'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र के हाथ लगी पुख्ता जानकारी के अनुसार, इस डायलिसिस प्रोग्राम में ओवर-बिलिंग, अवैध भर्तियों, फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों के आधार पर सैलरी स्लैब में गड़बड़ी और डॉक्टरों को बिना जरूरत के सरकारी धन की रेवड़ियाँ बांटने जैसे गंभीर घोटालों का पर्दाफाश हुआ है।

घोटाले के मुख्य और घातक बिंदुः कागज पर चल रहा भ्रष्टाचार का खेल

1. मंजूर संख्या से कहीं अधिक धड़ल्ले से भर्ती (ओवर-स्टाफिंग का घोटाला)

टेंडर के नियमों के अनुसार सीनियर एचडी टेक्नीशियन के केवल 10 पद ही निर्धारित किए गए हैं। नियम के मुताबिक किसी भी प्रोजेक्ट में मंजूर संख्या में अधिकतम 25' तक की ही वृद्धि की जा सकती है, यानी किसी भी स्थिति में 13 से अधिक पद नहीं भरे जा सकते। परंतु, प्रोजेक्ट के भ्रष्ट प्रबंधकों ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए 30 या उससे अधिक कर्मचारियों की अवैध भर्ती/तैनाती कर डाली है! इतनी बड़ी संख्या में अतिरिक्त भर्ती किस आधिकारिक नियम या मंजूरी के आधार पर की गई? यह एक बहुत बड़ा सवाल है। इसके साथ ही जूनियर एचडी टेक्नीशियन और असिस्टेंट टेक्नीशियन के पदों में भी बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरते जाने की आशंका है।

2. फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र और 'पटेल लॉबी' का काला कारोबार

टेंडर के नियमों के अनुसार टेक्नीशियनों के लिए वेतन के तीन स्लैब तय किए गए हैं:

10 साल के अनुभव वाले को 40,000 रुपये,
7 से 10 साल के अनुभव वाले को 32,000 रुपये, और
बाकी अन्य के लिए 24,000 रुपये वेतन।

परंतु, प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल द्वारा मनमाने तरीके से कहीं से भी और किसी भी तरह के प्रमाण पत्र स्वीकार करके टेक्नीशियनों को ऊंचे वेतन वाले स्लैब में सेट कर दिया गया है! उदाहरण के तौर पर, बहरामपुरा म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के डायलिसिस विभाग में काम करने वाली टेक्नीशियन भूमि पटेल ने अधिक अनुभव दिखाकर सीधे रु. 32,000 के स्लैब में अपनी सेटिंग कर ली। हकीकत यह है कि वह दो साल तक विदेश में रही थी, जिसका उल्लेख प्रमाण पत्र में छुपाया गया था। इस बात को प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल और प्रशासनिक अधिकारी जे.सी. पटेल अच्छी तरह जानते थे, फिर भी 24,000 वाले स्लैब के योग्य होने के बावजूद उसे सीधे 32,000 के स्लैब में पदस्थ कर दिया गया!

यह साफ तौर पर साबित करता है कि पूरे प्रोजेक्ट में केवल और केवल 'पटेल लॉबी' चलाई जा रही है। टेक्नीशियनों से सैटिंग करके पैसों की उगाही करना और एजेंसियों से हर महीने भारी कमीशन वसूलना ही इन अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य बन चुका है।

3. डॉक्टरों को गैर-जरूरी विजिट के नाम पर सरकारी धन की लूट (डॉ. उषा पटेल की बेलगाम लिप्तता)

जहां मरीजों की संख्या कम है, ऐसे छोटे डायलिसिस केंद्रों पर भी नियमों के विरुद्ध जाकर हफ्ते में 3-3 बार डॉक्टरों की गैर-जरूरी विजिट तय कर दी गई हैं। विशेष रूप से नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. उषा पटेल पिछले दो सालों से प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल और जे.सी. पटेल के साथ मिलकर सरकारी खजाने की बेहिसाब लूट मचा रही हैं।

सवाल यह उठता है कि क्या वाकई इतनी विजिट्स होती थीं?

क्या डॉक्टर द्वारा दर्शाए गए घंटे वास्तव में मरीजों की सेवा के लिए दिए गए थे?

डॉक्टरों की नियुक्ति से लेकर उनकी विजिट और बिल भुगतान तक में केवल और केवल एक खास जाति और अपने चहेतों को ही अंधाधुंध आर्थिक फायदा पहुंचाया गया है। यदि सभी सेंटरों के OPD/Visit Register, Biometric/GPS रिकॉर्ड और मरीजों की उपस्थिति की निष्पक्ष जांच की जाए, तो एक बहुत बड़ा घोटाला सामने आ सकता है।

'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र की कड़ी मांग

स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया के विभाग के तहत चल रहे इस संवेदनशील प्रोजेक्ट में हुए इस घृणित भ्रष्टाचार को लेकर 'महानगर मेट्रो' स्पष्ट मांग करता है किः

1. सभी कर्मचारियों के अनुभव प्रमाण पत्र की सत्यता की गहराई से जांच हो और जिन संस्थानों से ये सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, उनसे लिखित में इसका सत्यापन कराया जाए।

2. इस पूरे घोटाले की जांच आम सरकारी अधिकारियों से कराने के बजाय, इस प्रोजेक्ट या द्धयष्ठत्रष्ट से कभी भी जुड़े न रहे किसी निष्पक्ष और वरिष्ठ सीनियर नेफ्रोलॉजिस्ट की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय न्यायिक जांच समिति गठित की जाए और दोषी अधिकारियों (नरेश पटेल, जे.सी. पटेल और डॉ. उषा पटेल) के खिलाफ सख्त से सख्त आपराधिक (फौजदारी) कार्रवाई की जाए! यदि आने वाले समय में इन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है, तो 'महानगर मेट्रो' इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगा!

मंडला में गणेश पंडाल में बड़ा हादसा, करंट फैलने से 4 की मौत, 2 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मंडला में गणेश पंडाल में करंट फैलने से बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई. वहीं, 2 लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है.घटना नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव की है. बताया जा रहा है कि गणेश विसर्जन के बाद कुछ लोग गणेश पंडाल के मंच पर सो रहे थे. इसी दौरान अचानक पंडाल में करंट फैल गया. घटनास्थल पर मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए.

शॉर्ट सर्किट या तार टूटने से हादसे की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, करंट फैलने की वजह शॉर्ट सर्किट या बिजली का तार टूटना हो सकती है. हालांकि, घटना की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं है. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.मंडला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने मोबाइल फोन पर घटना की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि गणेश पंडाल में करंट फैलने से चार लोगों की मौत हुई है. दो लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर है. पुलिस और प्रशासन की ओर से घटना की जानकारी जुटाई जा रही है. करंट कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही है. हादसे के बाद गांव में भी शोक माहौल है

सीएम मोहन यादव को जान से मारने की धमकी, डायल-112 के व्हाट्सएप नंबर पर आया था मैसेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डायल-112 के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर एक व्यक्ति ने धमकी भरा मैसेज भेजा था, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को मुंबई से दबोच लिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को भोपाल के भदभदा स्थित रेडियो मुख्यालय में डायल-112 के हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर पर एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री को जान से खत्म करने की धमकी वाला संदेश भेजा था। इस घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था।जानकारी के मुताबिक, 23 सितंबर की सुबह करीब 11.30 बजे डायल-112 के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। संदेश भेजने वाले ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का नाम लिखकर उन्हें जान से मारने की बात कही और लिखा कि वे ज्यादा दिन तक नहीं बच पाएंगे। इतना ही नहीं, आरोपी ने मैसेज भेजने के बाद उसमें कुछ और बातें जोड़ीं और बाद में उस संदेश को एडिट कर डिलीट भी कर दिया। हालांकि, सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते इसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित रख लिया था।क्राइम ब्रांच ने मुंबई से दबोचा आरोपीसंदेश देखने के बाद डायल-112 के कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। रेडियो मुख्यालय की तरफ से भोपाल पुलिस को इसकी आधिकारिक शिकायत दी गई। मामला क्राइम ब्रांच के पास पहुंचने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया। क्राइम ब्रांच ने व्हाट्सएप नंबर की तकनीकी जांच शुरू की तो आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के मुंबई में मिली। इसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम तुरंत मुंबई रवाना हुई और शुक्रवार को आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के पास आरोपी के खिलाफ स्क्रीनशॉट और पुख्ता डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।

आर्मी से रिटायर्ड हवलदार ने 7 महीने की गर्भवती से किया दुष्कर्म, ग्रामीणों में फूटा गुस्सा

तनाव के बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में सात महीने की एक गर्भवती महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेना से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हवलदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के सामने आने के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

घर में घुसकर की गई हैवानियत

भीकनगांव के एसडीओपी केतन अड़लक ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित महिला वर्तमान में अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे आरोपी माल सिंह रंधावे, जो सेना से हवलदार के पद से रिटायर्ड है, चुपचाप महिला के घर में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि, डरी-सहमी महिला ने हिम्मत जुटाकर तुरंत अपने परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया गया। महिला की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी माल सिंह रंधावे को शुक्रवार शाम को ही गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी सेना से रिटायर्ड हवलदार है। उसे शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। केतन अड़लक, एसडीओपी, भीकनगांव घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली, बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बढ़ते तनाव को देखते हुए चैनपुर थाना प्रभारी गणपत कनेल तुरंत भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए ग्रामीणों को समझाइश दी और स्थिति को नियंत्रण में लिया। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

सिसकती जिंदगी और गांव में दहशत... आजमगढ़ कांड के बाद 6 बच्चियों और 2 महिलाओं ने छोड़ा घर! बिखरते परिवार की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आजमगढ। आजमगढ़ के शंभूपुर गांव में एक परिवार से जुड़ी पांच मौतों के बाद अब पीछे बची जिंदगी डर और अनिश्चितता के बीच गुजर रही है. परिवार की दो महिलाएं और छह बच्चियां गांव छोड़कर सुलतानपुर में रिश्तेदार के यहां रहने को मजबूर हैं. जिस घर में कभी परिवार रहता था, उस पर पुलिस का ताला लगा है. पूरा परिवार अपने गांव से डरकर दूर रह रहा है.उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ का एक घर... जहां कभी बच्चों की आवाजें आती थीं. लोग आते-जाते थे. परिवार के लोग साथ बैठते थे. लेकिन अब उसी घर के दरवाजे पर पुलिस का ताला लगा है. घर के अंदर जाने की इजाजत नहीं है. जो लोग उस घर में रहते थे, वो अब अपने गांव से दूर रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं.ये कहानी आजमगढ़ के शंभूपुर गांव की है. एक ऐसी घटना के बाद, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. अब परिवार में दो महिलाएं और छह बच्चियां बची हैं. ये सभी सुलतानपुर के महमूदपुर गांव में रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर हैं. इन बच्चियों के सामने अब पढ़ाई से लेकर पेट पालने तक के सवाल हैं. महिलाओं के सामने जिंदगी दोबारा खड़ी करने की चुनौती है. और पूरे परिवार के मन में एक डर बैठा हुआ है.कुछ दिन पहले शंभूपुर गांव में एक घर में पूजा-पाठ चल रहा था. परिवार के मुताबिक, गृह शांति के लिए पुरोहितों को बुलाया गया था. इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे इलाके को हिला दिया. पुलिस की जांच के मुताबिक, अरविंद सिंह पर अपनी पत्नी और घर में पूजा कराने आए दो पुरोहितों की हत्या का आरोप लगा. आरोप यह भी है कि उसने अपने एक बेटे की भी हत्या कर दी. इसके बाद पुलिस कार्रवाई में अरविंद सिंह की भी मौत हो गई. यानी एक ही परिवार और उससे जुड़ी इस घटना में कुल पांच लोगों की जान चली गई. अब उसी घर में पुलिस का ताला लगा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इसलिए घर के कमरों को सील किया गया है. परिवार के जो लोग बचे हैं, वो वहां नहीं रह रहे. लेकिन सिर्फ पुलिस का ताला ही वजह नहीं है. परिवार कहता है कि उन्हें डर भी लग रहा है.अब जरा उस परिवार की तरफ लौटिए, जो इस घटना के बाद बचा है. दो महिलाएं हैं, अब जिनके पति नहीं हैं, छह बच्चियां हैं, जिनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है. लेकिन जिस घर में उन्हें रहना था, वहां जाना मुश्किल है. इसलिए ये लोग सुलतानपुर के गांव पहुंच गए हैं. यहां रिश्तेदार के घर फिलहाल उनका ठिकाना है. रिश्तेदारों के यहां रहना किसी भी परिवार के लिए कुछ दिन की बात हो सकती है. लेकिन इन लोगों के सामने सवाल लंबा है. कब तक रहेंगे? बच्चियों की पढ़ाई कैसे चलेगी? घर का खर्च कैसे चलेगा? और एक सवाल- वापस अपने गांव जाएंगे तो क्या सुरक्षित रहेंगे?इस डर की कहानी आज की नहीं है

परिवार के लोग कहते हैं कि शंभूपुर में डर की कहानी कई साल पुरानी है. साल 2018 में सुनील सिंह उर्फ गुड्डू सिंह की हत्या कर दी गई थी. परिवार के मुताबिक, गुड्डू सिंह को उनके पट्टीदारों ने एक निमंत्रण में जाने के दौरान मार दिया था. इस मामले में आरोपी जेल गए. लेकिन परिवार का कहना है कि बाद में आरोपी जमानत पर बाहर

तेज रफ्तार से आ रही बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी, चाचा और 5 साल के भतीजे की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। उत्तरप्रदेश के मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार बाइक के ट्रक से टकराने से चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। एक साथ चाचा-भतीजे की मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में चीख-पुकार मच गई।बताया जा रहा है कि दोहरीघाट कस्बे के पास पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

देर शाम दोनों बाइक से लौट रहे थे

दोहरीघाट कस्बे के वार्ड नंबर एक खटीक टोला निवासी 30 वर्षीय आयुष चौहान पुत्र डॉ. घूरभारी चौहान शुक्रवार को अपने पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान पुत्र डॉ. मोतीचंद चौहान को लेकर नई बाजार की तरफ गया था। देर शाम दोनों बाइक से दोहरीघाट लौट रहे थे। आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित हो गई।

बाइक की रफ्तार काफी तेज थी

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयुष और कुनाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही। देर रात उपचार के दौरान चाचा आयुष चौहान और पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान की मौत हो गई।

पोस्टमार्टम कराने से इनकार

शनिवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस टीम मृतकों के घर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की। हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं। उन्हें समझाया जा रहा है।हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं।

करोड़ों की जमीन के लालच में भतीजे ने की धर्मवीर सोलंकी की हत्या, सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मार डाला था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा । केथाना अछनेरा के सहाई गांव में धर्मवीर सोलंकी की हत्या उनके भतीजे दुष्यंत ने की थी और इसमें उसका साथी शिवम भी शामिल था। दुष्यंत ने चाचा के पैसे और जमीन पर कब्जा पाने के लिए हत्या की योजना बनाई। बताया जा रहा है कि करोड़ों की जमीन के लालच में आकर भतीजे ने अपने चाचा धर्मवीर सोलंकी की सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। शुक्रवार सुबह को धर्मवीर सोलंकी का शव बरामद हुआ था।45 वर्षीय धर्मवीर सोलंकी साधु बन चुके थे। उन्होंने कुछ समय पहले अपने हिस्से की जमीन बेची थी। इसके बावजूद भी उसके पास तीन बीघे से अधिक जमीन शेष थी। जिसकी कीमत करोड़ों में थी। भतीजे दुष्यंत ने जमीन और चाचा की रकम हड़पने के लिए हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।धर्मवीर सोलंकी चार भाईयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। तीन भाई राजकुमार, वासुदेव और देशराज उनसे अलग रहते थे। परिजन ने बताया कि धर्मवीर सोलंकी अकेले रहते थे। वह रोजाना मंदिर में पूजा करने के बाद गांव की परिक्रमा करते थे। सुबह 6 बजे पशुओं को चारा डालते थे, लेकिन शुक्रवार सुबह वह कमरे से बाहर नहीं आए।एक अन्य भतीजे सौरभ सोलंकी ने बताया कि वह 9 बजे तक कमरे से बाहर नहीं आए तो उन्हें देखने के लिए गया। कई बार आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आया। फोन मिलाया तो कमरे से मोबाइल फोन की घंटी की आवाज आ रही थी। उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा तो धर्मवीर सोलंकी का शव जमीन पर पड़ा हुआ था।उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा

'वोट चोरी' से जीता गया था 2023 मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव, असंभव था कमल नाथ का हारनाः चुनाव आयोग पर भड़के नकुल नाथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुल नाथ ने दावा किया है कि मध्य प्रदेश का 2023 का विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के जरिए जीता गया था। उन्होंने राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर करते हुए कहा कि 2018 के मुकाबले 2023 में मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने की प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुए।मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो साझा करते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि 2023 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के दम पर जीता गया था और कमलनाथ का वह चुनाव हारना असंभव था।

2018 और 2023 की मतदाता सूची की तुलना

नकुल नाथ ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साल 2018 की मतदाता सूची का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि उस दौरान कांग्रेस की शिकायतों के बाद मध्य प्रदेश की वोटर लिस्ट से करीब 24 लाख फर्जी नाम हटाए गए थे। उपलब्ध आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार भी 2018 में पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाली करीब 24 लाख प्रविष्टियों को हटाया गया था।कांग्रेस का आरोप है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।कमल नाथ जी का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 हारना असंभव था। बड़े पैमाने पर वोट चोरी की शुरुआत मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 से हुई थी। नकुल नाथ, पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी का दावा था कि उनकी तकनीकी टीम ने कुछ चुनावी नतीजों और वोटर लिस्ट की विसंगतियों को लेकर विश्लेषण किया है। कांग्रेस ने इस पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अपने आधिकारिक मंचों पर भी साझा किया है, जिसे अब नकुल नाथ ने मध्य प्रदेश के संदर्भ में आगे बढ़ाया है। इन बयानों के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मी एक बार फिर तेज हो गई है। लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।

बांदाः झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से रेप, 55 साल का तांत्रिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का मामला सामने आया है. पुलिस ने 55 वर्षीय तांत्रिक परशुराम यादव को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक नरैनी क्षेत्र की महिला अपनी बीमार बेटी को इलाज के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. आरोप है कि इसी दौरान तांत्रिक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया.बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में 55 वर्षीय तांत्रिक को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि बच्ची की बीमारी ठीक करने के बहाने उसे अपने पास बुलाया गया और इलाज के दौरान उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया.पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान इतारा मिलाउली गांव निवासी परशुराम यादव के रूप में हुई है. बबेरू सर्किल ऑफिसर कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार शाम पवारी गांव के पास से गिरफ्तार किया गया.

झाड़-फूंक के नाम पर किया रेप

बताया जा रहा है कि नरैनी क्षेत्र की एक महिला अपनी 13 वर्षीय बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे झाड़-फूंक से इलाज कराने के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. पुलिस के अनुसार बच्ची को वहां ले जाने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया.घटना की जानकारी सामने आने के बाद बिसंडा थाने में आरोपी के खिलाफ पत्रिकाढ्ढक्र दर्ज की गई. पुलिस ने बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया है. वहीं, आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है.पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जुटाया जा रहा है. बच्ची की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी गई है.

पिता ने 15 साल के बेटे को खंभे से बांधा, लाठी से मरते दम तक पीटा... चोरी के पैसों को लेकर था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

औरैया । एक पिता ने अपने 15 वर्षीय बेटे को चोरी के आरोप में रस्सी से बांधकर बांस की लाठी से पिटाई की. इससे बेटे की मौत हो गई. मृतक के बड़े भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. घटना यूपी के औरैया जिले की है. पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है.उत्तर प्रदेश के औरैया से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. दरअसल, यहां एक पिता ने अपने 15 साल के बेटे को पहले खंभे से बांधा. इसके बाद उसकी बांस की लाठी से बेरहमी से पिटाई की. पिटाई से बेटे की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, पिता बेटे से चोरी हुए पैसों को लेकर नाराज था. घटना के बाद आरोपी पिता शव को चारपाई पर रखकर घर से फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया. उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल रस्सी और बांस की लाठी भी बरामद की गई है. आरोपी की पहचान उम्मेद सिंह के रूप में हुई है.घटना 21 सितंबर की है. मामला औरैया के पूर्वा सोमवंशी गांव का है. मृतक की पहचान रिशु उर्फ ईशू (15) के रूप में हुई है. मृतक के बड़े भाई नीरज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.बड़े भाई नीरज ने पुलिस को बताया कि 21 सितंबर को वह और उसकी बड़ी बहन गांव में गणेश पूजा और कीर्तन में शामिल होने गए थे. घर पर उनका छोटा भाई रिशु और छोटी बहन मौजूद थे. इसी दौरान उम्मेद सिंह (पिता) घर पहुंचा. वह रिशु को लेकर पहले से नाराज था. दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था.

गणेश विसर्जन के दिन उजड़ गया घरः बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष के दो बेटों की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत, खंडवा में शोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। देशभर में जहां गणेश विसर्जन की धूम थी और श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ बप्पा को विदाई दे रहे थे, वहीं खंडवा जिले के नाहल्दा गांव में यह उत्सव पलभर में गहरे मातम में बदल गया। गांव के समीप स्थित एक गिट्टी खदान के गहरे पानी में गणेश प्रतिमा विसर्जित करने उतरे दो सगे भाइयों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान विश्वास और लक्ष्य के रूप में हुई है, जो भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मोंटू ठाकुर के बेटे थे। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। खंडवा होमगार्ड कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि नाहल्दा गांव के पांच युवा, विश्वास, लक्ष्य, वैभव, गौतम और लकी गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए पास ही स्थित गिट्टी खदान पहुंचे थे। करीब 50 फीट गहरी इस खदान में बारिश का पानी भरने से इसने एक बड़े और खतरनाक तालाब का रूप ले लिया था। विसर्जन के दौरान दोनों सगे भाई पानी में उतरे, लेकिन गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे गहरे भंवर में फंस गए।उन्हें डूबता देख बाकी तीन साथी भी बचाने के लिए कूदे, लेकिन वे भी संकट में आ गए। शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तीन युवकों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों भाई गहरे पानी में लापता हो गए। हादसे की खबर मिलते ही खंडवा जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शाम 4 बजे ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। खदान की अत्यधिक गहराई को देखते हुए ओंकारेश्वर से विशेष गोताखोरों की टीम बुलवाई गई। खंडवा विधायक कंचन तन्वे

अपने सभी पूर्व निर्धारित धार्मिक कार्यक्रम छोड़कर आधी रात तक घटनास्थल पर डटी रहीं और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यहां नियमों को ताक पर रखकर अवैध उत्खनन किया गया और 50 फीट गहरे जानलेवा को बिना किसी सुरक्षा घेरे या फेंसिंग के खुला छोड़ दिया गया था। ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

'नकली पुलिस बनकर आए, फोन छीना और की हैवानियत', आस्था कुंज पार्क मामले में पुलिस ने दर्ज किया पीड़िता का बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की से गैंगरेप के मामले में दिल्ली पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए बयान में घटना के दिन की पूरी आपबीती सुनाई है। पीड़िता के पुलिस को दिए बयान के अनुसार, आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर दोनों को रोका और फिर बंदूक व चाकू की नोक पर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के समय पीड़िता अपने दोस्त के साथ पार्क के गेट नंबर 7 से अंदर दाखिल होकर झूलों के पास स्थित एक बेंच पर बैठी थी। तभी करीब 30 से 35 वर्ष की आयु के तीन पुरुष उनके पास पहुंचे और दोस्त को थप्पड़ मारते हुए खुद को पुलिसवाला बताया। आरोपियों ने वहां आने पर पाबंदी की बात कहकर दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए और दोस्त को जबरन दूसरी तरफ ले गए। बयान के अनुसार इसके बाद आरोपियों ने हथियारों के बल पर युवती को डराया-धमकाया। पीड़िता द्वारा अपनी मां से बात कराने के अनुरोध के बावजूद, आसिफ नाम के आरोपी ने जेब से काली बंदूक निकालकर दिखाई। इसके बाद अन्य दो आरोपियों ने चाकू निकाले और युवती को जबरन पार्क के एक सुनसान और अंधेरे हिस्से में ले गए। पीड़िता का आरोप है कि तीनों आरोपियों आसिफ, हेमू और दीपू ने बारी-बारी से चाकू की नोक पर उसके साथ दरिंदगी की। आरोपी आसिफ ने पीड़िता की गर्दन पर चाकू रखकर यौन उत्पीड़न किया, जबकि अन्य आरोपी पहरा दे रहे थे। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को केवल टी-शर्ट और जींस वापस दी और धमकी दी कि यदि उन्होंने तुरंत पार्क नहीं छोड़ा या पुलिस को सूचित किया तो वे उन्हें जान से मार देंगे।

CEC ज्ञानेश कुमार पर आर-पार के मूड में विपक्ष, इस तारीख को होगी 'इंडिया' ब्लॉक की अहम बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी. बैठक में प्रमुख विपक्षी नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. इससे पहले ममता बनर्जी और सीपीएम महासचिव एमए बेबी के बीच चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर बातचीत हुई थी. सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी. बैठक में इंडिया ब्लॉक के सभी प्रमुख नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक की जल्द बैठक कराने को लेकर विपक्षी दलों के बीच बातचीत चल रही थी, जो अब बैठक की तारीख तय होने के साथ आगे बढ़ गई है. ममता बनर्जी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से बात की थी, जबकि सीपीएम महासचिव एमए बेबी इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से बातचीत कर रहे थे. इसमें ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी शामिल होंगे. दरअसल, सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर INDIA Bloc में पहले से चर्चा चल रही थी. चुनाव आयोग में सामने आए 'मतभेद' के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी सीपीएम और टीएमसी के शीर्ष नेताओं के बीच भी बातचीत हुई थी. सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम के पत्र पर ममता बनर्जी की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी. सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम महासचिव एमए बेबी और एआईटीसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार दोपहर फोन पर बातचीत की थी. इस दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई थी. एमए बेबी ने अपने पत्र में INDIA Bloc प्लस की पार्टियों को एक मंच पर लाने की जरूरत बताई थी, ताकि सीईसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा सके और चुनावी सुधारों को लेकर अभियान शुरू किया जा सके. यह पत्र 23 सितंबर को भेजा गया था, जिसके जवाब में ममता बनर्जी ने अगले दिन दोपहर फोन पर बातचीत की थी. सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी और सीपीआई-एम दोनों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार और 'देश में किए जा रहे चुनावी फर्जीवाड़े' के खिलाफ बड़े स्तर पर देशव्यापी अभियान शुरू करने की जरूरत पर सहमति जताई थी. बंगाल की स्थिति पर भी बातचीत के दौरान चर्चा हुई थी. एमए बेबी ने 23 सितंबर को INDIA Bloc के नेताओं को संयुक्त विपक्षी रणनीति को लेकर पत्र भेजा था. यह पत्र दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल के कार्यालय को भी भेजा गया था.

700 करोड़ के मेडिकल इक्विपमेंट घोटाले का आरोपी राजीव रंगीला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। करीब 700 करोड़ रुपये के कथित मेडिकल उपकरण खरीद घोटाले में एंटी करप्शन ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. मामले में कथित मास्टरमाइंड में शामिल बताए जा रहे 50 वर्षीय राजीव रंगीला को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारियों के मुताबिक, रंगीला ने ACB के सामने सरेंडर किया, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी की गई. राजीव रंगीला मेडिकल उपकरणों का बड़ा सप्लायर और फार्मास्युटिकल कारोबारी बताया जाता है. यह मामला सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से जुड़ी कथित खरीद अनियमितताओं का है. ACB ने इस साल जुलाई में राजीव रंगीला को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था. अधिकारियों के मुताबिक, उसे कई बार जांच में शामिल होने के लिए कहा गया, लेकिन वह पेश नहीं हुआ. इसके बाद जांच एजेंसी ने उसकी तलाश शुरू कर दी. रंगीला की तलाश में दिल्ली-हृष्टक्रके अलावा उत्तराखंड में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया गया. जांच के दौरान ACB को उसकी दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में संपत्तियों की जानकारी भी मिली. जांच एजेंसी के मुताबिक, रंगीला राजनीति में भी किस्मत आजमा चुका है. उसने 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा था. करीब 700 करोड़ रुपये की कथित खरीद अनियमितताओं का यह मामला इसी साल मई में सामने आया था. विजिलेंस विभाग को शिकायतें मिलने के बाद CPA के दफ्तरों पर छापेमारी की गई थी. CPA दिल्ली सरकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दवाइयों, वैक्सीन और मेडिकल उपकरणों की खरीद और सप्लाई करने वाली नोडल एजेंसी है. जांच के दौरान राजीव रंगीला की कथित भूमिका सामने आने के बाद एजेंसी ने उसे मामले के 'मुख्य लाभार्थियों' में शामिल बताया. जांच एजेंसियों के मुताबिक, रंगीला पर फर्जी कंपनियां और फर्में खड़ी कर उनके जरिए खरीद प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप है. दावा है कि इन कंपनियों के मालिक के तौर पर ऐसे लोगों के नाम इस्तेमाल किए गए, जिनका वास्तव में इनके संचालन से कोई संबंध नहीं था. एजेंसी का आरोप है कि कथित फर्जी कंपनियों और फर्मों के मालिक के तौर पर रंगीला के नौकरों और यहां तक कि चाय बेचने वाले लोगों के नाम का भी इस्तेमाल किया गया. ACB अब रंगीला से कथित खरीद घोटाले, कंपनियों के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर सकती है. जांच एजेंसी मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की भी पड़ताल कर रही है.

भिवंडी गैंगरेप के आरोपी की मां बोली- बेटे को फांसी दो, कई लड़कियों के साथ कर चुका है ऐसी हरकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिवंडी। हुए सामूहिक बलात्कार मामले में आरोपी बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील की मां सुलोचना पाटील ने अपने ही बेटे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि बेटे ने उन्हें प्रताड़ित किया, पिस्तौल दिखाकर संपत्ति हड़पने का दबाव बनाया और कई लड़कियों के साथ ऐसी हरकत की. मां ने मांग की कि बेटे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए. महाराष्ट्र के भिवंडी में गैंगरेप मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही है. इसी बीच शैलेश की मां सुलोचना पाटील ने अपने बेटे को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. सुलोचना पाटील ने कहा कि अगर उनका बेटा दोषी है तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए. उन्होंने दावा किया कि शैलेश ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और पैसे तथा संपत्ति के लिए उनके साथ मारपीट की. मां का आरोप है कि शैलेश ने उनके सिर पर पिस्तौल रखकर संपत्ति अपने और अपनी पत्नी के नाम करने का दबाव बनाया था. उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले पुलिस से शिकायत की गई थी. जब उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली तो उन्होंने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया. सुलोचना पाटील के मुताबिक, संपत्ति से जुड़ा मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है. सुलोचना पाटील ने दावा किया कि उनके पति ने जो जमीन और दूसरी संपत्तियां खरीदी थीं, उन पर भी शैलेश ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने अपने बेटे पर करोड़ों रुपये की संपत्ति और नकदी हड़पने का आरोप लगाया. मां का कहना है कि अब वह अपने बेटे के साथ नहीं रहतीं और अपनी बेटी के घर रह रही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे और संपत्ति के लिए उनका बेटा उन्हें लगातार परेशान करता था. सुलोचना पाटील ने शैलेश पर डांस बार में वसूली और लोगों को धमकाने जैसे कामों में शामिल होने का भी आरोप लगाया है. सुलोचना पाटील ने अपने बेटे पर एक और गंभीर आरोप लगाया. उनका दावा है कि पीड़िता के अलावा शैलेश पाटील ने कई अन्य लड़कियों के साथ भी इसी तरह की हरकत की है. इसी आधार पर उन्होंने कहा कि ऐसे बेटे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए. मां ने यह बात ऐसे समय कही है जब भिवंडी के कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिस शैलेश पाटील की तलाश कर रही है. हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस जांच जारी है. सुलोचना पाटील ने एक IPS अधिकारी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका दावा है कि एक IPS अधिकारी को बचाने के लिए शैलेश ने पहले किसी मामले की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली थी और इसके बाद उसे जेल जाना पड़ा था. सुलोचना पाटील का आरोप है कि जेल जाने के बाद उनका बेटा बदल गया. उन्होंने यह भी दावा किया कि बड़े अधिकारियों से कथित संरक्षण मिलने के कारण शैलेश का मनोबल बढ़ता गया. आरोपी की मां सुलोचना पाटील का कहना है कि उन्होंने अपने बेटे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी. उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया. उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इलाज कराने तक के लिए पैसे नहीं हैं. सुलोचना पाटील ने दावा किया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह अदालत में आत्मदाह जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगी. बता दें कि भिवंडी के पड़घा पुलिस थाने में बीजेपी के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील के खिलाफ कथित सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है. आरोपियों को पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमों के गठन की जानकारी सामने आई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. इस पूरे मामले में शैलेश पाटील की मां के आरोप भी चर्चा में हैं, क्योंकि वह अपने ही बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही हैं.

कुंडली दोष दूर करने के नाम पर नाबालिग से रेप, गर्भवती हुई तो खुला बाबा का राज, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप एक ढोंगी बाबा पर लगा है. पीड़िता के गर्भवती होने के बाद मामला सामने आया. परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को गिरफ्तार किया है. महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली का दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. आरोप है कि पूजा कराने के बहाने एक ढोंगी बाबा ने लड़की को डरा-धमकाकर उसका शारीरिक शोषण किया. घटना के बाद लड़की गर्भवती हो गई, तब उसने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती बताई. मामला लातूर शहर के ठाकरे चौक इलाके का है. पीड़िता के माता-पिता बेटी की कुंडली बनवाने के लिए आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज के पास गए थे. आरोप है कि बाबा ने कुंडली में दोष बताकर पूजा कराने की बात कही. इसके बाद वह पूजा के लिए लड़की के घर पहुंचा और जाप के बहाने माता-पिता को कमरे से बाहर भेज दिया आरोप है कि माता-पिता के बाहर जाते ही बाबा ने अकेली लड़की से कहा कि कुंडली का दोष दूर करने के लिए उसे उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे. इसके बाद उसने नाबालिग के साथ जबरदस्ती की और किसी को बताने पर कुंडली का दोष दूर नहीं होने की धमकी दी. कुछ दिनों बाद लड़की के गर्भवती होने पर उसने परिवार को घटना की जानकारी दी. लड़की के माता-पिता की शिकायत पर लातूर के विवेकानंद पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई. पुलिस ने BNS की धारा 64(2) POCSO की धारा 4, 6, 8 और 12 के साथ महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस ने आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया. मामले की गहराई से जांच के लिए अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेज दिया है. पुलिस अब पूरे घटनाक्रम और आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है. इस मामले की जांच विवेकानंद पुलिस कर रही है. पुलिस इंस्पेक्टर आर.एस. पवार और PSI ए. के. काले के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ाई जा रही है. पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्यों और आरोपों की पड़ताल कर रही है.

नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, 3 ष्ट कोच के शीशे टूटे, यात्रियों में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। मुंबई जा रही दुरंतो एक्सप्रेस पर वर्धा के पास शुक्रवार रात पथराव की घटना हुई. इस दौरान ट्रेन के एसी कोच के शीशे टूट गए, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया. नागपुर से मुंबई की ओर जानेवाली दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव की खबर सामने आई है. यह घटना शुक्रवार रात वर्धा के पास हुई. पत्थर किसने फेंके और क्यों, वारदात के कारणों की जांच जारी है. इस घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया और ट्रेन के एसी कोच के शीशे फूट गए. जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात आठ बजे ट्रेन संख्या 12290 दुरंतो एक्सप्रेस नागपुर से मुंबई जाने के लिए निकली थी. वर्धा के पास किसी ने ट्रेन पर पथराव कर दिया. सामने आया है कि इस पथराव 4 बोगी के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. यात्री जब खाना खा रहे थे उस दौरान अचानक पथराव हुआ. पथराव के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया. वर्धा स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया. रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके बाद ट्रेन मुंबई के लिए रवाना हुई. पुलिस जांच कर रही है कि पथराव किसने किया. पहले इस घटना में सिर्फ एक कोच का जिक्र था, लेकिन बाद में सामने आया कि पत्थरबाजी में एक नहीं बल्कि तीन कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है. रेलवे सुरक्षा बल ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. रेलवे के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की रात करीब 8 बजकर 27 मिनट पर हुई. ट्रेन बोरखेड़ी स्टेशन से गुजर चुकी थी, तभी बाहर से किसी वस्तु या पत्थर के टकराने से कोच की खिड़कियों के शीशों में दरार आ गई घटना की जानकारी रात करीब 8 बजकर 46 मिनट पर मिलने के बाद की टीम ने जांच शुरू की. सुरक्षाकर्मियों ने बोरखेड़ी-सिंधी सेक्शन में किलोमीटर संख्या 803 से 796 तक तलाशी अभियान चलाया. इसके अलावा बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांव के आसपास के इलाकों की भी जांच की गई. पुलिस पाटिल और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी संदिग्ध व्यक्ति या घटना से जुड़ा कोई ठोस सबूत नहीं मिला. ट्रेन में तैनात एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों से भी घटना के बारे में जानकारी ली गई. उन्होंने बताया कि रात करीब 8:27 बजे बाहर से कोई वस्तु या पत्थर ट्रेन की खिड़कियों से टकराया था. हालांकि अभी घटना की सटीक जगह का पता नहीं चल पाई है. इसे लेकर आगे की जांच जारी है. मामले में 26 सितंबर को रात 2 बजकर 55 मिनट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत क्राइम नंबर 325/2026 दर्ज किया गया है. RPF मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है.

मुनाफे का लालच पड़ा भारी
59 साल की महिला से 1 करोड़ की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे में साइबर ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां 59 साल की एक महिला को फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप के जरिए करोड़ों रुपये के मुनाफे का लालच दिया गया. साइबर जालसाजों ने पहले महिला से 1.1 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा करवाए और फिर ऐप पर उसके निवेश का मुनाफा बढ़ाकर 13.67 करोड़ रुपये दिखा दिया. जब महिला ने अपनी रकम निकालनी चाही तो ठगों ने नया जाल बिछा दिया. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि घोड़बंदर रोड की रहने वाली महिला को जालसाजों ने एक लिंक भेजा था. इस लिंक के जरिए उसे फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया गया. इसके बाद 4 अगस्त से 10 सितंबर के बीच महिला ने कई बैंक खातों में कुल 1.1 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए. ऐप पर लगातार मुनाफा बढ़ता हुआ दिखाया गया, जिससे उसे अपने निवेश पर भरोसा होता गया. ठगी का असली खेल तब सामने आया जब महिला ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की. ऐप पर उसके खाते में 13.67 करोड़ रुपये का मुनाफा दिख रहा था, लेकिन पैसे निकालने के लिए उससे अतिरिक्त भुगतान करने को कहा गया. इसी दौरान महिला को शक हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है. इसके बाद उसने ठाणे साइबर पुलिस से शिकायत की. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. साइबर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर राहुल सोनवणे ने बताया कि मामले की जांच जारी है. पुलिस उन बैंक खाताधारकों और फर्जी ट्रेडिंग ऐप को संचालित करने वाले लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिनके जरिए रकम ट्रांसफर कराई गई.

कश्मीरी गेट में कलेक्शन एजेंट की चाकू गोदकर हत्या, 15 लाख रुपये लेकर फरार हुए बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार शाम लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू गोदकर ई-रिक्शा सवार कलेक्शन एजेंट की हत्या कर दी थी। बदमाश करीब 15 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। जबकि दूसरे बैग में 20 से 25 लाख रुपये थे, जो बदमाश लूटने में कामयाब नहीं हो सके। वारदात के पीछे पुलिस को पहले से रेकी किए जाने का शक है। जांच में सामने आया है कि बदमाशों को ई-रिक्शा में बड़ी रकम होने की जानकारी थी। विरोध करने पर बदमाशों ने ई-रिक्शा के ड्राइवर और यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया था। जबकि रिक्शे में सवार प्रभात के भतीजे सचिन और एक अन्य यात्री आकाश घायल हो गए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी प्रभात और सचिन एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के लिए कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। दोनों गांधी नगर से चांदनी चौक के हैदर कुली जा रहे थे। उनके पास दो बैग थे, जिनमें करीब 30 से 40 लाख रुपये रखे थे। यमुना बाजार के पास बदमाशों ने ई-रिक्शा को रोक लिया और एक बैग लेकर भाग गए। घायल प्रभात, सचिन और आकाश को सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान प्रभात की मौत हो गई। सचिन को आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। आकाश को गुरुवार रात ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि कलेक्शन एजेंटों के पास इतनी बड़ी रकम होने की जानकारी बदमाशों को कैसे मिली। आशंका है कि किसी अंदरूनी शख्स ने तो जानकारी नहीं दी। खबर लिखे जाने तक इस वारदात के 24 घंटे बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर, रेड लाइट पर ऑटो और ई-रिक्शा को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. दिल्ली के सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी. हादसे में ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद कार चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा साउथ ईस्ट दिल्ली में सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास हुआ. ऑटो और ई-रिक्शा रेड लाइट पर मौजूद थे. इसी दौरान तेज रफ्तार से आई कार ने दोनों वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो और ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. हादसे में ऑटो में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. वहीं हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. बताया जा रहा है कि आरोपी चालक अपनी कार घटनास्थल पर ही छोड़ गया. पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. कार के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारियों के आधार पर चालक की पहचान और उसकी तलाश की जा रही है. पुलिस हादसे के घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच कर सकती है. फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

बीड, धराशिव समेत 75% महाराष्ट्र सूखा घोषित, देवेंद्र फडणवीस ने किसान मजदूरों के लिए किए कई ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई . महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर-1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज़्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।सके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा, जो पिछली योजनाओं में छूट गए थे। सीएम ने गांव में किसानों को संबोधित करते हुए लोगों को भरोसा दिलाया था कि सरकारी तंत्र ग्रामीण राहत कार्यों को प्राथमिकता देगा। मुख्यमंत्री ने कहा था कि आर्थिक मदद के अलावा, मवेशियों के लिए चारा बांटने और फसल के नुकसान का आकलन (पंचनामा) तेजी से करने के लिए आपातकालीन उपाय कर रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अभी इंतजार

यूटीआर ने कहा, प्रमुख मुद्दों पर काम जारी

नई दिल्ली।

मिलवॉकी, अमेरिका- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने स्पष्ट किया है कि भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौता तुरंत होने वाला नहीं है। जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात के बाद ग्रीर ने बताया कि दोनों देशों ने सभी प्रमुख अटके मुद्दों की पहचान कर ली है और अब उनके समाधान पर काम चल रहा है। यह बयान पिछले कुछ महीनों से मिल रहे उन संकेतों के विपरीत है, जिनमें समझौते के लगभग तैयार होने की बात कही जा रही थी। समझौते में मुख्य बाधाएं अमेरिका की तरफ से भारत को मिलने वाली टैरिफ राहत और रूस से भारत की ऊर्जा खरीद का मुद्दा हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद अमेरिका को कोई बेहतर टैरिफ प्रस्ताव देना होगा। वहीं अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पारित किया है, जो राष्ट्रपति को रूस से ऊर्जा खरीदने के लिए भारत पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही बातचीत संभव है। जी20 बैठक में खाद्य पदार्थों को हथियार बनाने, अत्यधिक उत्पादन क्षमता और जबरन मजदूरी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से केवल पहले पर ही सहमति बन पाई। यूएसटीआर भारत सहित कई अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ सेक्शन 301 के तहत जांच कर रहा है। पीयूष गोयल ने बैठक में कहा कि भारत की विनिर्माण क्षमता घरेलू मांग और आर्थिक विकास के हिसाब से है, और व्यापार से जुड़े कदम ठोस सबूतों के आधार पर उठाए जाने चाहिए, केवल अनुमानों पर नहीं।

अनूप बागची बने एचडीएफसी बैंक के नए प्रमुख

विश्लेषक जमा वृद्धि, कर्ज विस्तार और मार्जिन सुधार को मानते हैं प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के ऋणदाता एचडीएफसी बैंक में नेतृत्व उत्तराधिकार की स्थिति अब स्पष्ट हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईसीआईसीआई समूह के अनुभवी अधिकारी अनूप बागची को बैंक का नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी और सीईओ) नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। बागची 2 अक्टूबर से अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं और शशिधर जगदीशन का कार्यकाल समाप्त होने के ठीक बाद 27 अक्टूबर को एमडी और सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। यह नियुक्ति एचडीएफसी बैंक में चल रही नेतृत्व संबंधी अनिश्चितता को समाप्त करती है। हालांकि, अब विश्लेषकों और निवेशकों का ध्यान बैंक के रणनीतिक अमल पर केंद्रित हो गया है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि बागची के नेतृत्व में बैंक के लिए जमा राशि जुटाना, कर्ज में बढ़ोतरी और मार्जिन में सुधार मुख्य प्राथमिकताएं होंगी। इसे रणनीति पुनर्गठन का अवसर भी माना जा रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, निवेशकों का विश्वास और बैंक का पुनर्मूल्यांकन बागची के रणनीतिक कार्यक्रम और वरिष्ठ प्रबंधन, विशेषकर उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा की भूमिका में निरंतरता पर निर्भर करेगा। सिटी जैसे ब्रोकरेज इस नियुक्ति को सकारात्मक देखते हैं, पर उनका कहना है कि बैंक की वास्तविक री-रेटिंग इसके सफल कार्यान्वयन पर ही टिकी है। शुरुआती महीनों में नए सीईओ के रणनीतिक कार्यक्रमों पर बारीक नजर रखी जाएगी।

नया प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन वीवो एक्स फोल्ड 6 लॉन्च

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में वीवो ने अपना नया प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन वीवो एक्स फोल्ड 6 लॉन्च किया है। फोन में 8.02-इंच की मुख्य फोल्डेबल स्क्रीन और 6.51-इंच का कवर डिस्प्ले है, दोनों 1एचझेड से 120 एचझेड तक अडॉप्टिव रिफ्रेश रेट और 5000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस सपोर्ट करते हैं। इस फोन में 200एमपी का ट्रिपल कैमरा सेटअप, डाइमेंसिटी 9500 सुपर एडिशन चिप और 6900 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है। यह डिवाइस एंड्रॉइड 17 पर आधारित ओरिजिनओएस 7 फोल्ड पर चलता है। कैमरे की बात करें तो, इसमें 200एमपी का मुख्य कैमरा, 50एमपी झेसिस एपीओ पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा और 50एमपी अल्ट्रावाइड कैमरा शामिल है। वीवो का इमेजिंग चिप वी3प्लस कैमरा प्रोसेसिंग में मदद करता है और 4के 60एफपीएस डॉल्बी विजन वीडियो रिकॉर्डिंग का सपोर्ट भी मिलता है। परफॉरमेंस के लिए डाइमेंसिटी 9500 सुपर एडिशन चिपसेट के साथ 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 1 टीबी तक यूएफएस 4.1 स्टोरेज का विकल्प मिलता है। बड़ी फोल्डेबल स्क्रीन मल्टीटास्किंग के लिए ऑप्टिमाइज्ड है।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा बिकवाली का दबाव

विदेशी पूंजी की निकासी ने पूरे सप्ताह निवेशकों की धारणा को नकारात्मक बनाए रखा

मुंबई ।

बीते सप्ताह 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन कारोबार हुआ। सोमवार को सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रही। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी ने बाजार पर जबरदस्त दबाव बनाया। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 1,124.02 अंक गिरकर 72,771.72 पर बंद हुआ, जो छह महीने का निचला स्तर था। एनएसई निफ्टी भी 360.25 अंक टूटकर 22,780.25 पर आ गया, यह भी लगभग छह महीने का निचला स्तर था। लगातार बिकवाली और अस्थिरता मंगलवार को भी बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, जहां सेंसेक्स 242.65 अंक गिरकर 72,529.07 पर और निफ्टी 64.05 अंक फिसलकर 22,716.20 पर बंद हुआ। तेल की बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में आपूर्ति की बाधाओं से जुड़ी चिंताओं ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। सूचना प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सबसे अधिक बिकवाली देखी गई। बुधवार को बाजार में थोड़ी अस्थिरता दिखी और शुरुआती तेजी के बाद बिकवाली का दबाव फिर लौट आया। अंततः सेंसेक्स 48.78 अंक गिरकर 72,480.29 पर और निफ्टी 95.75 अंक की गिरावट के साथ 22,620.45 पर बंद हुए।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने सुधार की उम्मीदों को कमजोर किया। गुरुवार को भी बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। शुरुआती कारोबार से ही दबाव महसूस किया गया और दिन के अंत में बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक टूटकर 71,909.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 22,421.95 पर आ गया। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे कमजोर होकर 95.97 पर बंद हुआ। इस प्रकार, भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी ने पूरे सप्ताह निवेशकों की धारणा को नकारात्मक बनाए रखा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में भारी नुकसान दर्ज किया गया।

महानगरों में लग्जरी सीनियर लिविंग का बढ़ता बाजार

बढ़ती आय के बीच संपन्न बुजुर्गों की पसंद बना शहरी, सुविधा-संपन्न आशियाना

नई दिल्ली।

भारत के बड़े शहरों में सीनियर लिविंग का बाजार तेजी से बदल रहा है, जो अब रिटायरमेंट कम्युनिटी से निकलकर लग्जरी शहरी आवासीय क्षेत्र का रूप ले रहा है। दिल्ली-एनसीआर, पुणे और मुंबई जैसे महानगर इसके केंद्र बन रहे हैं, जहाँ डीएलएफ जैसे बड़े डेवलपरों की दिलचस्पी बढ़ रही है। संपन्न बुजुर्गों की बढ़ती आय, लंबी जीवन प्रत्याशा और शहरी जीवनशैली बनाए रखने की इच्छा इस बदलाव की मुख्य वजह है। डीएलएफ गुरुग्राम में करीब 2,000 करोड़ रुपये की अनुमानित बिक्री क्षमता वाला लग्जरी सीनियर लिविंग प्रोजेक्ट शुरू करने की तैयारी में है। डीएलएफ होम्स के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि 60 की उम्र अब सक्रिय जीवन से रिटायर होने के रूप में नहीं देखी जाती। यह क्षेत्र अब पारंपरिक रिटायरमेंट होम से हटकर शहरों में स्थान, बड़े घर, स्वास्थ्य सेवाएं, वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी पर जोर दे रहा है। जेएलएल और एएसएलआई की रिपोर्ट के अनुसार संगठित सीनियर लिविंग की कुल आपूर्ति 25,050 इकाइयों की है, जिसमें 14.2 फीसदी सालाना वृद्धि हो रही है। मूडीज रेटिंग्स का अनुमान है कि भारत 2065 तक अति वृद्ध समाज बन सकता है, जिससे सीनियर लिविंग की मांग बढ़ेगी। अभी केवल 1.5 फीसदी की पहुंच के साथ, यह 10.1 अरब डॉलर के बड़े बाजार अवसर को दर्शाता है। इकाइयां 75 लाख रुपये से 5 करोड़ रुपये से अधिक तक की होती हैं, जिनमें बिना सीढ़ियों वाले रास्ते और 24 घंटे एंबुलेंस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, अभी 60 फीसदी आपूर्ति दक्षिणी राज्यों में है, दिल्ली-एनसीआर (गुरुग्राम, नोएडा) अब दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्रीय क्लस्टर बन रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 747.56 अरब डॉलर हुआ

पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 765.90 अरब डॉलर रहा था

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 18.34 अरब डॉलर घटकर 747.56 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.88 अरब डॉलर घटकर 765.90 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में 785.71 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। यह उछाल प्रवासी भारतीयों से जमा के लिए एक विशेष रियायती अला-बदली सुविधा के तहत मुद्रा के भारी प्रवाह के कारण आया था। इसके जरिए बैंकों ने 130 अरब डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड राशि जुटाई थी। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 25 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 15.57 अरब डॉलर घटकर 615.41 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.59 अरब डॉलर घटकर 108.70 अरब डॉलर रहा। शीर्ष बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार 9.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.64 अरब डॉलर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत की आरक्षित स्थिति 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.80 अरब डॉलर रही।

एफपीआई ने सितंबर में शेयर बाजार से निकाले 35,860 करोड़

अक्टूबर में भी जारी रही बिकवाली, कच्चा तेल और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का मोहभंग जारी है। लगातार दो महीने की खरीदारी के बाद सितंबर में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 35,860 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की। अक्टूबर की शुरुआत में भी यह बिकवाली जारी रही, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। यह पूंजी निकासी मुख्य रूप से वैश्विक कारकों जैसे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिकी बॉन्ड पर उच्च प्रतिफल के कारण हो रही है। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, 1 अक्टूबर को भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 9,232 करोड़ रुपये और निकाले। इससे पहले, एफपीआई ने जुलाई में 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,630 करोड़ रुपये का निवेश किया था। ताजा बिकवाली के साथ, एफपीआई इस साल अब तक भारतीय शेयरों से करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पूरे पिछले साल की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से काफी अधिक है। बाजार के जानकारों ने बताया कि यह वैश्विक पूंजी आवंटन का मामला है, न कि घरेलू कंपनियों की कमाई का। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, रुपए की विनिमय दर में गिरावट, अमेरिकी बॉन्ड पर पांच प्रतिशत के करीब उच्च प्रतिफल और लाभवसूली जैसे

बाहरी कारक इस बिकवाली के प्रमुख कारण हैं। हालांकि, घरेलू एसआईपी के जरिए लगातार आ रहा निवेश विदेशी बिकवाली के असर को कम करने में मदद कर रहा है।

लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमई) और छोटे शेयरों वाले खंड एफपीआई बिकवाली से कम प्रभावित हुए हैं। विश्लेषकों के अनुसार, ईरान-अमेरिका संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों पर उसका असर आगे एफपीआई निवेश की दिशा तय करेगा, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन और कंपनियों की कमाई में वृद्धि की उम्मीदें सकारात्मक बनी हुई हैं।

सूचीबद्ध कंपनियों में गड़बड़ी की पहचान करने दूसरी निगरानी प्रणाली लाएगा सेबी

छोटे आइपीओ पर भी रहेगी अकड़ी नज़र, नियामक का लक्ष्य खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा करना

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी सूचीबद्ध कंपनियों में गड़बड़ी करने वाले तत्वों की पहचान कर उन्हें बाजार से हटाने के लिए एक दूसरी निगरानी प्रणाली विकसित कर रहा है। सेबी के एक अ धिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस कवायद का मकसद पूंजी बाजार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है। उन्होंने बताया कि इस नई प्रणाली का उद्देश्य सूचीबद्ध कंपनियों के बीच समस्याग्रस्त इकाइयों को पहचानना है। उन्होंने कहा कि सेबी के पास पहले से एक निगरानी प्रणाली मौजूद है, जो ताजा आंकड़ों के आधार पर बाजार में हेरफेर करने वालों को सफलतापूर्वक पकड़ती है। दूसरी निगरानी प्रणाली का खाका लगभग पूरा हो चुका है, जो सीधे सूचीबद्ध कंपनियों के भीतर गड़बड़ी करने वालों की पहचान करेगी ताकि उन्हें पूंजी बाजार से बाहर किया जा सके। इसके अतिरिक्त नियामक ऐसे छोटे आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) की पहचान करने पर भी काम कर रहा है, जो पूंजी बाजार के लिए सही नहीं हो सकते और जिनके कारण खुदरा निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

नौकरी बाजार में अनुभव और एआई कौशल की मांग बढ़ी

कंपनियां अब विशिष्ट कौशल और अनुभवी पेशेवरों को दे रही प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बाजार का रुख अब बदल गया है। कंपनियां अब सिर्फ संख्या बढ़ाने के बजाय खास कौशल और अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही हैं। सितंबर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व मशीन लर्निंग (एमएल) से जुड़ी नौकरियों में 20 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल व्हाइट-कॉलर नौकरियों में मामूली बदलाव आया। नौकरी डॉट कॉम की जॉब स्पीक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में कुल भर्ती सूचकांक 2 फीसदी बढ़कर 3,053 हुआ, जो बाजार में सतर्कता दर्शाता है। विशेषकर एआई/एमएल क्षेत्र में अनुभव का महत्व बढ़ा है; 13-16 साल के अनुभवी पेशेवरों की मांग में 54 फीसदी और 8-12 साल वालों की मांग में 28 फीसदी की वृद्धि हुई है। कंपनियां अब एआइ-आधारित नए कामों में पुराने कर्मचारियों के अनुभव का लाभ उठा रही हैं। हालांकि, फ्रेशर्स की भर्ती में 19 फीसदी का इजाफा देखा गया, पर 4-7 साल के अनुभव वालों की भर्ती 2 फीसदी घट गई।

मोंटाना गवर्नर का भारत-श्रीलंका दौरा,व्यापार और शिक्षा के नए अवसर तलाशेगा अमेरिका

30 से अधिक सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल कृषि, शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मजबूत करेगा संबंध

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राज्य मोंटाना के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्टे सोमवार से भारत और श्रीलंका के एक महत्वपूर्ण दौरे पर होंगे, जिसका लक्ष्य मोंटाना के लिए नए व्यापारिक और शैक्षणिक अवसरों की तलाश करना और मौजूदा संबंधों को मजबूत करना है। यह यात्रा मोंटाना के विश्वस्तरीय उत्पादों को प्रदर्शित करने और अमेरिकी व्यवसायों व विश्वविद्यालयों के लिए नए द्वार खोलने पर केंद्रित होगी। गवर्नर जियानफोर्टे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि वह 30 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान, वे मोंटाना के विश्वस्तरीय उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे, पुराने संबंधों को मजबूत करेंगे और मोंटाना के व्यवसायों, विश्वविद्यालयों तथा उत्पादकों के लिए नए रास्ते खोलेंगे। गवर्नर कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार जियानफोर्टे प्रमुख मंत्रियों के साथ-साथ व्यापार, कृषि, जैव विज्ञान, क्वांटम, ऊर्जा और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के भागीदारों से मुलाकात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसने पिछले साल 6.5 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज की थी और 2030 की शुरुआत तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। यह यात्रा विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में नए आयाम खोल सकती है,

क्योंकि मोंटाना अमेरिका में छोले (काबुली चना) और मसूर का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है, जबकि भारत दलहन फसलों का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता और आयातक है।

क्रेडाई ने की किफायती मकान बनाने सरकारी प्रोत्साहन की मांग

कोलकाता ।

रियल एस्टेट कंपनियों के शीर्ष निकाय क्रेडाई ने कहा है कि निर्माण लागत और करों की ऊंची दरें बिल्डरों को पर्याप्त किफायती मकान बनाने में असमर्थ बना रही हैं। संगठन ने सरकार से सस्ते फ्लैटों की मांग और आपूर्ति को गति देने के लिए प्रोत्साहन देने तथा किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव करने की मांग की है। क्रेडाई के एक अ धिकारी ने बताया कि जमीन की ऊंची कीमतें, निर्माण लागत में वृद्धि और बिक्री मूल्य पर लगने वाले 30 से 50 प्रतिशत तक के कर किफायती आवास की आपूर्ति बढ़ाने में मुख्य बाधाएं हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उद्योग पर्याप्त संख्या में सस्ते मकान उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं है।

उन्होंने सरकार से किफायती आवास की वर्तमान परिभाषा, जिसमें 45 लाख रुपये की अधिकतम मूल्य सीमा है, को बदलने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि किफायती मकानों के लिए केवल क्षेत्रफल की सीमा होनी चाहिए- महानगरों में 60 वर्ग मीटर और गैर-महानगरों में 90 वर्ग मीटर।

आरबीआई की बैंकों को दो टूक, ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों पर तत्काल करें सुधार

वित्त वर्ष 2025 में आरबीआई लोकपाल के पास शिकायतों में 13.5 फीसदी की वृद्धि हुई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों में ग्राहकों की तेजी से बढ़ती शिकायतों और उनके निवारण तंत्र में व्याप्त कमियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

केंद्रीय बैंक ने सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और परिचालन संबंधी खामियों की तुरंत पहचान करें और उन्हें दूर कर शिकायत निपटारे को प्रभावी बनाएं।

इस बीच वित्त वर्ष 2025 में आरबीआई के लोकपाल के पास दर्ज शिकायतों में 13.5 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई है। केंद्रीय बैंक की एक बड़ी चिंता यह भी है कि कई शिकायतें बैंकों के अपने इंटरनल ओम्बड्समैन तक पहुंचे बिना सीधे उसके पास पहुंच रही हैं।

जुलाई में डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि यह इंटरनल ओम्बड्समैन व्यवस्था के मूल

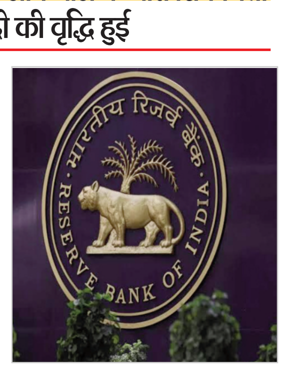

उद्देश्य पर सवाल खड़े करता है। आरबीआई ने बैंकों को उन बुनियादी, प्रक्रियागत और परिचालन संबंधी कमियों की पहचान करने का निर्देश दिया है, जिनसे ग्राहकों की शिकायतें पैदा होती हैं।

बैंकों से बार-बार सामने आने वाली शिकायतों के मूल कारणों का विश्लेषण कर स्थायी उपाय लागू करने को कहा गया है, ताकि एक ही तरह की समस्याएं दोबारा न हों। बेहतर शिकायत निपटारे के लिए इंडस्ट्री-लेवल ट्रेनिंग और प्रत्येक बैंक बोर्ड को आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप अपनी रणनीति बनाने का भी सुझाव दिया गया है।

लार्जकैप फंडों से निराशा, स्मॉल-मिडकैप ने दिया दोगुना रिटर्न

एफपीआई बिकवाली, ऊंचे मूल्यांकन से लार्जकैप दबाव में

नई दिल्ली ।

पिछले पांच सालों में लार्जकैप म्युचुअल फंडों का औसत सालाना रिटर्न मात्र 7.1 फीसदी रहा है, जो बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट के करीब है। वहीं, इसी अवधि में स्मॉलकैप फंडों ने 14.6 फीसदी और मिडकैप फंडों ने 13.3 फीसदी का शानदार रिटर्न देकर निवेशकों को दोगुना से भी ज्यादा फायदा पहुंचाया है। लार्जकैप फंडों के इस निराशाजनक प्रदर्शन की मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली रही है। ऊंचे मूल्यांकन, कमजोर आय वृद्धि और दूसरे बाजारों में बेहतर अवसरों ने उन्हें भारतीय लार्जकैप शेयरों से दूर किया। हालिया गिरावट ने बाजार में 25 साल की सबसे लंबी बिकवाली का दौर दिखाया, जिस पर अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और रुपये की कमजोरी ने भी असर डाला। इसके परिणामस्वरूप सक्रिय इक्विटी म्युचुअल फंडों में आने वाला ज्यादातर पैसा अब मिडकैप और स्मॉलकैप फंडों में जा रहा है। अगस्त में स्मॉलकैप फंडों में लगभग 8,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश आया, जबकि जुलाई और अगस्त में लार्जकैप फंडों से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई। विशेषज्ञ मानते हैं कि खुदरा निवेशक त्वरित रिटर्न की चाहत में स्मॉल-मिडकैप की ओर मुड़ रहे हैं, जबकि एफपीआई की लार्जकैप शेयरों के प्रति बेरुखी भारत की व्यापक आर्थिक जोखिमों से जुड़ी है। ब्रोकरेज फर्मों को उम्मीद है कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं समाप्त होने पर लार्जकैप शेयरों में वापसी होगी, अन्यथा छोटे और मझोले फंडों के प्रति मौजूदा उत्साह भी निराशा में बदल सकता है।

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

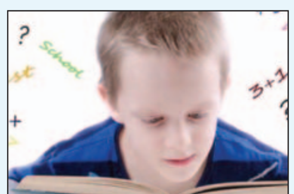

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

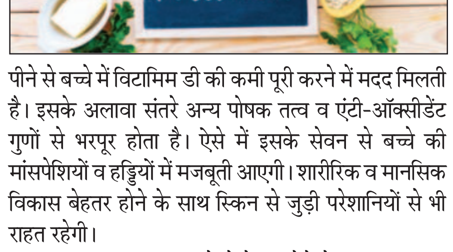

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रचा इतिहास, लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भी सीधे क्वालीफाई कर लिया। एशियन गेम्स के इतिहास में यह पहली बार है, जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो बार स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। उनके अलावा जुगराज सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह और शिलानंद लकड़ा ने एक-एक गोल किया। मलेशिया की ओर से एकमात्र गोल शेलो सिल्वरियस ने 14वें मिनट में किया।

मुकाबले की शुरुआत दोनों टीमों के बीच कड़े संघर्ष के साथ हुई। 11वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, तीन मिनट बाद मलेशिया ने जवाबी हमला करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 23वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल दागा और भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक भारतीय टीम इसी बढ़त के साथ रही। तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 42वें मिनट में उपकप्तान हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में शिलानंद लकड़ा ने 54वें मिनट में मैदानी गोल किया। मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले 57वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल करते हुए भारत की जीत 5-1 से तय कर दी।

इस जीत के साथ भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी का अपना पांचवां स्वर्ण पदक हासिल किया। पाकिस्तान ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय हॉकी के लिए यह एशियन गेम्स विशेष रूप से यादगार रहा, क्योंकि महिला टीम ने भी शुक्रवार को चीन को 1-0 से हराकर 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ लॉस एंजेलिस ओलंपिक का टिकट भी हासिल कर लिया।

संघर्ष से शिखर तक: अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में दिलाया स्वर्ण

मुम्बई (एजेंसी)। हांगझोउ में चल रहे एशियाई खेलों के पंद्रहवें दिन भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने देश के लिए 20वां स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 57 किलोग्राम वर्ग के कड़े मुकाबले में अमन ने उत्तर कोरिया के विश्व चैंपियन चोंग सोंग हान को 11-7 से हराकर पोडियम के शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। यह अमन का इन खेलों में शानदार प्रदर्शन था, जहाँ उन्होंने अपनी पिछली ब्रॉन्ज मेडल की उपलब्धि को स्वर्ण में बदल दिया। 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने निर्णायक मुकाबले में बेहतरीन रणनीति का प्रदर्शन किया। एक समय प्रतिद्वंद्वी ने 7-6 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अमन ने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच को अपने पक्ष में कर लिया और स्वर्ण पदक भारत के नाम किया। इससे पहले, सेमीफाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान के ऐयाल बेलोलियुब्स्की को 14-8 से हराकर स्वर्ण पदक की उम्मीद जगाई थी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बने अमन फाइनल में लगातार नियंत्रण में रहे।

अमन सहरावत का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। हरियाणा के झज्जर जिले के बिरोहड़ गांव के रहने वाले अमन जब मात्र 11 साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया और कुछ ही महीनों बाद उनके पिता का भी साया सिर से उठ गया। इन विपरीत परिस्थितियों में उनकी बहन और चाचा ने उनका सहारा बने। चाचा ने उन्हें छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती का प्रशिक्षण दिलाया, जहाँ अमन ने पूरी लगन और मेहनत से अभ्यास किया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में 57 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिससे वह ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के सबसे युवा एथलीट बन गए।

एशियन गेम्स 2026 : प्रणवी उर्स ने गोल्फ में दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड, महिला टीम ने जीता सिल्वर

कासुगाई (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने कासुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में इतिहास रच दिया है। प्रणवी व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। चार दिनों तक चले इवेंट में उन्होंने 15-अंडर 265 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अपने अंतिम दिन प्रणवी ने ईवन पार 70 का स्कोर किया और देश को गौरव दिलाया।

प्रणवी की शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने भी चार दिनों में 14-अंडर 546 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह एशियन गेम्स के इतिहास में महिला टीम स्पर्धा में भारत का पहला गोल्फ मेडल है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जहां प्रणवी ने शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। अदिति अशोक ने अंतिम दिन 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया और कुल 2-ओवर 282 के साथ 14वें स्थान पर रहीं। दीक्षा डागर चौथे दिन 7-ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं, उनका कुल स्कोर 12-ओवर रहा।

प्रणवी आखिरी दिन दूसरे स्थान पर चल रही सिंगापुर की शैनन टैन से तीन स्ट्रोक की बढ़त के साथ उतरी थीं। तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के साथ उनकी शुरुआत थोड़ी लड़खड़ाई, जिससे वे कुछ समय के लिए दूसरे स्थान पर खिसक गईं। हालांकि, प्रणवी ने असाधारण वापसी करते हुए छठे, 10वें और 13वें होल पर तीन बर्डी लगाकर फिर से बढ़त बना ली। उन्होंने 18वें होल पर ईवन पार स्कोर करके अपना गोल्ड मेडल पक्का किया। चीन की यिन रुओनिंग और सिंगापुर की शैनन टैन ने 14-अंडर पार पर रहने के कारण संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल जीता।

एशियन गेम्स 2026: भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर जीता स्वर्ण, खिताब बरकरार

निशिन (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स में क्रिकेट का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना खिताब बरकरार रखा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगा लहराकर मैदान का चक्कर लगाया और स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया। भारत को शुरुआत में ही अभिषेक शर्मा और युवा वैभव सूर्यवंशी ने तेज रन बनाने में मदद की। अभिषेक ने 28 गेंदों में 61 रन की आक्रामक पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और सात छक्के लगाए तथा महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वैभव ने भी नौ गेंदों में 15 रन बनाए और दो छक्के जड़े। हालांकि वह सईम अयूब की गेंद पर आउट हो गए। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों की आक्रामक बल्लेबाजी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया।

अभिषेक के आउट होने के बाद भारतीय पारी को मध्यक्रम में तिलक वर्मा ने संभाला। तिलक ने केवल 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और चार छक्के शामिल रहे। उन्होंने 21 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। शिवम दुबे ने भी 15 गेंदों पर 27 रन की उपयोगी पारी खेली। दूसरी ओर ईशान किशन 18 गेंदों पर 20 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इन पारियों की बदौलत भारत ने 211 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने भी तेज शुरुआत करने की कोशिश की। हसन नवाज ने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए 51 गेंदों में 96 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चार रन दूर रह गए। साद मसूद ने पांच गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। भारत की ओर से शिवम दुबे ने तीन ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए। पारी की आखिरी गेंद पर दुबे ने हसन नवाज को संजू सैमसन के हाथों कैच कराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियन गेम्स क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहली पुरुष फाइनल भिड़ंत थी। भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में क्रिकेट में पहली बार हिस्सा लेते हुए स्वर्ण पदक जीता था। अब 2026 में पाकिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपना खिताब बरकरार रखा और एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार क्रिकेट का स्वर्ण अपने नाम किया।

पाकिस्तान फिर नहीं सुधरा, सैम अयूब की हरकत ने खोली पोल

निशियो । यह पुरानी कहावत है कि कुत्ते की दुम को चाहे कितने सालों तक मिट्टी में दबाकर रखो, निकालेंगे तो टेढ़ी की टेढ़ी ही निकलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का हाल भी कुछ ऐसा ही है। लगातार हार और विश्व क्रिकेट में ट्रॉफी चोर का टैग झेल रही पाकिस्तानी टीम ने एक बार फिर अपनी घटिया हरकत से खुद को शर्मसार किया। हाल ही में एक टी-20 फाइनल मुकाबले में, लगातार 6 मैच हारने के बाद भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों को उकसाने की कोशिश की, जिसका खामियाजा उन्हें मैदान पर भुगतना पड़ा। यह घटना तब घटी जब पाकिस्तान के युवा खिलाड़ी सैम अयूब ने भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद बच्चा गोद में लेने वाला भद्दा सेलिब्रेशन किया। वैभव, जो इस समय पूरी दुनिया में, यहां तक कि पाकिस्तान में भी हजारों प्रशंसकों के चहेते हैं, उन्होंने इस उकसावे पर संयम बनाए रखा और पलटकर जवाब नहीं दिया। हालांकि, उनके साथी ओपनर अभिषेक ने इस हरकत का करारा जवाब दिया। सैम अयूब के उसी ओवर में अभिषेक ने एक छक्का और दो चौके जड़कर तीन ओवर में ही भारतीय स्कोर को 43 रन तक पहुंचा दिया और पाकिस्तान की नींव हिला दी। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने मैदान पर ऐसी अशोभनीय हरकत की हो। इससे पहले एशियन गेम्स और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट्स में भी पाकिस्तान के खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाजों को चिढ़ा चुके हैं। एशिया कप में अबरार अहमद ने एक भारतीय बल्लेबाज को आउट करने के बाद गंदा सा इशारा करके जश्न मनाया था, जिसके बाद पूरे टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने उनको ढूंढ-ढूंढ कर मारा था।

एशियन गेम्स 2026 : ईशान किशन ने रचा इतिहास, एक कैलेंडर वर्ष में हजार टी20 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

निशियो। एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दौरान भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। ईशान इस मुकाबले में 18 गेंदों पर 20 रन ही बना सके, लेकिन उनकी यह पारी ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ दर्ज हो गई। ईशान ने 2026 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान किशन ने इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,005 रन बनाए हैं। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2022 में यह मुकाम हासिल किया था। सूर्यकुमार ने उस कैलेंडर वर्ष में 187 के स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के करणबीर सिंह के नाम बताया गया है।

उन्होंने 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,472 रन बनाए थे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। मैच की बात करें तो एशियन गेम्स के फाइनल में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 28 गेंदों में तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय पारी को तेज शुरुआत देने के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार की। तिलक वर्मा ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए। शिवम दुबे ने 15 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। हालांकि वैभव सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल सके और नौ गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। संजू सैमसन का बल्ला भी नहीं चला और वह केवल दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों का सामना किया, लेकिन 21 रन ही बना सके।

एशियाई खेल 2026: नीरज चौहान ने धीरज बोम्मदेवरा को हरा जीता कांस्य पदक

नागोया (एजेंसी)। जापान के नागोया में चल रहे एशियाई खेल 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पज स्क्वायर में हुए इस रोमांचक ऑल-इंडियन ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने अपने हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को 6-4 से शिकस्त दी। यह मुकाबला पांच सेट तक चला, जिसमें नीरज 2-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। कांस्य पदक मुकाबले में पहुंचने से पहले, नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 7-1 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि धीरज को दक्षिण कोरिया के ली वू-सेओक ने 3-7 से हराया था। इसके बाद दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच यह मुकाबला निर्धारित हुआ। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले की शुरुआत नीरज ने दमदार तरीके से की, उन्होंने पहला सेट 29-26 से अपने नाम करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, धीरज ने दूसरे और तीसरे सेट में वापसी करते हुए क्रमशः 28-27 और 29-28 के स्कोर से जीत हासिल की और मुकाबले में 4-2 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। अब धीरज को सिर्फ एक और सेट जीतने की जरूरत थी, जबकि नीरज के सामने मुकाबला बचाने की बड़ी चुनौती थी।

नीरज ने चौथे सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने तीनों तीरों पर परफेक्ट 10 का स्कोर किया और कुल 30 अंक हासिल कर धीरज को 30-27 से हराया, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया और मैच निर्णायक पांचवें सेट में पहुंच गया। निर्णायक सेट में भी नीरज ने दबाव के बीच अपनी एकाग्रता बनाए रखी। धीरज ने 28 अंक बनाए, लेकिन नीरज ने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर कर कुल 29 अंक हासिल किए और पांचवां सेट जीतकर मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नीरज और धीरज ने इससे पहले एशियाई खेल 2026 में टीम और मिश्रित स्पर्धाओं में भी पदक जीते थे। धीरज ने कुमकुम महोद के साथ मिश्रित रिकर्व स्पर्धा में रजत पदक जीता था, और पुरुष टीम स्पर्धा में नीरज चौहान तथा यशदीप भोगे के साथ मिलकर रजत पदक हासिल किया था। भारतीय तीरंदाजों ने इन खेलों में कुल मिलाकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

रोनाल्डो बोले, प्रशिक्षण शिविर छोड़ने के कारणों का खुलासा समय आने पर करेंगे

कोपेनहेगन (ईएमएस)। पुर्तगाल फुटबॉल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी कारण टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोच जॉर्ज जीसस के साथ मतभेदों के कारण टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ दिया। सबसे अधिक हैरानी की बात ये रही कि रोनाल्डों ने ये कदम डेनमार्क के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से ठीक पहले उठाया जिससे भी कई सवाल उठ रहे है। इससे कोच जॉर्ज के साथ उनके मतभेदों की बात भी खुलकर सामने आ गयी है। वहीं इस स्टार खिलाड़ी के प्रशंसकों का कहना है कि वह शिविर छोड़ने की असली वजह सही समय आने पर बताएंगे। रोनाल्डों ने सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि उन्होंने शिविर छोड़ने से पहले पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष पेड्रो प्रोएन्सा से बातचीत की थी।

यह विवाद तब पहली बार सामने आया जब रोनाल्डो अंतिम अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए। इसके बाद वह पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ की गाड़ी में बैठ गये। जब टीम अपने होटल पहुंची, तो रोनाल्डो और कोच दोनों ही टीम के साथ मौजूद नहीं थे, जिससे इस पूरे मामले को लेकर रहस्य और बढ़ गया। वहीं कोच ने रोनाल्डो के अभ्यास में शामिल नहीं होने की बातों को नकार दिया। उन्होंने कहा था कि रोनाल्डो के ट्रेनिंग से दूर रहने की कोई खास वजह नहीं थी और मैच से कुछ दिनों बाद खिलाड़ी का अलग अभ्यास करना सामान्य बात है। कोच ने यह भी दावा किया था कि रोनाल्डो उसी दिन टीम के साथ अभ्यास करेंगे और उनसे बातचीत में रोनाल्डो ने साफ किया था कि वह टीम के फैसले के अनुसार खेलने या बाहर बैठने के लिए तैयार हैं। कोच ने उस दौरान किसी भी तरह के विवाद या घटना होने से इनकार किया था।

परवीन हुड्डा : बैन से वापसी कर जीता गोल्ड, मुश्किल अनुभवों ने बनाया मजबूत

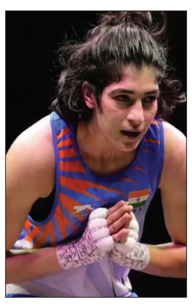

निशियो । भारतीय बॉक्सर परवीन हुड्डा ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में चीनी ताइपे की निएन-चिन चे को हराकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह भारत के लिए मौजूदा खेलों में महिला बॉक्सिंग का दूसरा स्वर्ण पदक है। परवीन का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है, जिसमें उन्हें करीब दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा और उसके बाद की कठिन वापसी के दौरान मानसिक रूप से मजबूत बने रहना उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई। 2023 में वेयरअबाउट्स क्लॉज के उल्लंघन के कारण परवीन को 22 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था, जिसके चलते उन्हें एशियन गेम्स 2022 का अपना कांस्य पदक भी गंवाना पड़ा। सस्पेंशन खत्म होने के बाद उन्होंने प्रतियोगिताओं में वापसी की, लेकिन संघर्ष जारी रहा। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वह क्वार्टर फाइनल में हारकर पदक की दौड़ से बाहर हो गई थीं। हालांकि, अपनी पिछली असफलताओं और मुश्किलों को अपने करियर पर हावी होने देने के बजाय, परवीन ने जीरो से शुरुआत करने का फैसला किया।

विराट कोहली को 7 साल बाद मिला गोल्डन डक, ईशांत-कुंबले को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को वेस्टइंडीज के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में एक निराशाजनक अनुभव हुआ। वे अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जिसे क्रिकेट की भाषा में गोल्डन डक कहा जाता है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर कोहली को इनस्विंगिंग यॉर्कर से बोल्ड कर दिया। यह घटना तब हुई जब सील्स ने पिछली गेंद पर कप्तान शुभमन गिल को भी विकेट के पीछे लपकवाया था, जिससे भारतीय टीम मुश्किल में आ गई।

करीब सात साल बाद वनडे क्रिकेट में यह पहला मौका था जब कोहली गोल्डन डक का शिकार हुए हैं। वर्तमान में, विराट कोहली सिर्फ वनडे प्रारूप में भारतीय टीम के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि वे टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। यह भी एक दिलचस्प संयोग है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछले चार मौकों पर जब भी विराट कोहली शून्य पर आउट हुए हैं, वह अक्टूबर का महीना रहा है। न्यू चंडीगढ़ की घटना से पहले वे अक्टूबर 2025 में दो बार और अक्टूबर 2024 में एक बार खाता खोले बिना आउट हुए थे। उनके वनडे करियर की यह चौथी गोल्डन डक थी, और हैरत की बात यह है कि इन चार में से तीन बार उन्हें वेस्टइंडीज के विरुद्ध ही गोल्डन डक का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वे 2019 में विशाखापट्टनम में कीरोन पोलार्ड के खिलाफ, 2013 में धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ और 2011 में नॉर्थसाउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ गोल्डन डक हुए थे।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद, कोहली ने अपने नाम एक और आंकड़ा दर्ज किया है, हालांकि यह कुछ ऐसा नहीं जिसे वे याद रखना चाहेंगे। वे अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कुल 565 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वे 41 बार डक का शिकार हुए हैं, जिससे उन्होंने तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा (199 मैचों में 40 डक) को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान 303 मैचों में 43 डक के साथ शीर्ष पर हैं। वनडे क्रिकेट में भी, कोहली अब 317 मैचों में 19वीं बार शून्य पर आउट होकर पूर्व पेसर जवागल श्रीनाथ (229 मैचों में 19 डक) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज अनिल कुंबले (269 वनडे में 18 डक) और युवराज सिंह (301 वनडे में 18 डक) को पीछे छोड़ दिया है, जबकि महान सचिन तेंदुलकर 463 वनडे में 20 डक के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं।

इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम पर बरसे पैसे

हांगझोऊ। चीन में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 साल बाद स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया है। इस ऐतिहासिक जीत में टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन चीन को 1-0 से मात दी। यह जीत सिर्फ स्वर्ण पदक तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने टीम के लिए लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट भी पक्का कर दिया है, जिससे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। हॉकी इंडिया ने इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 11-11 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 5.5-5.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। टीम की फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने मैच के 10वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर भारत को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। इसके बाद, चीनी टीम ने बराबरी करने के कई प्रयास किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति और विशेषकर गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार फॉर्म ने उन्हें सफल नहीं होने दिया।

हॉरर थ्रिलर प्रोजेक्ट से जुड़े अजय देवगन

अजय देवगन की अपकमिंग हॉरर थ्रिलर फिल्म का आधिकारिक टाइटल सामने आया है। इस फिल्म के निर्देशक रोहित जुगराज हैं। पहले इस प्रोजेक्ट को 'गृह प्रवेश' के नाम से जाना जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म का नाम 'सूर्य प्रकाश' रखा गया है।

किससे प्रेरित है कहानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सुपरनैचुरल थ्रिलर एक रहस्यमयी और नैतिक रूप से जटिल दुनिया को दिखाएगी, जिसमें देवगन एक ऐसा किरदार निभाएंगे जो उनकी हालिया फिल्मों के किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। कहा जाता है कि इसकी कहानी गरुड़ पुराण से प्रेरित है, जो एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। यह ग्रंथ पारंपरिक रूप से भगवान विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच बातचीत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

'सूर्य प्रकाश' टाइटल इस कहानी में रहस्य और रोमांच की एक और परत जोड़ता है, जिसमें हॉरर, मिस्ट्री और सस्पेंस का मिश्रण होने की उम्मीद है। फिल्म का प्रोडक्शन दो सितंबर को शुरू हुआ और इसके नवंबर तक चलने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, मेकर्स इसे 2027 की दूसरी छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इस फिल्म को पैनोरमा स्टूडियोज के कुमार मंगत और अभिषेक पाठक, देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर से नाता

'सुर्य प्रकाश' के निर्देशक रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर से पुराना नाता रहा है। उन्होंने 2003 में अजय देवगन की फिल्म 'भूत' में राम गोपाल वर्मा के असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद जुगराज ने 'सरदारजी' फिल्में डायरेक्ट कीं और 'ये काली काली आंखें' और 'चमक' जैसे स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया। 'सूर्या प्रकाश' पर देवगन के साथ उनका काम सुपरनैचुरल जॉनर में एक और कोशिश है, जो इस बार एक मिस्ट्री-बेस्ड कहानी के जरिए सामने आएगी।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

अजय देवगन जल्द ही रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म 'गोलमाल' सीरीज की पांचवीं फिल्म है। खास बात यह है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार भी जुड़े हैं। बताया जाता है कि वह इस फिल्म में विलेन का किरदार करेंगे। अजय देवगन 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' की तैयारी कर रहे हैं, जो इस पॉपुलर थ्रिलर फ्रैंचाइजी का अगला चैप्टर है।

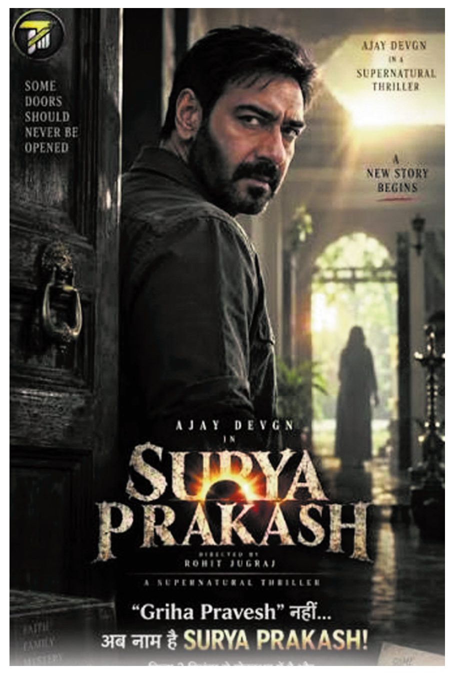

अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने काफी मदद की

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने बातचीत की। दिव्या दत्ता ने कहा, ''सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग ठीक से बोल रही हूं और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय मेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, 'सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही हो।' इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं। वे यह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूं, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है।''

दिव्या ने आगे कहा, ''वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हैरान भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि 'नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है', तो आपका अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए।'' इस बीच, 'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलते मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुरानी अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहते हैं। जब एक अमीर डेवलपर वहां के निवासियों को इमारत बेचने के बदले बड़ी रकम की पेशकश करता है, ताकि उसकी जगह एक लग्जरी टावर बनाया जा सके, तो ज्यादातर लोग पैसे के लालच में इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो जाते हैं। हालांकि, मनोज बाजपेयी का किरदार वहां से जाने से इनकार कर देता है और इस तरह वह पुनर्विकास योजना के रास्ते में अकेली बड़ी बाधा बन जाता है।

सहायक निर्देशक से हीरोइन बनीं शरवरी वाघ

बोलीं-बॉलीवुड के गानों ने बनाया अभिनेत्री

बॉलीवुड में सहायक निर्देशक से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शरवरी वाघ पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने कहा, 'बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी वजह है कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ ही, मैं माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम को 'मैय्या यशोदा' में देखते हुए बड़ी हुई हूं और मैं घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी।'

अभिनेत्री ने इन पलों को बॉलीवुड से प्यार होने की वजह बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कहीं न कहीं, इन्हीं पलों ने मुझे बॉलीवुड के विचार से प्यार करना सिखाया।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पर्दे पर हमेशा से ही रोमांस करना पसंद है। अभिनेत्री शरवरी वाघ ने बताया, 'मुझे हमेशा से क्लासिक बॉलीवुड गानों का रोमांस, इमोशन और बड़े पर्दे वाला जादू पसंद रहा है, जिस तरह से आप एक गाने और डांस के जरिए पूरी कहानी बता सकते हैं। इसलिए सूरज बड़जात्या जी की 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ इसका अनुभव करना अविश्वसनीय रूप से खास लग रहा है।' शरवरी ने कहा, 'यह एक खूबसूरत पल जैसा लग रहा है, उस तरह के बॉलीवुड को जीने का, जिसे देखते हुए और जिसके सपने देखते हुए मैं बड़ी हुई हूं। मैं सच में इसके हर पल का आनंद ले रही हूं।' फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसमें फिल्म की हल्की झलक देखने को मिली। हालांकि फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस फिल्म से राजश्री का आइकॉनिक किरदार 'प्रेम' 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है, जिसे आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे।

सलमान खान की 'मॉन्स्टर' में होगा जबरदस्त एक्शन

सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को बड़े पर्दे पर देखने का दुनिया भर में मौजूद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं मच अवेटेड फिल्मों में से एक है सुपरस्टार स्टारर फिल्म 'मॉन्स्टर', जिसे श्री वेंकटेश्वरा क्रिएशंस के बैनर तले बनाया जा रहा है, जबकि इसे जाने माने फिल्ममेकर वामशी पैडिपल्ली डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। बता दें कि सलमान की इस हाई-बजट एक्शन ड्रामा ने दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा की है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स का इंतजार कर रहे फैंस के लिए इससे जुड़े एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी है कि प्रोजेक्ट में खलनायक की भूमिका निभा रहे अरविंद स्वामी, हाल के समय में 10 दिन के बड़े शेड्यूल के लिए मुंबई में मौजूद हैं। मुंबई में शूट होने वाले फिल्म के सीन्स खास हाईलाइट होने वाले हैं, क्योंकि जानकारी के मुताबिक वे सलमान खान के साथ कुछ अहम हिस्से के साथ-साथ कुछ एक्शंस सीन्स की भी शूटिंग कर रहे हैं। सूत्र ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि, 'मुंबई में अरविंद स्वामी ने अपनी 10 दिन के शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, और टीम इन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी और एग्जीक्यूशन पर बहुत काम कर रही है।

...ऐसे शुरू हुई स्टेबिन बेन और नुपूर सेनन की लव स्टोरी

गायक स्टेबिन बेन और नुपूर सेनन हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंचे, जहां इस कपल ने अपनी दिलचस्प प्रेम कहानी का खुलकर जिक्र किया। शो के दौरान स्टेबिन बेन ने बताया कि उन्होंने पहली बार 2016 में नूपुर को कोलैब के लिए मैसेज किया था। स्टेबिन ने बताया, 'हम दोनों को म्यूजिक से बहुत प्यार था। नूपुर क्लासिकली ट्रेन सिंगर हैं और मैंने कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं ली है, लेकिन मैं गाता था।' स्टेबिन बेन ने बताया, 'इसी तरह हम इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के काम की तारीफ करते-करते बातें करने लगे। मैंने नुपूर को बहुत साल पहले 2016 में कोलैब के लिए डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, तब वो यूट्यूबर थीं। नूपुर ने बताया कि उन्होंने स्टेबिन का मैसेज लगभग 4 साल तक देखा ही नहीं था। 2020 में जब उन्होंने स्टेबिन का गाया हुआ 'मेरा दिल भी कितना पागल है' का कवर सुना, तब पहली बार उन्होंने उनकी आवाज सुनी और उन्हें उनकी आवाज बहुत पसंद आई। नूपुर ने याद करते हुए बताया, 'उस समय मैं सिंगल थी और एक दिन मैंने इंस्टाग्राम पर स्टेबिन का डीएम देखा। उन्होंने यह मैसेज 2016 में कोलैब के लिए भेजा था। उनके मैसेज में कुछ अलग वाइब और एनर्जी थी, इसलिए मैंने रिप्लाई किया और हमारी बातें शुरू हो गईं। वो मुझे गानों के वॉइस नोट भेजते थे और मुझे वो बहुत पसंद आते थे।' नूपुर सेनन और प्रसिद्ध भारतीय गायक स्टेबिन बेन ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी की थी। यह शाही शादी उदयपुर में उदयसागर झील के बीच स्थित रेफल्स होटल में हुई। कपल ने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों से शादी की थी। उन्होंने पहले 10 जनवरी 2026 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से सफेद गाउन और सूट पहनकर वाइट वेडिंग की। इसके बाद पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। हिंदू विवाह समारोह के दौरान नूपुर ने पीच और ऑरेंज रंग का खूबसूरत डुअल-टोन लहंगा पहना था।

वाणी कपूर संग पहली बार नजर आएंगे इश्वाक सिंह

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। इस बारे में खास बातचीत में इश्वाक ने कहा...

बेहतरीन टीम के साथ काम करने में आया मजा

फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने अमर उजाला डिजिटल को बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।'

2023 में पूरी हुई थी शूटिंग अब रिलीज का इंतजार

बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'

वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'

क्या है कहानी

'सर्वगुण संपन्न' की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शक्ल एक मशहूर एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। इस वजह से उसे समाज और शादी से जुड़े कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ता है। फिल्म मजाकिया अंदाज में महिलाओं पर समाज की उम्मीदों और अपनी पहचान के साथ जीने की बात करती है। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, प्रयरक मेहता, गीता त्यागी, नामिक पॉल और श्वेता पासरिचा भी नजर आएंगे। फिल्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है।

भोपाल में 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में बोले गृह मंत्री- आपके बेटे-बेटियों के लिए नशे की जगह नहीं होगी; गोशालाओं को 101 करोड़, उज्जैन में 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का वर्चुअल भूमिपूजन

31 दिसंबर 2029 तक मध्य प्रदेश को नशामुक्त करने का लक्ष्यः अमित शाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा। भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित 11 जिलों के करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बारीकी से योजना बनाई जाएगी। उन्होंने अभिभावकों, विशेषकर माताओं से कहा कि उनके बेटे-बेटियों के लिए नशे की कोई जगह नहीं होगी। शाह ने इस दौरान गोशालाओं के लिए 101 करोड़ रुपए की राशि दी। साथ ही उज्जैन में बन रहे 255 करोड़ रुपए के डेयरी प्लांट का वर्चुअली भूमिपूजन किया। इसके अलावा वे भौंरी में आईआईएसईआर के अत्रि परिसर का शिलान्यास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। ोपालक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेसी सरकार का विरोध करते हैं और वे आज हिसाब देने आए हैं। उन्होंने कहा कि देश में आजादी के बाद 75 वर्षों में दूध का कुल उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन तक पहुंचा था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों में इसे 25 करोड़ टन तक पहुंचाने का काम हुआ है। शाह ने कहा कि वर्ष 2014-15 में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 307 ग्राम था, जो अब 58 प्रतिशत बढ़कर 485 ग्राम हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाला देश बन गया है। उनके अनुसार, दूध उत्पादन में देश के शीर्ष पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं। मित शाह ने कहा कि आजादी के बाद से मांग थी कि भारत सरकार में स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बनाया जाए, लेकिन कांग्रेस ने 75 वर्षों तक ऐसा नहीं किया। उनके अनुसार, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना हुई। शाह ने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा गोपालकों को मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि यदि गोपालक सहकारी व्यवस्था में दूध

भरेंगे तो पहले दिन से 35 रुपए की जगह 55 रुपए मिलने की शुरुआत हो जाएगी। शाह के कार्यक्रम के बाद अधिकारियों के साथ प्रस्तावित बैठक भी होने वाली थी, लेकिन यह बैठक रद्द हो गई। अधिकारियों के अनुसार, अमित शाह एक जरूरी बैठक में वर्चुअली जुड़ गए थे। इसी कारण उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी नहीं की।इससे पहले शाह ने होटल ताज में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और विश्वास सारंग के साथ बैठक की। बैठक में भाजपा के नए संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी भी मौजूद रहे।

31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्ति का लक्ष्य

अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर 2029 से पहले नारकोटिक्स से मुक्त करने के लिए बारीकी से योजना बनाई जाएगी। उन्होंने माताओं और अभिभावकों से कहा कि उनके बेटे-बेटियों के लिए नशे की जगह नहीं होगी। अधिकारियों के साथ प्रस्तावित बैठक रद्द होने के बाद शाह जरूरी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

नायरा एनर्जी ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम, पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए और डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की है। नई कीमतें शनिवार सुबह से लागू हो गईं। इस बढ़ोतरी के बाद भोपाल में पेट्रोल की कीमत 119.54 रुपए और डीजल की कीमत 102.64 रुपए प्रति लीटर हो गई है। कंपनी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों और बढ़ती लागत के बीच के अंतर को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है। निजी तेल कंपनियों की ओर से कीमतों में बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब कच्चे तेल की बढ़ती लागत और घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों के बीच अंतर को लेकर दबाव बना हुआ है। नायरा एनर्जी ने इससे पहले 26 मार्च को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। उस समय कंपनी ने पेट्रोल 5 रुपए और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर महंगा किया था। यह बढ़ोतरी ईरान संघर्ष के चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच की गई थी।

क्क्रूमोदी ने हरियाणा के सभी 48 भाजपा विधायकों से की मुलाकात, खिलाड़ियों-किसानों पर चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। हरियाणा भाजपा के सभी 48 विधायकों ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। करीब एक घंटे चली इस बैठक में प्रधानमंत्री ने प्रदेश के खिलाड़ियों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री नायब सैनी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के साथ अलग से मुलाकात भी की। मीटिंग खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी सभी विधायकों के साथ इलेक्ट्रिक बस से दिल्ली स्थित हरियाणा भवन पहुंचे। इसके बाद मुख्यमंत्री सैनी के शनिवार शाम सिंगापुर दौरे के लिए रवाना होने की जानकारी है। हरियाणा भाजपा के सभी विधायकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह बैठक लंबे अंतराल के बाद हुई। बताया गया कि इससे पहले वर्ष 2014 में भाजपा के सभी विधायकों की प्रधानमंत्री के साथ बैठक हुई थी। यानी करीब 12 साल बाद हरियाणा भाजपा के सभी विधायकों को एक साथ प्रधानमंत्री के साथ संवाद का मौका मिला। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा भवन में सभी विधायकों के साथ लंच किया।

नोएडा में 68 मंजिला इमारत से युवक ने लगाई छलांग, 43वीं मंजिल की बालकनी से कूदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नोएडा। सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसाइटी के एस्पायर टावर में शनिवार को 29 वर्षीय युवक ने 43वीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान संभव जैन पुत्र विनय कुमार जैन के रूप में हुई है। वह गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर क्षेत्र का रहने वाला था। संभव ने 68 मंजिला इमारत के 43वें फ्लोर से छलांग लगाई। जमीन पर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें संभव बालकनी की रेलिंग से बाहर की तरफ लटका दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि वह कुछ सेकंड तक रेलिंग पर रहा। इसी दौरान पास के कमरे में काम कर रहे चार एसी टेक्नीशियन बाहर आए और उसे बचाने की कोशिश की। चारों युवकों ने उसका हाथ पकड़कर उसे ऊपर आने के लिए समझाया, लेकिन संभव ने उनकी बात नहीं मानी। पुलिस के मुताबिक, संभव ने टेक्नीशियनों से बातचीत के दौरान कहा कि वह बहुत ज्यादा डिप्रेशन में है और जीना नहीं चाहता। इसके बाद उसने युवकों से अपना हाथ छुड़ाया और रेलिंग छोड़कर नीचे छलांग लगा दी।

संभव जैन, मृतक

अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग; 'धुरंधर', 'पठान' और 'एनिमल' की पहले दिन की कमाई को भी पीछे छोड़ा, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 95.10 करोड़ के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दृश्यम 3ः द कन्क्लूजन' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर जोरदार शुरुआत की है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी यह फिल्म शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर विजय सलगांवकर के किरदार में नजर आए हैं। पहले दिन फिल्म ने भारत में 66.75 करोड़ रुपए नेट कमाई दर्ज की। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 15,759 शोज से 66.75 करोड़ रुपए नेट कलेक्शन किया। भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 80.10 करोड़ रुपए से ज्यादा रहा, जबकि विदेशों में फिल्म ने करीब 15 करोड़ रुपए कमाए। इस तरह फिल्म का पहले दिन का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 95.10 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। 66.75 करोड़ रुपए की पहले दिन की कमाई के साथ 'दृश्यम 3ः द कन्क्लूजन' अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 'सिंघम अगेन' के नाम था, जिसने पहले दिन 43.50 करोड़ रुपए कमाए थे। 'दृश्यम 3' ने इस आंकड़े को काफी पीछे छोड़ दिया। फिल्म इस साल किसी हिंदी फिल्म की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज करने वाली फिल्म भी बन गई है। यह सिर्फ 'धुरंधर द रिवेंज' से पीछे है। फिल्म ने रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की 30 करोड़ रुपए की ओपनिंग को पीछे छोड़ा। इसके अलावा शाहरुख खान की 'पठान' के 57 करोड़ रुपए और रणबीर कपूर की 'एनिमल' के 63 करोड़ रुपए के पहले दिन के कलेक्शन को भी पार कर लिया। 'दृश्यम 3' ने पहले दिन के वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन में 'कल्कि' की 95 करोड़ रुपए और 'सालार' की 91 करोड़ रुपए की कमाई को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म की शुरुआत से ही दर्शकों के बीच इसकी मांग देखने को मिल रही थी फिल्म की एडवांस बुकिंग में भी अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। बुकिंग शुरू होने के सात दिनों में भारत में फिल्म ने 60.17 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन दर्ज किया।

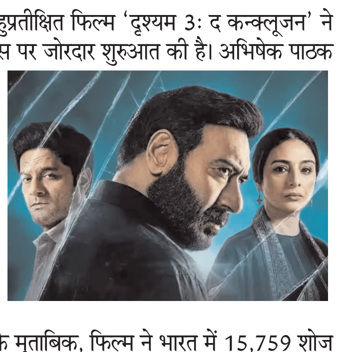

डंडे और पत्थर से किया हमला; नाना समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत, तीन बच्चों सहित चार घायल, पुजारी पर भी हमला

अनूपपुर में युवक का खूनी हमला, नानी-नाना समेत परिवार के चार लोगों की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के अमोदा गांव में शनिवार को एक युवक ने अपने ही परिवार पर लाठी-डंडे और पत्थर से हमला कर दिया। हमले में उसकी नानी, नाना, मां और मामा की बेटी की मौत हो गई। नाना की आंखों पर भी गंभीर चोट पहुंची। घटना में तीन अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी है। इससे पहले आरोपी ने गांव के शनि मंदिर में पुजारी पर भी लाठी से हमला किया था। करनपठार पुलिस के मुताबिक, आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय भन्नी बाई गोंड, 75 वर्षीय संपत सिंह गोंड, 50 वर्षीय अनूपिया बाई और मोनिका के रूप में हुई है। घायलों में चंचल, भारती सिंह, चैन सिंह और पुजारी गंगाराम शामिल हैं।

पुजारी पर रात में हमला, ग्रामीणों ने बांधा

आरोपी के मामा चैन सिंह के अनुसार, उनका घर अमोदा गांव की बस्ती से करीब एक किलोमीटर दूर नाले के पास है। रात करीब 11 बजे प्रेम सिंह नाला पार कर शनि मंदिर पहुंचा। वहां उसने पुजारी गंगाराम पर लाठी से हमला कर दिया। पुजारी गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आरोपी को रस्सी से बांध दिया। पुजारी के परिजन उन्हें उपचार के लिए जबलपुर ले गए, जहां निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

संपत सिंह नाना | भन्नी बाई नानी | अनूपिया मां

रस्सी खुलने के बाद घर पहुंचा

चैन सिंह के मुताबिक, सुबह वह भैंस चराने जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी बहन अनूपिया बाई ने प्रेम सिंह के हाथ-पैर खोल दिए। इसके बाद वह नाला पार कर घर पहुंचा। घर में परिवार के सदस्य मौजूद थे और बच्चे आंगन में खेल रहे थे। आरोप है कि घर में पहुंचते ही प्रेम सिंह ने लाठी और पत्थर से हमला शुरू कर दिया। उसने परिवार के सदस्यों पर वार किए। हमले में बच्चे भी घायल हुए।

बड़ी बेटी ने भागकर दी सूचना

हमले के दौरान परिवार की एक बच्ची किसी तरह वहां से निकलकर जंगल की ओर भागी और चैन सिंह को घटना की जानकारी दी। इसके बाद चैन सिंह घर पहुंचे। उनके अनुसार, प्रेम सिंह ने उन पर भी हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़कर फिर रस्सी से बांध दिया। तब तक संपत सिंह, भन्नी बाई और अनूपिया की मौत हो चुकी थी। घायलों को शहडोल मेडिकल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मोनिका ने भी दम तोड़ दिया। चैन सिंह के हाथ में फ्रैक्चर और सिर में चोट आई है, जबकि बच्ची भारती की हालत गंभीर बताई गई है और उसे आईसीयू में रखा गया है। चैन सिंह ने बताया कि अनूपिया का ससुराल उमरिया जिले के नौरोजाबाद के पास मरदरी गांव में है। उनके पति की करीब पांच साल पहले मौत हो चुकी है। उनके दो बेटे हैं, जिनमें प्रेम सिंह बड़ा बेटा है। परिजनों के अनुसार, प्रेम सिंह की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। अनूपिया भी तबीयत खराब होने के कारण करीब एक सप्ताह पहले इलाज के लिए मायके आई थी। प्रेम सिंह भी तीन दिन पहले ही गांव आया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

रात में पुजारी पर हमला, सुबह परिवार पर टूटा कहर

अनूपपुर के अमोदा गांव में युवक ने पहले रात में शनि मंदिर के पुजारी पर हमला किया। ग्रामीणों ने आरोपी को रस्सी से बांध दिया था। सुबह रस्सी खुलने के बाद वह घर पहुंचा और परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। घटना में नानी, नाना, मां और मामा की बेटी की मौत हो गई

बीदर में आतंकी गतिविधियों के आरोप में युवक गिरफ्तार, पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से संपर्क का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीदर। कर्नाटक के बीदर में पुलिस ने आतंकी गतिविधियों से जुड़े होने के आरोप में 24 वर्षीय युवक विशाल कुमार मेट्रे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक विशाल पाकिस्तान में मौजूद शहजाद भट्टी, राणा हनैन और नोमी खान के संपर्क में था। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया।

विशाल बीदर के भालकी तालुका के येनकूर गांव का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार वह शहजाद भट्टी के संपर्क में व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम के जरिए था। दोनों के बीच अवैध हथियारों की तस्करी और बिक्री से संबंधित बातचीत होने का आरोप है।

पाकिस्तान में मौजूद लोगों के अलावा अन्य राज्यों से भी संपर्क

पुलिस ने शनिवार को बताया कि विशाल के संपर्क केवल पाकिस्तान में मौजूद लोगों तक सीमित नहीं थे। वह उत्तर प्रदेश के मैनपुरी निवासी आशु शर्मा और मध्य प्रदेश के खरगोन निवासी राज भाई उर्फ लकी सिंह के संपर्क में भी था। पुलिस के मुताबिक विशाल दिसंबर 2025 से देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में निगरानी में था। तब से ही उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही थी। जांच में अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसके द्वारा हथियारों या पैसों का कोई लेनदेन किया गया था या नहीं।

मोबाइल की जांच से संपर्कों का पता चला

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान विशाल ने शुरुआत में आतंकी संगठनों और अवैध हथियार नेटवर्क से संबंध होने से इनकार किया। उसने अपना मोबाइल फोन देने से भी मना किया। बाद में उसने पुलिस को फोन सौंप दिया।

एफआईआर के मुताबिक मोबाइल की शुरुआती जांच और इंस्टाग्राम-व्हाट्सऐप की पड़ताल में पुलिस को उसके विभिन्न संपर्कों के बारे में जानकारी मिली। पुलिस का दावा है कि इन संपर्कों से अवैध हथियारों की तस्करी और बिक्री से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां सामने आई हैं। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि राणा हनैन ने विशाल को 'राहे हक' और RANA BHAI 333' नाम के व्हाट्सऐप चैनलों के लिंक भेजे थे। पुलिस के मुताबिक विशाल इन चैनलों से जुड़ गया था और वहां पोस्ट तथा वीडियो देखता था। पुलिस ने इन सामग्री को भारत की एकता और संप्रभुता के खिलाफ तथा देश-विरोधी बताया है।

AI जनरेटेड

पुलिस ने यह भी आरोप लगाया है कि विशाल व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम के जरिए मैनपुरी के आशु शर्मा तथा राज भाई उर्फ लकी सिंह के संपर्क में था। विशाल के खिलाफ खटक चिंचोली पुलिस स्टेशन में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी UAPA और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब उसके कथित संपर्कों, सोशल मीडिया गतिविधियों और किसी संभावित हथियार या वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। पाकिस्तान से सोशल मीडिया संपर्क, बीदर में गिरफ्तारी बीदर के 24 वर्षीय विशाल कुमार मेट्रे को पुलिस ने आतंकी गतिविधियों से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

राहुल गांधी ने शुरू की 'सत्याग्रह' पहल, अन्याय के खिलाफ लड़ रहे लोगों से मांगी उनकी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने देशभर में अपने अधिकारों और अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे लोगों की आवाज को एक मंच पर लाने के लिए 'सत्याग्रह' नाम से एक पहल शुरू की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों से अपील की कि जो भी व्यक्ति या समूह किसी अन्याय के खिलाफ लड़ रहा है, वह अपनी कहानी उनके साथ साझा करे। राहुल गांधी ने कहा कि देशभर में लोग अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। उन्होंने जेन-जी, छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं सहित विभिन्न वर्गों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि हर संघर्ष की अपनी कहानी है, लेकिन अकेले उठने वाली आवाज अक्सर दब जाती है।राहुल ने कहा कि 'सत्याग्रह' ऐसी ही आवाजों को एक साथ जोड़ने की पहल है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सच सबसे बड़ा हथियार है और उससे भी बड़ा हथियार एकता के साथ सच के पक्ष में खड़ा होना है। उन्होंने अन्याय का सामना कर रहे लोगों से अपनी कहानी भेजने की अपील की और कहा कि इसमें करीब दो मिनट लगेंगे। राहुल गांधी की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी सत्याग्रह को संघर्ष के एक तरीके के रूप में अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के अनुसार, उस दौर में लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामलों की जानकारी पत्रों के माध्यम से भेजी थी। गांधीजी को भेजे गए 8,500 से अधिक पत्र आज भी मौजूद बताए जाते हैं। हालांकि, इन पत्रों की वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध को लेकर विपक्षी दलों और विभिन्न संगठनों की गतिविधियां भी जारी हैं।

इलॉन मस्क और भारतीय मूल की शिवॉन जिलिस का ब्रेकअप, एक हफ्ते पहले कहा था 'आई लव यू'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क और उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड शिवॉन जिलिस का ब्रेकअप हो गया है। न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। दोनों के चार बच्चे हैं। जिलिस ने कहा कि वह इस रिश्ते के खत्म होने से दुखी हैं, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हैं। जिलिस ने बताया कि ब्रेकअप से करीब एक सप्ताह पहले ही मस्क ने उनसे 'आई लव यू' कहा था। इसके बाद अचानक उन्होंने रिश्ता खत्म कर दिया। जिलिस के मुताबिक उन्हें ब्रेकअप को लेकर पहले से कोई चेतावनी नहीं मिली थी। जिलिस ने अपनी पोस्ट में कहा कि वह इस ब्रेकअप से दुखी हैं, लेकिन वह अब भी मस्क की परवाह करती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों भविष्य में अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने बच्चों की परवरिश साथ मिलकर करते रहेंगे। लॉन मस्क और शिवॉन जिलिस के चार बच्चे हैं। इनमें जुड़वां बच्चे स्ट्राइडर और एज्योर, बेटी अर्काडिया और बेटा सेल्डन लाइकर्गस शामिल हैं। मस्क ने 2021 में अपने जुड़वां बच्चों के जन्म की जानकारी सार्वजनिक की थी। इसके बाद बेटी अर्काडिया का जन्म 2024 में हुआ। वहीं, 28 फरवरी 2025 को शिवॉन जिलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने चौथे बच्चे सेल्डन लाइकर्गस के जन्म की जानकारी दी थी। हालांकि, उन्होंने उस समय बच्चे की सटीक जन्म तारीख नहीं बताई थी। सेल्डन लाइकर्गस इलॉन मस्क का 14वां बच्चा है। शिवॉन जिलिस 2021 से 2025 के बीच तीन बार मां बनीं। मस्क और जिलिस के चारों बच्चों की परवरिश अब दोनों के बीच किस तरह जारी रहती है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। ब्रेकअप की पुष्टि करते हुए जिलिस ने अपनी पोस्ट में मस्क के लिए खुशी की कामना की और कहा कि वह चाहती हैं कि दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहें।

फ्लाईदुबई की उड़ान में को-पायलट के हमले के बाद भी यात्रियों की बचाई जान; सलमान बोले- 'कमाल कर दिया पायलट जी', शाहरुख ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर पर को-पायलट द्वारा हमला किए जाने की घटना सामने आई है। बताया गया कि हमले के बाद फ्लाइट ऐसी स्थिति में पहुंच गई थी, जिसमें हादसे का खतरा पैदा हो गया था। घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ से स्थिति संभाली और यात्रियों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। कैप्टन स्मित की बहादुरी की चर्चा के बीच शुक्रवार देर रात अभिनेता सलमान खान ने उनकी तारीफ की। सलमान ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से कैप्टन स्मित को संबोधित करते हुए लिखा, 'कमाल कर दिया पायलट जी, हम सब आपको सैल्यूट करते हैं। पके साथ उड़ान भरने में गर्व महसूस होगा। वेल डन ब्रो कैप्टन स्मित मच्छर।' शाहरुख खान ने भी की तारीफ अभिनेता शाहरुख खान ने भी कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी की सराहना की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब कैप्टन स्मित मजबूती से खड़े रहे। शाहरुख ने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना और यात्रियों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालना आसान नहीं होता, लेकिन स्मित ने ऐसा किया और यात्रियों की रक्षा की।

अनिल कपूर ने भी साझा किया अनुभव

अभिनेता अनिल कपूर ने भी कैप्टन स्मित को लेकर एक लंबी पोस्ट साझा की। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर जलाल ने उन्हें बताया कि वह स्मित को फ्लाइंग स्कूल के दिनों से जानते हैं। अनिल के मुताबिक, जलाल हमेशा से मानते थे कि किसी मुश्किल परिस्थिति में वह स्मित को अपने साथ रखना चाहें अनिल कपूर ने लिखा कि इस बात ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया कि स्मित में शुरुआत से ही कितना साहस रहा होगा, जिसे उनके आसपास के लोगों ने कम उम्र में ही पहचान लिया था। उन्होंने आगे कहा कि उस मुश्किल घड़ी में स्मित ने जो किया, वह असाधारण था। जब कोई व्यक्ति खुद बेहद डरावनी परिस्थिति का सामना कर रहा हो, तब भी मजबूत बने रहना और दूसरों को खुद से पहले रखना असाधारण हिम्मत की बात है। अनिल कपूर ने कैप्टन स्मित के प्रति सम्मान जताते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

कैप्टन को सितारों का सलाम

फ्लाइट में घायल होने के बावजूद यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्थिति संभालने वाले कैप्टन स्मित मच्छर की सलमान खान, शाहरुख खान और अनिल कपूर ने तारीफ की। सलमान ने उन्हें 'वेल डन ब्रो' कहा, जबकि शाहरुख और अनिल ने उनकी बहादुरी को सलाम करते हुए जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.